page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/27/2025 1:02 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 साइबर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

5 युवा तेजी से खेलों की ओर आकर्षित हो रहे है: साइना नेहवाल

8 पत्तीदार सब्जियों की वैज्ञानिक खेती

मौसम जम्मू — न्यूनतम 8 — अधिकतम 18

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-318 | जम्मू तवी, शनिवार 27 दिसम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

सत्यमेव जयते

शीत लहर

मौजूदा शीत लहर के दौरान सहायता व रिपोर्टिंग हेतु निकटतम सेवाओं का उपयोग करें।

आपातकालीन संपर्क:

112

0194-2502254 | 0194-2950767 | 9797041155 | 9086131746

24/7

DIP/J-9422/25 Dtd: 26-12-2025

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, जम्मू एवं कश्मीर

@informationprjk Information & PR, J&K @diprjk @dipr_jk

साहिबजादे देश का गौरव, हर भारतीय को उनसे ताकत और प्रेरणा मिलती है : मोदी

नयी दिल्ली 26 दिसम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने माता गुजरी, गुरु गोविंद सिंह और चारों साहिबजादों की वीरता को देश का गौरव बताते हुए कहा है कि इनके आदर्श आज भी हर भारतीय को ताकत और प्रेरणा देते हैं।

उन्होंने कहा कि देश का भविष्य बच्चों और युवाओं से ही जुड़ा है इसलिए वह अपेक्षा करते हैं कि वे बड़े सपने देखें, कड़ी मेहनत करें और आत्मविश्वास को कमजोर न पड़ने दें।

श्री मोदी ने शुक्रवार को यहां वीर बाल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वीर साहिबजादे क्रूर मुगल शासकों के सामने ऐसे मजबूती से खड़े हुए की महजबी कट्टरपंथ का वजूद हिल गया था। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कतार से सम्मानित 20 बच्चे भी कार्यक्रम में मौजूद थे। उन्होंने कहा, वीर साहिबजादे भारत का गौरव, भारत के अदम्य साहस और शौर्य की पराकाष्ठा हैं। माता गुजरी, श्री गुरु गोविंद सिंह और चारों

साहिबजादों की वीरता और आदर्श आज भी हर भारतीय को ताकत देते हैं हमारे लिए प्रेरणा हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब भी 26 दिसम्बर का दिन आता है तो उन्हें तसल्ली होती है कि वीर बाल दिवस मनाने की यह परंपरा साहिबजादों की वीरता को नयी पीढी तक पहुंचा रही है और इसके लिए एक भी मंच भी तैयार हुआ है।

चार वर्ष पहले वीर बाल दिवस मनाने की परंपरा की शुरूआत का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीयों के बलिदान और शौर्य की स्मृतियों को दबाया नहीं जायेगा और न ही देश के नायक, नायिकाओं को हाशिये पर रखा जायेगा। उन्होंने कहा, भारत ने तय किया है कि गुलामी की मानसिकता से मुक्ति पानी ही होगी। अब हम भारतीयों के बलिदान हमारे शौर्य की स्मृतियां दबेंगी नहीं अब देश के नायक नायिकाओं को हाशिये पर नहीं रखा जायेगा।

भाषाई विविधता को देश की ताकत बताते हुए उन्होंने कहा कि गुलामी की मानसिकता से मुक्त होते हमारे देश में भाषाई विविधता हमारी ताकत बन रही है। देश को विकसित बनाने के लिए अगले 25 वर्षों को बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि इसमें युवा पीढी की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मौजूद बच्चों और युवाओं की ओर इशारा करते हुए कहा, जेन जेड और जेन अलफा आपकी पीढी ही भारत को विकसित भारत के लक्ष्य तक ले जायेगी।

उन्होंने कहा कि देश का भविष्य युवाओं और बच्चों से जुड़ा है इसलिए उनकी अपेक्षा है कि वे बड़े सपने देखें, कडी मेहनत करें और आत्मविश्वास को कमजोर न पडने दें।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वीर बाल दिवस का मंच हर वर्ष अलग अलग क्षेत्रों में देश के लिए कुछ कर दिखाते हैं उन्हें प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार दिया जाता है। इस वर्ष भी 18 राज्यों के 20 बच्चों को ये पुरस्कार दिये गये हैं

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मिसाल बना 10 साल का शवण, अनुशका ने फुटबॉल के मैदान में दागे कई गोल

नई दिल्ली, 26 दिसंबर। छोटी उम्र में अद्भय साहस, अद्भुद प्रतिभा के धनी बच्चों ने आज दूसरे बच्चों में मिसाल बन मशाल की तरह लौ जगाई है। शुक्रवार को देश के ऐसे ही अद्भुद प्रतिभावान 20 बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इनमें से कई बच्चों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बात की और उनका हौसला बढ़ाया। हिन्दुस्थान समाचार ने इन प्रतिभाशाली पुरस्कृत बच्चों से खास बातचीत की और जाना कि कैसे उन्होंने अपनी प्रतिभा को निखारा और आगे देश के विकास में किस तरह से अहम भागीदारी निभा सकेंगे। प्रतिभावान पुरस्कृत बच्चों ने बताया कि सपने, मेहनत, लगन और साहस एक दिन आपको सुनहरे भविष्य की ओर ले जा सकते हैं। फिर चाहे वो जंग का मैदान हो या़ फिर फुटबॉल ग्राउंड। पंजाब के चक तारण वाली गांव के रहने वाले 10 साल के शवण सिंह ने बताया कि किस तरह से ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को हमारी सेना ने हराया। शवण बताते हैं

कि जब उनके गांव के ऊपर से कई ड्रोन उड़ रहे थे, गोलियों की आवाजें बंद होने का नाम नहीं ले रही थी। उस समय उन्हें लगा कि उन्हें अपने सैनिकों के लिए कुछ करना चाहिए। उन्होंने दिन रात फौजियों को चाय, लस्सी और खाना बांटा। शवण बताते हैं कि इस दौरान उन्हें फौजियों ने भी खूब प्यार दिया और उन्हें अपनी तरह फौजी बनने के लिए प्रेरित किया। शवण बताते हैं कि वे बड़ा होकर एक भारतीय सेना में फौजी बनेंगे। वहीं, झारखंड की रहने वाली 14 साल की अनुशका कुमारी ने फुटबॉल के मैदान को अपनी कर्मभूमि बनाया। आज अंडर 17 महिला फुटबॉल टीम में वे खेल रही हैं और कई गोल बनाने का खिताब उनके नाम हैं। अनुशका बताती हैं कि उनकी माता आज भी मजदूरी कर घर चलाती हैं। बड़ी मुश्किल से उन्हें जूते दिला पाती हैं। पिता काम के दौरान फिसल कर घायल हो गए थे तब से पूरा परिवार मजदूरी कर घर चलाता है।

आतंकवाद का स्वरूप बदल रहा है, हमें उससे दो कदम आगे रहना होगा : अमित शाह

नई दिल्ली, 26 दिसंबर। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल के साथ आतंकवाद का स्वरूप बदल रहा है और उससे निपटने के लिए भारत को हमेशा दो कदम आगे रहना होगा। उन्होंने कहा कि आनेवाली पीढ़ियों के लिए एक अभेद्य और मजबूत आतंकवाद निरोधी ग्रिड बनाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

अमित शाह शुक्रवार को यहां आयोजित 'आतंकवाद निरोधी सम्मेलन' के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। यह सम्मेलन गृह मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय जांच

एजेंसी (एनआईए) द्वारा आयोजित किया गया है। सम्मेलन में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के प्रतिनिधि और कानून, फोरेंसिक व प्रौद्योगिकी क्षेत्र के विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। गृह मंत्री ने कहा कि यह सम्मेलन केवल चर्चा का मंच नहीं बल्कि ऐसे ठोस और क्रियान्वयन योग्य निर्णयों का माध्यम है, जिन पर सालभर काम किया जाता है। उन्होंने सभी एजेंसियों से देश और दुनिया में हुई आतंकी घटनाओं का गहन विश्लेषण कर आतंकवाद निरोधी क्षमताओं को और मजबूत करने का आह्वान किया। शाह ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए केन्द्र और राज्यों की सभी एजेंसियों को 'टीम इंडिया' की भावना के साथ काम करना होगा। उन्होंने कहा कि ऑपरेशनल यूनिफॉर्मिटी, बेहतर इंटेलिजेंस शेयरिंग और समन्वित कार्रवाई से ही आतंकवाद को निर्णायक रूप से हराया जा सकता है।

भारतीय रेलवे की बड़ी योजना: साल 2030 तक 48 प्रमुख शहरों में ट्रेन प्रारंभिक क्षमता दोगुनी होगी

नई दिल्ली, 26 दिसंबर। यात्रियों की मांग में तेज़ और लगातार हो रही वृद्धि को देखते हुए भारतीय रेलवे ने बड़ी क्षमता विस्तार योजना तैयार की है। इसके तहत अगले पांच वर्षों में 48 प्रमुख शहरों में ट्रेनों की प्रारंभिक (ऑरिजिनेटिंग) क्षमता को मौजूदा स्तर से दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। यह योजना वर्ष 2030 तक पूरी की जानी है, जबकि इसके लाभ चरणबद्ध तरीके से पहले ही मिलने लगेंगे। रेल मंत्रालय के अनुसार, क्षमता दोगुनी करने के लिए मौजूदा बुनियादी ढांचे का व्यापक विस्तार किया जाएगा। इसके तहत टर्मिनलों पर अतिरिक्त प्लेटफॉर्म, स्टेबलिंग लाइन, पिट लाइन और पर्याप्त शंटिंग सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही शहरी क्षेत्रों में नए टर्मिनल की पहचान और निर्माण, मेगा कोचिंग कॉम्प्लेक्स सहित रखरखाव सुविधाओं का विकास तथा सिग्नलिंग उन्नयन, ट्रैफिक सुविधा कार्यों और मल्टी-ट्रैकिंग के जरिए सेक्शन क्षमता बढ़ाई जाएगी। टर्मिनल क्षमता बढ़ाने की योजना बनाते समय आसपास के स्टेशनों को भी शामिल किया जाएगा, ताकि क्षमता का संतुलित विकास हो सके। उदाहरण के तौर पर पुणे के लिए पुणे स्टेशन के साथ-साथ हडपसर, खड़की और आलंदी स्टेशनों को भी क्षमता विस्तार के लिए चिन्हित किया गया है। यह योजना उपनगरीय और गैर-उपनगरीय, दोनों प्रकार की रेल सेवाओं को ध्यान में रखते हुए तैयार की जाएगी। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई और हैदराबाद सहित 48 प्रमुख शहरों के लिए समग्र और समयबद्ध कार्ययोजना बनाई जाएगी, जिसमें प्रस्तावित, नियोजित और स्वीकृत सभी कार्यों का विवरण शामिल होगा।

जम्मू क्षेत्र में इस साल 1.47 करोड़ से ज्यादा पर्यटक, जिनमें 12,000 विदेशी भी शामिल थे

जम्मू, 26 दिसंबर। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी हमलों (पहलगाम), ऑपरेशन सिंदूर और अप्रत्याशित बारिश और बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित होने के बावजूद जम्मू और कश्मीर के जम्मू क्षेत्र में इस साल 1.47 करोड़ से ज्यादा पर्यटक आए जिनमें 12,000 विदेशी भी शामिल थे जिन्होंने विभिन्न जगहों का दौरा किया। जम्मू और कश्मीर में पर्यटन क्षेत्र इस साल अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले उसके बाद मई में ऑपरेशन सिंदूर और अगस्त महीने में भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ के कारण प्रभावित रहा जिसने बड़े पैमाने पर जम्मू डिवीजन को प्रभावित किया। माता वैष्णो देवी, शिवखोरी मंदिर, पटनीटॉप, सनासर, भद्रवाह सहित पर्यटन स्थल सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। अधिकारियों के अनुसार इस साल अब तक कुल 1,47,32,552 टूरिस्ट जिनमें 12889 विदेशी शामिल हैं जम्मू क्षेत्र में आए। अधिकारियों ने बताया कि इसमें से 63,68,233 तीर्थयात्रियों ने रियासी जिले की त्रिकुटा पहाड़ियों में स्थित श्री माता वैष्णो देवी की पवित्र गुफा मंदिर का दौरा किया जिसमें 12885 विदेशी शामिल थे।

30 दिसंबर से 1 जनवरी तक कश्मीर में बारिश और बर्फबारी की संभावना

श्रीनगर, 26 दिसंबर। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि जम्मू-कश्मीर में ज्यादातर जगहों पर बादल छाए रहने से से लोगों को ठंड से थोड़ी राहत मिली है।

मौसम विभाग ने 28 दिसंबर तक कश्मीर में आमतौर पर सूखा मौसम रहने का अनुमान लगाया है। हालांकि, नए साल की शाम के आसपास बारिश हो सकती है और 29 दिसंबर को ऊंचाई वाले कुछ इलाकों में हल्की बर्फबारी हो सकती है। मौसम विभाग ने कहा कि 30 दिसंबर से 1 जनवरी तक मैदानी इलाकों में हल्की बारिश और ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी की संभावना है।

मीरवाइज़ उमर फ़ारूक़ के उठाए गए कदम को उनके खिलाफ हथियार नहीं बनाया जाना चाहिए : वहीद पारा

श्रीनगर, 26 दिसंबर। पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता और पुलवामा के विधायक वहीद पारा ने शुक्रवार को कहा कि मीरवाइज़ उमर फ़ारूक़ ने शांति के प्रतीक के रूप में ऐपीएचसी टैग हटाया है और इस कदम को उनके खिलाफ हथियार नहीं बनाया जाना चाहिए। पारा ने संकेत दिया कि अपने वेरिफाइड एक्स प्रोफ़ाइल से चेयरमैन ऑल पार्टीज़ हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के रूप में अपना पदनाम हटाकर, मीरवाइज़ ने कठोरता के बजाय शांति को चुना। इस्लामी इतिहास से एक किस्सा सुनाते हुए पुलवामा के विधायक ने कहा कि हुदैबिया की संधि में पैगंबर ने शांति के हित में मुहम्मद-उर-रसूलुल्लाह शब्दों को मिटाने पर सहमति व्यक्त की थी जो कलिमा की नींव है। उन्होंने आगे कहा कि इतिहास इसे समझौता नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता, दूरदर्शिता और नैतिक साहस के रूप में याद करता है।उन्होंने कहा कि जो लोग इस फैसले के लिए उन पर हमला कर रहे हैं और ट्रोल कर रहे हैं वे जानबूझकर उन्हें कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं उनके रास्ते को और मुश्किल बना रहे हैं इसके बावजूद कि उन्होंने असाधारण चुनौतियों का सामना किया है और उनके पिता ने सर्वोच्च बलिदान दिया है। एक्स पर एक पोस्ट में वहीद पारा ने लिखा हुदैबिया की संधि में पैगंबर ने सिर्फ शांति के हित में मुहम्मद-उर-रसूलुल्लाह शब्द हटाने पर सहमति जताई थी जो कलमा की नींव है। इतिहास इसे समझौता नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता, दूरदर्शिता और नैतिक साहस के रूप में याद करता है।卐 उन्होंने आगे कहा कि अगर मीरवाइज़ कश्मीर ने शांति के कार्य के रूप में ऐपीएचसी टैग हटाया है तो इसे कभी भी उनके खिलाफ हथियार के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

औद्योगिक विकास को गति देने के लिए एसोचेम प्रतिनिधिमंडल ने प्रमुख सचिव से की मुलाकात

जम्मू, 26 दिसंबर। एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचेम) जम्मू-कश्मीर काउंसिल के एक प्रतिनिधिमंडल ने उद्योग एवं वाणिज्य विभाग जम्मू-कश्मीर सरकार के प्रमुख सचिव विक्रमजीत सिंह से मुलाकात कर केंद्रशासित प्रदेश में औद्योगिक एवं व्यावसायिक माहौल को सशक्त बनाने के लिए आवश्यक नीतिगत हस्तक्षेपों को लेकर एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा।

इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व एसोचेम जेएंडके काउंसिल के चेयरमैन माणिक बत्रा और को-चेयरमैन भूपेश गुप्ता ने किया। उनके साथ अमित खजूरिया, असिस्टेंट डायरेक्टर भी उपस्थित रहे। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के निदेशक अरुण मनहास, जम्मू-कश्मीर ट्रेड प्रमोशन ऑर्गनाइजेशन के प्रबंध निदेशक सुदर्शन कुमार तथा सिडको और सिकोप के प्रबंध निदेशक प्रदीप सिंह भी मौजूद रहे।

कश्मीरियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न राज्यों में मंत्री स्तरीय टीम भेजी जाए : महबूबा

श्रीनगर, 26 दिसंबर। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शुक्रवार को कहा कि देश में असहिष्णुता बढ़ रही है और उन्होंने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि उत्पीड़न की घटनाओं के मद्देनजर कश्मीरियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न राज्यों में मंत्री स्तरीय टीम भेजी जाए। महबूबा ने यहां पत्रकारों से कहा, पूरे देश में असहिष्णुता बढ़ गई है। लिंचिंग की घटनाएं हो रही हैं। बांग्लादेश में जो हो रहा है उससे हमें बहुत दुख होता है लेकिन जो लोग इसकी आलोचना करते हैं वे यहां उत्पीड़न की घटनाए होते देख मूक दर्शक बने रहते हैं।

उत्तराखंड में एक कश्मीरी व्यापारी पर हुए हमले का जिक्र करते हुए पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख ने कहा कि उन्होंने तुरंत एक ट्वीट किया और उत्तराखंड के डीजीपी को टैग करते हुए इस मामले में हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने आगे कहा कि इसीलिए आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस में अभी भी कुछ अधिकारी हैं जो कार्रवाई करते हैं। लेकिन 72 घंटों में तीन घटनाएं हुई- उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा में। जो हो रहा है वह चिंताजनक है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से आग्रह किया कि वे एक मंत्रिस्तरीय टीम गठित करें और उसे राज्यों में भेजें ताकि वहां के कश्मीरियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। महबूबा ने कहा, हमारी सरकार को हर राज्य में खासकर उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा में जहां इस तरह की घटनाएं सबसे ज्यादा होती हैं, मंत्रिस्तरीय टीम भेजनी चाहिए।卐 कश्मीर के प्रमुख धर्मगुरु मीरवाइज उमर फारूक द्वारा अपने प्रोफाइल से 'हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष' का पदनाम हटाने पर महबूबा ने कहा कि यह उनका निजी फैसला है लेकिन सरकार को हुर्रियत के पीछे के विचार पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह उनका (मीरवाइज का) निजी फैसला है। लेकिन मैं कहना चाहती हूं कि पूरा हुर्रियत नेतृत्व जेल में है इसलिए नए शिविर नहीं बनाए जाने चाहिए, न ही नई गिरफ्तारियां होनी चाहिए और न ही विचारों पर निगरानी रखी जानी चाहिए।

LG लद्दाख ने गुरुद्वारा पत्थर साहिब का दौरा किया; वीर बाल दिवस पर साहिबजादों के सर्वोच्च बलिदान को याद किया

लेह, 26 दिसंबर। लद्दाख के माननीय उपराज्यपाल, श्री कविंदर गुप्ता ने आज वीर बाल दिवस के अवसर पर गुरुद्वारा पत्थर साहिब का दौरा किया और साहिबजादा बाबा ज़ोरावर सिंह जी, साहिबजादा बाबा फतेह सिंह जी और माता गुजरी जी के अद्वितीय साहस और सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धांजलि दी। उपराज्यपाल ने श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के पूजनीय पुत्रों साहिबजादों और माता गुजरी जी की असाधारण बहादुरी, अटूट विश्वास और शहादत के प्रति श्रद्धापूर्वक नमन किया, जिनका बलिदान साहस, धर्म के प्रति समर्पण और नेकी का एक शाश्वत प्रमाण है। श्री कविंदर गुप्ता ने इस बात पर ज़ोर दिया

> कहा, मोदी के नेतृत्व में वीर बाल दिवस को राष्ट्रीय पहचान मिली
> युवाओं से साहिबजादों के बलिदान से प्रेरणा लेने और देश की सेवा करने का आग्रह किया

कि वीर बाल दिवस सिर्फ़ कैलेंडर की एक तारीख नहीं है, बल्कि साहिबजादा बाबा ज़ोरावर सिंह जी और साहिबजादा बाबा फतेह सिंह जी द्वारा दिखाए गए अद्वितीय साहस की एक गहरी याद दिलाता है, जिन्होंने कम उम्र के बावजूद अपने विश्वास को छोड़ने के बजाय शहादत को चुना - यह बलिदान दुनिया के इतिहास में बेमिसाल है। उपराज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, देश अब हर साल 26 दिसंबर को सामूहिक रूप से वीर बाल दिवस मनाता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि साहिबजादों और माता गुजरी जी की प्रेरणादायक विरासत को राष्ट्रीय चेतना में सही जगह मिले।

साभार : अशोक कुमार मुनड़ेतिया

बच्चों के लिए 'फील गुड फैक्टर' दादा-दादी

बुजुर्ग जीवन को विस्तार देते हैं, गहराई देते हैं। वे आपके पास्ट का अटूट हिस्सा हैं। उन्हीं के कारण आपका वजूद है।

आज की पढ़ी-लिखी हाई सोसायटी से यह आम शिकायत है कि मां-बाप अपने बच्चों को दादा-दादी के पास फटकने तक नहीं देना चाहते क्योंकि वे अपने बच्चों को लेकर ओवर पोजैसिव रहते हैं। जो साथ रहते हैं वे बच्चों के साथ मिल कर उनके खिलाफ पार्टीबाजी कर लेते हैं। दादा-दादी में से अगर एक भगवान को प्यारा हो गया तो बहू को और मनमानी की छूट मिल जाती है। कमजोर पार्टी को दबाना उसके लिए और भी आसान हो जाता है।

दादा-दादी के साथ पोते-पोती का जो एक खास जुड़ाव लगाव होता है वह आज की विषैली फिज़ा में बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। टी.वी. सीरियल्स मन पर बहुत ही गलत असर डाल रहे हैं। इसका उदाहरण है प्रसिद्ध मैगा सीरियल, सास भी कभी बहू थी में पोती भूमि का अपनी दादी को 'ए तुलसी' कह कर संबोधित करना। भारतीय संस्कृति आज कहां पर पहुंच गई है।

बदलाव जरूरी है स्वाभाविक है यह सब तो ठीक है लेकिन बदलाव के नाम पर पतन के गर्त में जाना उचित नहीं है। जन्म देने वालों और पाल पोसकर बड़ा करने वालों को अपमानित कर क्या सिद्ध करना चाहती है आज की यह सभ्य सो कॉल्ड पढ़ी-लिखी पीढ़ी।

दादा-दादी बच्चों के जीवन में फील गुड फैक्टर होते हैं, सुरक्षा कवच, कम्फर्ट जोर और भविष्य में उनकी उम्र पर पहुंचने पर मधुर यादों का जखीरा।

आज के मां-बाप जब अपनी दुष्टता के चलते उनके बीच में कोई संबंध जुड़ने ही न देंगे, किसी भी तरह का कम्युनिकेशन नहीं होने देंगे तो बच्चों के दिल में एक बहुत बड़ा खालीपन रह जाएगा क्योंकि मां-बाप अपनी जगह हैं दादा-दादी अपनी जगह।

दादा-दादी उम्र के पड़ाव पर पहुंच गए होते हैं जहां जाकर एक ठहराव ज्यादा मैच्योरिटी और समझ आ जाती है। इसके अलावा अब वे सैकेंड चाइल्डहुड जी रहे होते हैं। ऐसे समय में वे अपने पोते-पोती के बेहतर दोस्त साबित हो सकते हैं।

बच्चे उनसे जीवन में कितनी अच्छी बातें और संस्कार सीखते हैं जो उनके व्यक्तित्व में गहराई तक उतर कर उन्हें भविष्य में बेहतर इंसान बनाते हैं यह सिर्फ समझने की बात है। बच्चे अपने मां-बाप को उनके मां-बाप की इज्जत करते, केयर देखते हैं तो स्वत: ही ये बातें उनके संस्कारों में आ जाती हैं। भले ही आप अपने मां-बाप से दूर रहते हों, बच्चों को उनसे जोड़ कर रखें, उन्हें रैग्युलर टच में रखें, फोन, विजिट या पत्र ई-मेल के द्वारा ही नहीं। वक्त की नज़ाकत पहचान कर दादा-दादी भी अपने को समयानुसार ढाल लें तो अच्छा है। उन्हें दखलअंदाजी से दूर रहना चाहिए और बिना मांगे सलाह देने से बचना चाहिए जब तक कि बात सीरियस अंजाम की ही न हो। अब वक्त उनका है। उन्हें अपने ढंग से जीने दें और बच्चों को भी अपने ढंग से पालने दें। उनकी खुशी में खुश होना सीख लें।

बुजुर्ग जीवन को विस्तार देते हैं, गहराई देते हैं। वे आपके पास्ट का अटूट हिस्सा हैं। उन्हीं के कारण आपका वजूद है। आप जो सांसें ले रहे हैं ये उनकी ही देन हैं। उनके साथ जीवन मूल्य हैं। आज के आपाधापी और तनावग्रस्त माहौल में उनके पास शीतल छाया है। संतुलन है और आपके लिए रिइंश्यौरैंस इसीलिए शायद आज दुनिया में कई जगह २दादा-दादी गोद लिए जाने लगे है।

अपने बच्चों को जिन्हें आप सबसे ज्यादा प्यार करते हैं, दादा-दादी के प्यार से वंचित न रखें। उनको लेकर अपने पोजैसिवनैस के लिए स्वयं दादा-दादी बनने पर कहीं अपने प्रति इसी तरह के व्यवहार को पाकर बाद में आपको पछताना न पड़े।

ऐसे लगाएँ मस्कारा

पहली बार किसी मस्कारे का प्रयोग करने से पहले उसे दो-तीन घंटे पहले हथेली के पीछे की त्वचा पर लगाकर ट्रायल लें ताकि यह पता चले कि मस्कारा आपको सूट कर रहा है या नहीं। अगर मस्कारा लगाने से आपके आँखों में खुजली हो रही है, आँखें लाल हो रही हैं या फिर पलकें झड़ रही हैं तो उस मस्कारे का प्रयोग एकदम बंद कर दें। आमतौर पर युवतियों महिलाओं से मस्कारा एक बार में नहीं लगता। इसलिए कांस्ट्रेट होकर मस्कारा लगाएँ।

मस्कारे को पीछे से आगे की ओर बढ़ाकर प्रयोग करें। ताकि वह सही ढंग से पूरी बरौनियों पर फैल सके। मस्कारे के फैलने पर उसे छुड़ाने के लिए क्लीजिंग मिल्क या गुलाबजल को रूई के फाहे पर लगाकर मस्कारा छुड़ाए या आई मेकअप रिमूवर का प्रयोग करें। सख्त कपड़ा या टॉवेल का प्रयोग करने से पलकों को नुकसान पहुँचता है।

अगर आपकी पलकें झड़ रही हैं या फिर आँखों में किसी प्रकार का इंफेक्शन चल रहा है तो आँखों को ठीक होने तक मस्कारे का प्रयोग न करें।

डेटिंग के नाम पर धोखा

लड़कियां जब जवानी में कदम रखने लगती हैं, उनके किसी न किसी लड़के से अफेयर होने लगते हैं। पश्चिम की तर्ज पर हमारे यहां भी डेटिंग का प्रचलन बढ़ गया है। डेटिंग करते-करते कब बात हाथ से निकल जाए, लड़की स्वयं नहीं जान पाती। लड़कियां चूंकि ज्यादा भावुक होती हैं, अत: लड़के द्वारा 'डिच' किए जाने पर वे टूट जाती हैं। कई बार लड़कों के लिए डेटिंग महज मौज-मस्ती का पर्याय होती है। शादी का वायदा कर वे लड़की से शारीरिक संबध कायम करने की मांग करते हैं। लड़की वादे को सच मान समर्पण कर देती है तो उसे 'लूज कैरेक्टर' घोषित कर लड़के छोड़ देते हैं। बहुत कम लड़के-लड़कियां प्यार शब्द का अर्थ समझते हैं। इसके लिए भावनात्मक परिपक्वता चाहिए जो बहुत कम युवाओं में होती है। आपकी जरा-सी गलती लड़की की जिंदगी तबाह कर सकती है।

मनोवैज्ञानिकों के अनुसार तेरह से उन्नीस वर्ष की उम्र में लड़कियां उम्र के नाजुक दौर से गुजर रही होती हैं। इस समय जरा-सी चूक से उनके जीवन में खतरनाक मोड़ आ सकता है इसलिए सही राह पकड़ना जरूरी है। मां को लड़की को लेकर कुछ खास बातों पर ध्यान देना जरूरी है। सर्वप्रथम तो लड़की की दिनचर्या पर तवज्जो दें। वह क्या करती है, पढ़ने में उसकी कितनी रुचि है, कोर्स की किताबों के अलावा क्या पढ़ने में दिलचस्पी लेती है, टी.वी. पर कैसे प्रोग्राम और कितनी देर देखती है?

लड़की को हर समय शक की नजर से देखना भी अनुचित है और उस पर आंख मूंद कर विश्वास करना भी ठीक नहीं। सजगता अत्यंत जरूरी है क्योंकि आप जवान बेटी की मां हैं। लड़की के फ्रैंड सर्कल के बारे में जानकारी रखें। लड़की को विवाह होने तक व्यस्त रखें। जवान शिक्षक से कभी भी अकेले ट्यूशन न कराएं। सही उम्र में लड़की की शादी वक्त रहते ही कर दें लेकिन शिक्षा में कमी न रखें। वह इस लायक जरूर हो कि मुसीबत आने पर अपनी रोजी-रोटी स्वयं कोई अच्छा जॉब करके कमा सके, यानी कि उसे आत्मनिर्भर बनाएं।

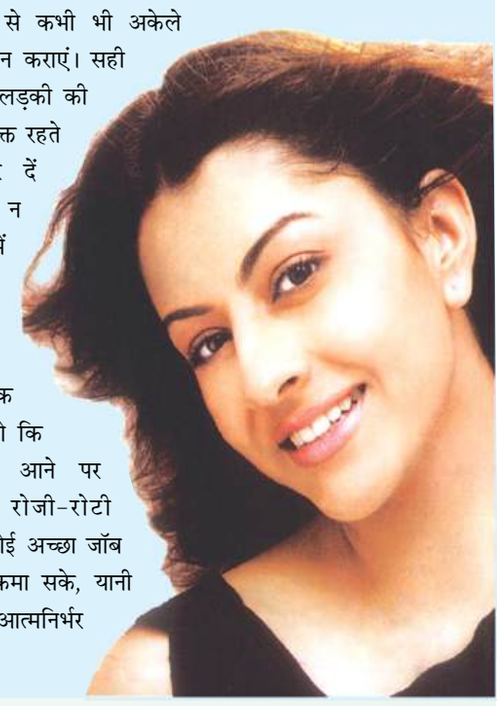

कामयाबी का आकाश छूने को तैयार बेटियां

पुरुष प्रधान समाज के क्रूर पंजों की पकड़ से नारी अब आज़ाद होने लगी है। सदियों से उत्पीड़न और शोषण की शिकार बेटियां, अपनी मेहनत सूझ-बूझ और उत्साह के बूते जीवन के हर क्षेत्र में सफलता के नये-नये अध्याय लिख रही हैं। वे परिवार, समाज तथा देश को आगे ले जाने को तैयार हैं। समय भी सत्य और संकल्पों का सुधी होता है, इसलिए पक्के इरादों वाली बेटियों के रास्ते में आज कोई अवरोध अधिक देर नहीं टिकता। सत्य की राह पर चलते हुए लक्ष्य पर निगाहें, उन्हें हर मंजिल तक पहुंचाने में मददगार साबित होती हैं।

जीतने का जज्बा, हाल को कोसों दूर भगा देता है। उसी जीत के जज्बे ने आज बेटियों के सामने मेधा पाटकर, किरण बेदी, सानिया मिर्जा, इंदिरा नूयी, कल्पना चावला, सुनीता विलीयम जैसी शख्सियतों को सामने ला खड़ा किया है, जिनके आगे हर मुश्किल नतमस्तक हो जाती है। मेधा पाटकर ने नर्मदा विस्थापितों की हक की लड़ाई के लिए खुद को आगे कर दिया, वहीं किरण बेदी 'असंभव कुछ भी नहीं' की लाइन पर चलते हुए, बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत बन गयीं।

आज लगभग हर क्षेत्र में सफलता के नित नए मुकाम हासिल करती बेटियां, आज हर पल जीतने के लिए तैयार हैं।

बुरा काम है दांपत्य में सेंधमारी

दांपत्य जीवन को हमेशा रथ के दो पहियों से निरूपित किया जाता है। इसका मतलब यह है कि दोनों पहियों का सही चलना दांपत्य जीवन की गाड़ी के लिये ज़रूरी है। बिना आपसी समझ और आपसी प्यार के यह संभव नहीं होता, इसलिये आपसी विश्वास को बनाये रखें। एक-दूसरे पर विश्वास सफलता की सबसे बड़ी पूंजी है।

प्यार भी बड़ी अजीब शौक है। यह तो बस हो जाता है। कब, क्यों और कहां, यह कुछ निश्चित नहीं है। प्यार करने वालों को प्यार का ऑब्जेक्ट दुनिया में सर्वाधिक हसीन लगता है, चाहे वह बदसूरत ही क्यों न हो। ऐसा न होता तो हमारे पड़ोसी 'किसलय रहेजा' जैसे बदशक्ल और रुखे इंसान के पीछे संजना यूं ही बाबरी न होती। उनकी पत्नी के सीधेपन का भी फायदा संजना को मिल गया। चंचल और स्मार्ट संजना रिश्ते में हालांकि 'किसलय' की कुछ दूर की बहन लगती थी। 'किसलय' की शादी उसके मां-बाप से कभी न करते, यह बात वे स्वयं भलि-भांति जानती थी। इन समीकरणों में संजना ने कृष्ण की राधा की भांति ही 'किसलय' के जीवन में जगह ले ली थी।

एक थे संजीव पांडे, ज़मींदार और उस पर भी बड़े राजनेता। दिखने में भी काफी सुदर्शन व्यक्तित्व के मालिक। माता-पिता ने उनकी शादी ज़मींदार घराने की एक कम पढ़ी-लिखी सुंदर, सुशील कन्या से कर दी थी।

एक-एक करके वह चार बच्चों की मां बन गई। संजीव को एक तो पहले से ही वह पसंद नहीं थी, जिस पर चार बच्चों की मां हो जाने पर वह उससे और भी खिंचा रहने लगा था। नमिता उसके दोस्त की पत्नी थी। नमिता के हावभाव में उसे आमंत्रण दिखाई दिया। अपने प्रेम को शक से बचाए रखने और संजीव तथा उसकी पत्नी ऐश्वर्या के दांपत्य में सेंधमारी करने के लिए नमिता ने विवाहित प्रेमी के बच्चों को फुसलाने का षड़यंत्र रचा। वह उनके लिए तोहफे खरीदती, कभी उन्हें होटलों में ले जाती, कभी पिक्नर दिखाती। किशोरावस्था में बच्चों में सही-गलत की इतनी पहचान नहीं हो पाती है। बच्चे भी नमिता आंटी के सामने अपनी मां को फूहड़ समझने लगे। अब नमिता का दूसरा कदम था प्रेमी के साथ मिलकर, अपने पति को रास्ते से हटाने के लिए उसका कत्ल करवाना। कानून उसका कुछ न बिगाड़ सका। नमिता कुछ दिनों के शो के नाटक और श्वेत वस्त्रों के दिखावे के बाद अब बड़े-ठाठ से अपने प्रेमी संजीव की दूसरी पत्नी बनकर रहने लगी। प्रेम का एक घिनौना रूप यह भी है।

दूसरों का घर उजाड़ने वाली ऐसी सेंधमार महिलाओं का कहना है कि प्यार के लिए सामाजिक स्वीकृति वे ही चाहते हैं, जो भीरू होते हैं।

आज़ाद देश में हर महिला को इस बात की पूर्ण आजादी होनी चाहिए कि वह जिससे चाहे प्यार करे, जिसके साथ चाहे अपनी दुनिया बसाए।

विनय और मोना का प्यार परवान चढ़ता, इससे पहले ही विनय की शादी डॉक्टर अंजलि से हो गई। अंजलि चूंकि डॉक्टर थी, वह अस्पताल और मरीजों में व्यस्त रहती। किचिन में तरह-तरह की चीज़ें बनाकर पति को खिलाने के लिए भला उसे फुर्सत कहां थी। अंजलि की व्यस्तता का फायदा मोना ने खूब उठाया। उसके अस्पताल जाने पर वह अपने प्यार को 'प्लेटॉनिक' दोस्ती का नाम देकर, तब तक अपने मित्र रिश्तेदारों को छलती रही, जब तक कि बिल्ली के भाग से छींका न टूटा। अंजलि के गुर्दों ने काम करना बंद कर दिया था। कोई इलाज न बचा और आखिर वह असमय ही चल बसी। अंजलि की मौत को अभी चंद महीने भी न हुए थे कि मोना उसकी जगह विनय की दूसरी पत्नी बनकर आ गई।

प्यार करना जुर्म नहीं, लेकिन किसी शादीशुदा पति या पत्नी से प्यार जताना बेशक जुर्म की श्रेणी में ही आता है। यह बात अलग है कि कानून इसके लिए किसी को सजा नहीं दिला सकता। एक समर्पित भारतीय पत्नी के लिए पति उसके अपने जीवन से बढ़कर होता है। उसकी मृत्यु के बाद वह जीवित लाश बनकर रह जाती है। ऐसी समर्पित पत्नी से उसका पति छीनकर दूसरी स्त्री ठीक करती है या गलत, यह उसकी अपनी सोच है, लेकिन एक पत्नी से उसका जीवन छीन लेना, कत्ल करने से छोटा अपराध कतई नहीं है। इसी तरह किसी पागल प्रेमी की हद तक पत्नी को चाहने वाले पति से उसकी पत्नी छीन लेना भी उतना ही संगीन अपराध है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

साहिबज़ादों के बलिदान को किया नमन, बच्चों ने विविध गतिविधियों में लिया भाग

जम्मू, 26 दिसंबर (हि.स.)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) श्रीनगर में शुक्रवार को वीर बाल दिवस श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर साहिबज़ादों के अद्वितीय साहस और सर्वोच्च बलिदान को स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में संस्थान के संकाय एवं कर्मचारियों के बच्चों की सक्रिय भागीदारी रही, जिससे आयोजन शिक्षाप्रद और प्रेरणादायी बन गया। कार्यक्रम का आयोजन कार्यकारी अभियंता डॉ. सैयद मोहसिन शब्बीर, नोडल अधिकारी, के पर्यवेक्षण में किया गया। इस दौरान बच्चों में साहस, देशभक्ति और अनुशासन जैसे मूल्यों के विकास के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस समारोह में एनआईटी श्रीनगर की इन-चार्ज डायरेक्टर प्रो. रूही नाज़ मीर, रजिस्ट्रार प्रो. अतिकुर

रहमान, प्रो. नजीब-उद-दीन, प्रो. हामिदा-तुन-निसा चिश्ती सहित संस्थान के संकाय सदस्य, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अपने संदेश में एनआईटी श्रीनगर के निदेशक प्रो. बिनोद कुमार कनौजिया ने कहा कि वीर बाल दिवस साहिबज़ादों द्वारा अत्यंत कम आयु में प्रदर्शित असाधारण साहस की अमर स्मृति है। उन्होंने कहा कि सत्य, आस्था और धर्म के लिए उनका बलिदान आज भी पीढ़ियों को प्रेरणा देता है और ऐसे आयोजनों से मूल्य-आधारित, जिम्मेदार नागरिकों के निर्माण में मदद मिलती है। सभा को संबोधित करते हुए प्रो. रूही नाज़ मीर ने कहा कि वीर बाल दिवस युवा नायकों के त्याग और अदम्य साहस की याद दिलाता है, जिन्होंने मूल्यों और आस्था की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे अवसर बच्चों में नैतिक बल, धैर्य और राष्ट्रीय गौरव की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं प्रो. अतिकुर रहमान ने इतिहास को स्मरण रखने और उसके संदेशों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को जोड़ना उन्हें बलिदान, एकता और समाज सेवा के महत्व को समझने में सहायक होता है। समारोह के तहत चित्रकला प्रतियोगिता, फुटबॉल मैच और दौड़ प्रतियोगिताओं सहित कई खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया,

सांबा में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने ईवीएम और वीवीपीएटी गोदाम का त्रैमासिक निरीक्षण किया

सांबा, 26 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के मुख्य निर्वाचन संजीव वर्मा ने आज जिला प्रशासनिक परिसर में सांबा जिले के इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन और वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल गोदाम का अनिवार्य त्रैमासिक निरीक्षण निरीक्षण सांबा की उपायुक्त आयुषी सूडान ईवीएम के नोडल अधिकारी संदेश कुमार गुप्ता और उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुनील अंगराल द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। निर्धारित चुनावी प्रक्रियाओं के अनुसार निरीक्षण के दौरान मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने ईवीएम और वीवीपीएटी भंडारण बक्सों के सत्यापन मशीनों की भौतिक स्थिति और गोदाम के दरवाजों की सीलिंग सहित सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक समीक्षा की। प्रवेश नियंत्रण और रिकॉर्ड रखरखाव से संबंधित सभी प्रोटोकॉल की गहन जांच की गई। ईवीएम वीवीपीएटी गोदामों का त्रैमासिक निरीक्षण भारत निर्वाचन आयोग के दिशानिर्देशों के अंतर्गत किया जाने वाला एक नियमित और अनिवार्य कार्य है। पूर्ण पारदर्शिता जवाबदेही और चुनावी मानदंडों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए गोदाम के खुलने और बंद होने के दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में यह प्रक्रिया संपन्न की गई।

कृषि विभाग के निदेशक ने राष्ट्रीय कीट निगरानी प्रणाली के अनुप्रयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया

श्रीनगर, 26 दिसंबर(हि.स.)। कश्मीर कृषि निदेशक सरताज अहमद शाह ने आज श्रीनगर के लालमंडी स्थित कृषि परिसर में राष्ट्रीय कीट निगरानी प्रणाली की कार्यप्रणाली और अनुप्रयोग पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

इस कार्यक्रम में कश्मीर मंडल के विभिन्न जिलों के एनपीएसएस नोडल अधिकारियों ने भाग लिया।

अपने उद्घाटन भाषण में निदेशक ने एनपीएसएस के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन से संबंधित अधिकारियों की क्षमता निर्माण में सहायता मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान एनपीएसएस के उद्देश्यों कार्यप्रणाली और विभिन्न आयामों पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई जिसमें कीट निगरानी, डेटा संग्रह और निर्णय लेने में सहायता के लिए इसके व्यावहारिक अनुप्रयोग पर विशेष ध्यान दिया गया।

श्रीनगर के उपायुक्त ने तहसीलवार राजस्व सेवाओं की समीक्षा की

श्रीनगर, 26 दिसंबर (हि.स.)। शुक्रवार को श्रीनगर के डीसी कार्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में वरिष्ठ राजस्व अधिकारियों की एक व्यापक बैठक की अध्यक्षता में जिले भर में तहसीलवार राजस्व सेवाओं की डिलीवरी लंबित मामलों की स्थिति और विभिन्न नागरिक-केंद्रित राजस्व संबंधी सेवाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा की गई।

डीसी ने राजस्व कार्यालयों के बुनियादी ढांचे के उन्नयन और राजस्व अभिलेखों के डिजिटलीकरण और प्रबंधन में हुई प्रगति का भी जायजा लिया।

बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त मीर इम्तियाज-उल-अजीज अतिरिक्त उपायुक्त आदिल फरीद पश्चिम के एसडीएम इरफान बहादुर पूर्व के एसडीएम जुबेर अहमद सहायक राजस्व आयुक्त उमर गुलजार सभी तहसीलदार और सहायक राजस्व अटॉर्नी , डीसी और अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ उपस्थित थे।

बैठक के दौरान डीसी ने तहसीलवार राजस्व अधिकारियों की प्रगति और कार्य-प्रदर्शन की समीक्षा की जिसमें लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत राजस्व सेवाओं का समय पर निपटान राजस्व अभिलेखों का डिजिटलीकरण, प्रवासी श्रमिकों की शिकायतों का निपटान, अदालती मामलों के जवाब राजस्व कार्यालयों का आधुनिकीकरण और अन्य राजस्व संबंधी मामलों पर जोर दिया गया।

इस अवसर पर उपायुक्त ने जिले के सभी राजस्व कार्यालयों में सुचारू, समयबद्ध और कुशल लोक सेवा वितरण के महत्व पर बल दिया। उन्होंने जनविश्वास और प्रशासनिक दक्षता को मजबूत करने के लिए एक व्यापक और पारदर्शी भूमि अभिलेख प्रबंधन प्रणाली बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निपटान करने और लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत निर्धारित समय-सीमा का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

डीसी ने राजस्व कार्यालयों के बुनियादी ढांचे के उन्नयन का भी जायजा लिया और जिले में नए राजस्व कार्यालयों के निर्माण में हुई प्रगति की समीक्षा की।

उन्होंने अधिकारियों को अपने-अपने तहसील और एसडीएम कार्यालयों के कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करने का निर्देश दिया ताकि वे समय पर पूरे होकर चालू हो सकें।

27 वर्षीय व्यक्ति गिरफ्तार, 86,000 रुपये मूल्य के नकली भारतीय नोट बरामद

श्रीनगर, 26 दिसंबर (हि.स.)। पुलिस ने शुक्रवार को दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के पंपोर से 27 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया और उसके पास से 86,000 रुपये मूल्य के नकली भारतीय नोट बरामद किए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने पुष्टि की कि आरोपी की पहचान पंपोर के कदलबल निवासी अकील मजीद के रूप में हुई है। उसे पंपोर पुलिस ने गिरफ्तार किया। अधिकारी ने बताया कि तलाशी के दौरान पुलिस ने 500 रुपये के 172 नकली नोट बरामद किए, जिनकी कुल कीमत 86,000 रुपये है। अधिकारी ने बताया कि पंपोर पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 180 के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है।

बाढ़ क्षतिग्रस्त सड़कों के लिए जसरोटा को 10.25 करोड़ रुपये की मंजूरी, विधायक ने किया आभार व्यक्त

कठुआ, 26 दिसंबर (हि.स.)। विधायक राजीव जसरोटिया ने बीते अगस्त 2025 में आई भीषण बाढ़ में क्षतिग्रस्त हुई पीडब्ल्यूडी की सड़कों के स्थायी पुनर्निर्माण के लिए 10.25 करोड़ रुपये की मंजूरी मिलने पर हार्दिक आभार व्यक्त किया। यह कदम जसरोटा निर्वाचन क्षेत्र में सुरक्षित संपर्क, मजबूत बुनियादी ढांचे और सतत विकास की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

जसरोटा में स्वीकृत पुनर्निर्माण कार्य में कई महत्वपूर्ण सड़कें और बुनियादी ढांचा शामिल होंगे, जिससे निवासियों के लिए बेहतर संपर्क और सुरक्षा सुनिश्चित होगी। जिसमें प्लाह मोढ़ से टेड़ा लिंक रोड का पुनर्निर्माण 1.23 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा, जबकि प्लाह मोढ़ से अंद्रोटे होते हुए कुमरी लिंक रोड के पुनर्निर्माण के लिए 60 लाख रुपये आवंटित किए जाएंगे। लोगेट घाटी लिंक रोड के लिए 5 लाख रुपये और हटली लिंक रोड की मरम्मत के लिए 50 लाख रुपये आवंटित किए गए हैं। रेती से पंचायत घर श्मशान घाट तक जाने वाली सड़क का जीर्णोद्धार 18 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा और होट लिंक रोड का जीर्णोद्धार 33 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा।

पीएमजीएसवाई रोड से मोहल्ला परंगोल रोड तक जाने वाली सड़क के लिए 8.8 लाख रुपये और लोगेट गेतरवां लिंक रोड के सुधार के लिए 70 लाख रुपये आवंटित किए गए हैं। बुद्धि ठनून लिंक रोड के लिए 2 लाख रुपये आवंटित किए गए हैं, जबकि पंद्राड लिंक रोड से सिडको इंडस्ट्रीज तक जाने वाली सड़क का जीर्णोद्धार 9 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा। इसके अलावा, डुंगा घाटी रोड वार्ड 5 की मरम्मत 5 लाख रुपये की लागत से और परनानन लिंक रोड की मरम्मत 16 लाख रुपये की लागत से की जाएगी। मोहानी मोहल्ला रोड के जीर्णोद्धार के लिए 8 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। डी-9 फलोट ज्वालापुर स्थित पुलिया की मरम्मत 17 लाख रुपये की लागत से की जाएगी, और कटली लिंक रोड और उससे जुड़ी अन्य सड़कों के लिए 50 लाख रुपये आवंटित किए गए हैं। इसी प्रकार डिंगा अंब बाजार लिंक रोड और कदेतर से डिंगा अंब तक जाने वाली लिंक रोड के लिए 50 लाख और 20 लाख रुपये आवंटित किए गए हैं।

शीतकाल में बेघर लोगों के बीच बांटी राहत सामग्री, छात्रों ने दिखाई मानवीय संवेदनशीलता

जम्मू, 26 दिसंबर (हि.स.)। डोगरा डिग्री कॉलेज के एनएसएस यूनिट द्वारा बहु फोर्ट, जम्मू स्थित रैन बसेरा - शहरी बेघर आश्रय गृह में एक सराहनीय सामाजिक सेवा एवं जनसंपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कॉलेज की एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर सिमरन ठाकुर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस पहल का उद्देश्य शीतकाल के कठोर मौसम में बेघर और वंचित वर्गों के बीच सहयोग, अपनापन और खुशियां बांटना था। कार्यक्रम के माध्यम से एनएसएस स्वयंसेवकों ने न केवल जरूरतमंदों की सहायता की, बल्कि छात्रों को शहरी बेघर लोगों की वास्तविक परिस्थितियों से भी रूबरू कराया। यह गतिविधि छात्रों में करुणा, सेवा भावना और सामाजिक उत्तरदायित्व विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास रही।

इस अवसर पर डोगरा डिग्री कॉलेज के छात्रों ने स्वेच्छा से खाद्य तेल, दूध, अनाज एवं अन्य आवश्यक सामग्री एकत्र कर रैन बसेरा के निवासियों को वितरित की। एनएसएस यूनिट द्वारा जुटाई गई यह सामग्री छात्रों की सामूहिक सामाजिक प्रतिबद्धता और जरूरतमंदों के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाती है। कार्यक्रम के दौरान एनएसएस स्वयंसेवकों ने आश्रय गृह के निवासियों से संवाद स्थापित कर उन्हें भावनात्मक संबल और सहयोग प्रदान किया। इस पहल में कोऑर्डिनेटर रजनी का भी विशेष सहयोग रहा।

पुलिस स्टेशन ने गैर-जमानती वारंट से बचने वाले दो फरार आरोपियों को किया गिरफ्तार

जम्मू, 26 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू पुलिस दक्षिण जोन ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

गंग्याल पुलिस स्टेशन ने दो फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया है जो माननीय न्यायालयों द्वारा जारी कई गैर-जमानती वारंटों से जानबूझकर बच रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इस प्रकार है। अश्वनी कुमार उर्फ ??सनी पिता गिरधारी लाल निवासी ढांधा खुर्द तहसील बिश्नाह जिला जम्मू, तलविंदर सिंह पिता गुरजीत सिंह निवासी कैंप गोले गुरल मोहल्ला सच खंड ए पी दिगियाना कैंप गंग्याल जम्मू।

पुलिस के बार-बार प्रयास करने के बावजूद दोनों आरोपी काफी समय से गिरफ्तारी से बच रहे थे। विशिष्ट सूचनाओं और निरंतर निगरानी के बाद गंग्याल पुलिस स्टेशन की समर्पित पुलिस टीम ने आरोपियों को सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जिसने उचित कार्यवाही के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

यह गिरफ्तारी अदालती आदेशों को लागू करने और फरार अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के प्रति जम्मू पुलिस की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

साइबर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

डोडा, 26 दिसंबर (हि.स.)। डोडा के एसएसपी संदीप कुमार मेहता के निर्देशानुसार डोडा स्थित साइबर पुलिस स्टेशन ने डोडा स्थित 10 आरआर मुख्यालय में साइबर अपराध के प्रति सेना के जवानों और आम जनता को जागरूक करने के उद्देश्य से एक साइबर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सेना के जवान और स्थानीय लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर डोडा साइबर पुलिस स्टेशन के पीएसआई अंकुश नागरा ने प्रतिभागियों को व्याख्यान दिए और उन्हें साइबर अपराध पोर्टलों के उपयोग जालसाजों द्वारा आम आदमी को अपने जाल में फंसाकर उनकी मेहनत की कमाई लूटने के तरीकों जैसे क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी ओटीपी क्यूआर स्कैन धोखाधड़ी, ऑनलाइन गेमिंग धोखाधड़ी और ऋण धोखाधड़ी के बारे में जागरूक किया।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान से सुदूर क्षेत्रों में सशक्तिकरण की नई अलख

जम्मू, 26 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर यूटी की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (बीबीबीपी) की संयोजक रितिका त्रेहन के नेतृत्व में यह संगठन प्रदेश भर में बालिकाओं के लिए आशा की किरण बनकर उभरा है। बालिकाओं के सशक्तिकरण और शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बीबीबीपी विशेष रूप से दूरदराज़ और ग्रामीण क्षेत्रों में निरंतर कार्य कर रहा है। इसी कड़ी में मिडिल स्कूल अराजी, जिला सांबा में आयोजित हालिया कार्यक्रम संगठन की प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण बना।

कार्यक्रम के तहत जिला सांबा संयोजक परवीन लता द्वारा आयोजित रंगारंग चित्रकला प्रतियोगिता ने नन्हीं छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभा को उजागर किया। प्रतियोगिता के बाद आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह एवं पेन वितरण ने बच्चों के चेहरों पर मुस्कान बिखेर दी और यह संदेश दिया कि हर बेटी महत्वपूर्ण है। छात्राओं में दिखा उत्साह और आत्मविश्वास यह दर्शाता है कि बीबीबीपी के प्रयास सकारात्मक दिशा में प्रभाव डाल रहे हैं।

जीसीई जम्मू में तंबाकू विरोधी शपथ कार्यक्रम आयोजित

जम्मू, 26 दिसंबर (हि.स.)। गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ एजुकेशन (जीसीई), कैनाल रोड, जम्मू की एनसीओआरडी समिति द्वारा तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने और छात्रों में स्वस्थ एवं नशा-मुक्त जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एंटी-टोबैको प्लेज प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. ज्योति परिहार के कुशल मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर डॉ. ज्योति परिहार ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने बताया कि तंबाकू का सेवन न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि इसके गंभीर सामाजिक और मानसिक दुष्परिणाम भी होते हैं, जो विशेषकर युवाओं को प्रभावित करते हैं। उन्होंने छात्रों से जिम्मेदार नागरिक बनते हुए समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का आयोजन प्रो. रमजान अली, डॉ. शुभ्रा, प्रो. रूपा कुमारी एवं डॉ. अंबिका शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों, शिक्षकों और स्टाफ सदस्यों ने तंबाकू और उससे जुड़े उत्पादों से दूर रहने तथा समाज में इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने की शपथ ली।

पुलिस के साइबर पुलिस स्टेशन ने 7 लाख मूल्य के 45 खोए हुए मोबाइल फोन बरामद किए

रामबन, 26 दिसंबर,(हि.स.)। नागरिक-केंद्रित पुलिसिंग और सार्वजनिक सेवा वितरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए रामबन पुलिस ने 45 खोए हुए मोबाइल फोनों का सफलतापूर्वक पता लगाया और उन्हें बरामद किया जिनकी सामूहिक कीमत लगभग 7 लाख थी और उन्हें उनके असली मालिकों को सौंप दिया।

ये मोबाइल फोन कथित तौर पर जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश और केंद्र शासित प्रदेश के बाहर के विभिन्न पुलिस स्टेशनों से गायब थे।

एसएसपी कठुआ ने बिलावर और मल्हार क्षेत्रों का दौरा किया, एसओजी इकाइयों के साथ सुरक्षा समीक्षा की

कठुआ, 26 दिसंबर (हि.स.)। मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य को देखते हुए एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा ने एसपी आप्रेशन कठुआ, एसडीपीओ बिलावर, डीएसपी पीसी मल्हार और एसएचओ बिलावर के साथ कठुआ जिले के बिलावर और मल्हार क्षेत्रों में चल रही परिचालन तैयारियों की समीक्षा की। आगामी नए साल के मद्देनजर परिचालन सतर्कता की जांच के लिए शीतकालीन रणनीति के संदर्भ में सुरक्षा समीक्षा की गई। दौरे के दौरान एसएसपी कठुआ ने जमीनी स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था का आकलन करने के लिए बिलावर के गुड्डू फलल क्षेत्र और मल्हार के कटली क्षेत्र का निरीक्षण किया, एसओजी के जवानों से मुलाकात की और उनकी परिचालन तैयारियों का जायजा लिया। जमीनी स्तर पर तैनात अधिकारियों और जवानों को सतर्क और चैकस रहने और घेराबंदी एवं तलाशी अभियानों (सीएएसओ) के दौरान मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए। एसपी अपर कठुआ ने एसएसपी कठुआ को राष्ट्रविरोधी तत्वों के नापाक मंसूबों का मुकाबला करने के लिए एसओजी इकाइयों की रणनीतियों और तैयारियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने क्षेत्र में तैनात पुलिस कर्मियों की परिचालन संबंधी आवश्यकताओं पर भी प्रकाश डाला समीक्षा के दौरान एसएसपी कठुआ ने क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने सभी अधिकारियों को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में अतिरिक्त सतर्क और सक्रिय रहने का निर्देश दिया। विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच मजबूत समन्वय की आवश्यकता पर बल देते हुए, एसएसपी कठुआ ने रेखांकित किया कि भविष्य में संभावित सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए प्रभावी अंतर-एजेंसी सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है।

परिवहन सचिव ने सोनमर्ग में वेइंगब्रिज के कामकाज की समीक्षा की

श्रीनगर, 26 दिसंबर (हि.स.)। परिवहन विभाग की सचिव अवनी लवासा ने आज सोनमर्ग का दौरा कर यहां के वेइंगब्रिज के कामकाज और सुविधाओं का जायजा लिया।

सचिव के साथ कश्मीर के क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ), गांदरबल के सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी भी थे।

दौरे के दौरान सचिव ने वेइंगब्रिज की परिचालन स्थिति, कर्मचारियों की उपलब्धता और बुनियादी ढांचे की पर्याप्तता का आकलन किया। उन्होंने ओवरलोडिंग को रोकने, सुचारू यातायात विनियमन सुनिश्चित करने, सड़क सुरक्षा बढ़ाने और सड़क बुनियादी ढांचे की रक्षा के लिए एक्सल लोड मानदंडों के कड़ाई से पालन के महत्व पर जोर दिया।

सचिव ने अधिकारियों को वेइंगब्रिज के संचालन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने, अंतर-विभागीय समन्वय में सुधार करने और सुविधा को चौबीसों घंटे चालू रखने का निर्देश दिया, विशेष रूप से पर्यटकों की भारी भीड़ और अधिक यातायात के समय।

उन्होंने ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों से भी बातचीत की और नियमित संचालन में आने वाली चुनौतियों का जायजा लिया, साथ ही दक्षता और सार्वजनिक सेवा वितरण में सुधार के लिए मुद्दों के समय पर समाधान पर जोर दिया। इस दौरे का उद्देश्य सोनमर्ग क्षेत्र में परिवहन प्रवर्तन तंत्र को मजबूत करना और वाहनों की आवाजाही का प्रभावी नियमन सुनिश्चित करना था।

श्री उद्घोष- भारतीय गौरव और भविष्य की दृष्टि थीम पर संस्कृति, शिक्षा और नवाचार का संगम

जम्मू, 26 दिसंबर (हि.स.)। श्री राम यूनिवर्सल स्कूल, जम्मू में फॉर्म मॉर्निंग प्रोग्राम का आयोजन अत्यंत उत्साह और भव्यता के साथ किया गया।

कार्यक्रम की केंद्रीय थीम श्री उद्घोष - भारतीय गौरव और भविष्य की दृष्टि रही, जिसमें भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, वैज्ञानिक प्रगति और भविष्य की दूरदर्शी सोच को सुंदर रूप से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मधुर ऑर्केस्ट्रा प्रस्तुति और स्वागत संबोधन से हुई। इस अवसर पर भाजपा की उपाध्यक्ष रेखा महाजन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में नेहा महाजन (अध्यक्ष, भाजपा महिला मोर्चा), केवल कृष्ण (सीईओ सांबा), सुरिंदर बलगोत्रा (जेडईओ

विजयपुर), संदीप दुबे (एसडीएम सांबा), राजनीश परगाल (प्रधान, महाजन सभा), तेजिंदर सिंह (प्रधान, व्यापार मंडल), कुमार भंवर सिंह (प्रधान, युवा राजपूत सभा), रंजू गुप्ता (उपाध्यक्ष, सांबा सोशल क्लब), कर्नल (से.नि.) वी.के. शर्मा, रूबिना अख्तर (महासचिव, नेशनल लोकतंत्र पार्टी), वीरेंद्र महाजन (प्रधान, ऑल इंडिया यंग ब्लड ऑर्गनाइजेशन), पूनम गुप्ता (जोनल नोडल ऑफिसर, उल्लास एवं एआई), प्रदीप दत्ता (एडिटर, एनडीटीवी) सहित विद्यालय के चेयरमैन संजय गुप्ता और डायरेक्टर राजनी गुप्ता मौजूद रहे। विद्यालय की प्रिंसिपल सोनिका महाजन ने गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए शैक्षणिक सत्र 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें शैक्षणिक उपलब्धियों, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों और समग्र विकास कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला गया।

संपादकीय

सुरक्षा के लिए सतर्कता बहुत ज़रूरी

जम्मू के सीमावर्ती इलाकों में हाल की घटनाओं ने एक बार फिर सुरक्षा चिंताओं को सामने ला दिया है। मनसर इलाके से इसी तरह की रिपोर्ट के बाद, घगवाल के तरायल गांव में संदिग्ध लोगों को देखे जाने और सांबा जिले के रामगढ़ सेक्टर में बार-बार पाकिस्तानी गुब्बारे मिलने से एक चिंताजनक पैटर्न सामने आया है जिसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। हालांकि इनमें से किसी भी घटना में अभी तक संदिग्धों या खतरनाक सामान की बरामदगी नहीं हुई है, लेकिन इनके नतीजे गंभीर हैं और लगातार सतर्कता की ज़रूरत है।

तरायल गांव की रिपोर्ट खास तौर पर महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सुरक्षा बनाए रखने में आम नागरिकों की भूमिका को दिखाती है। एक छोटे लड़के ने गांव की एक नाली के पास हथियार और बैग लिए दो संदिग्ध लोगों को देखा, जिसके बाद पुलिस और सेना ने तुरंत कार्रवाई की। इलाके की तेजी से घेराबंदी और स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप और सेना के जवानों द्वारा तलाशी अभियान शुरू करना एक अच्छी तरह से तालमेल वाली सुरक्षा व्यवस्था को दिखाता है। हालांकि, अंधेरा होने के कारण ऑपरेशन को रोकना पड़ा, यह व्यावहारिक चुनौतियों को भी दिखाता है। संवेदनशील और सीमा से सटे इलाकों में, रात में प्रभावी निगरानी करने की क्षमता बहुत ज़रूरी है और इसे बेहतर उपकरणों और टेक्नोलॉजी के ज़रिए और मजबूत करने की ज़रूरत है।

रामगढ़ इलाके में बार-बार पाकिस्तानी गुब्बारे मिलना भी उतना ही चिंताजनक है, जिसमें से सबसे नया गुब्बारा मुख्य बाज़ार के पास एक प्राइवेट स्कूल के पास मिला है। यह एक महीने में तीसरी ऐसी घटना है, जिससे इन घटनाओं को हानिरहित या आकस्मिक मानना मुश्किल हो जाता है। पहले भी गुब्बारों और ड्रोन का इस्तेमाल सीमा पार हथियार, ड्रग्स, कैश या कम्युनिकेशन डिवाइस की तस्करी के लिए किया गया है। आम लोगों की जगहों के पास ऐसी चीज़ें मिलना न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा, खासकर बच्चों और स्थानीय निवासियों के लिए भी चिंता पैदा करता है।

कुल मिलाकर, ये घटनाएं बताती हैं कि दुश्मन तत्व कम लागत और कम जोखिम वाले तरीकों का इस्तेमाल करके सुरक्षा प्रणालियों की जांच करने की कोशिश कर रहे होंगे। इस बदलती रणनीति के लिए रूटीन गश्त से आगे बढ़कर जवाब देने की ज़रूरत है। सुरक्षा एजेंसियों को आधुनिक निगरानी उपकरणों को शामिल करना चाहिए, खुफिया जानकारी साझा करने में सुधार करना चाहिए और विभिन्न बलों के बीच तालमेल बढ़ाना चाहिए।

साथ ही, हर संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की लगातार निगरानी और त्वरित जांच को प्राथमिकता देनी चाहिए।

जन जागरूकता सुरक्षा का एक और मुख्य स्तंभ है। संदिग्ध गतिविधियों की रिपोर्ट करने में ग्रामीणों और स्थानीय निवासियों द्वारा दिखाई गई सतर्कता यह दिखाती है कि सामुदायिक भागीदारी कैसे एक शक्ति गुणक के रूप में काम कर सकती है।

अधिकारियों को लोगों को असामान्य दृश्यों की तुरंत रिपोर्ट करने के लिए प्रोत्साहित करते रहना चाहिए, साथ ही यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि नागरिक खुद को जोखिम में न डालें।

आखिरकार, बॉर्डर सिक्योरिटी कोई एक बार का काम नहीं है, बल्कि यह एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। हाल की घटनाएं इस बात की याद दिलाती हैं कि उभरते खतरों का मुकाबला करने और संवेदनशील इलाकों में शांति बनाए रखने के लिए लगातार सतर्कता, एक्टिव पुलिसिंग और जनता का सहयोग बहुत ज़रूरी है।

रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) के लिए विकसित भारत गारंटी के तहत संभावनाएं- मनरेगा से अनुभव और सीख

इस कार्यक्रम के अनुसार 125 कार्य दिवसों का प्रावधान होगा और साथ ही यह स्थानीय आवश?यकताओं की पहचान करने, उपलब्ध कौशल का उपयोग करने, आजीविका के अवसरों को अनलॉक करने और ग्रामीण लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने में मदद करेगी।

श्री सरोज महापात्रा

देश का आजीविका परिदृश्य विभिन्न कृषि-जलवायु परिस्थितियों के साथ-साथ प्राकृतिक, मानव और आर्थिक संसाधनों, ज्ञान, प्रौद्योगिकी और बाजारों तक असमान पहुंच के कारण अत्यधिक विविध और जटिल है। लगभग 70 प्रतिशत ग्रामीण परिवार कृषि पर निर्भर हैं, इनमें से 83 प्रतिशत छोटे और सीमांत किसान हैं। उत्पादकता में वृद्धि, संसाधनों तक पहुंच, सिंचाई और ग्रामीण बुनियादी ढांचे और बाजार पहुंच में सुधार की एक बड़ी संभावना है और साथ ही लचीली आजीविका के निर्माण के लिए लक्षित निवेश और भागीदारी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। वर्ष 2005 में शुरू किए गए मनरेगा ने आजीविका सुरक्षा के लिए स?थायी अवसर उपलब?ध कराते हुए प्रति परिवार सालाना कम से कम 100 दिन की मजदूरी सुनिश्चित करते हुए रोजगार प्रदान करके काम के अधिकार की गारंटी दी। ग्राम पंचायत-केंद्रित भागीदारी योजना के माध्यम से, इसने आज की मजदूरी - कल की आजीविका के मॉडल को सामने रखा। मनरेगा के तहत बड़े पैमाने पर परिसंपत्ति निर्माण, विशेष रूप से परिदृश्य-आधारित, समुदाय के नेतृत्व वाले प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के माध्यम से, उत्पादक संपत्ति, आजीविका और आय सुरक्षा और घरेलू क्षमताओं को बढ़ाया गया है। छत्तीसगढ़ में उच्च प्रभाव मेगा वाटरशेड परियोजना ने भूमि और जल संसाधनों का संरक्षण करते हुए छोटे किसानों की आय बढ़ाने के लिए स्थायी अवसर खोले। पश्चिमी ओडिशा में, प्रवासन परियोजना ने अतिरिक्त 200 दिनों का मज़दूरी रोजगार (राज्य के बजट से) प्रदान करके और भूमि तथा जल विकास के माध्यम से स्थानीय आजीविका को मजबूत करके पलायन के संकट को कम कर दिया। झारखंड की बिरसा हरित ग्राम योजना ने ग्राम पंचायतों और महिलाओं के समूहों के नेतृत्व में वृक्षारोपण-आधारित पहलों के माध्यम से परिदृश्य में बदलाव पैदा किया। हाल ही में, मध्य प्रदेश ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत 85,000 से अधिक खेत तालाबों का निर्माण किया, इससे छोटे किसानों के लिए जल सुरक्षा में सुधार हुआ।

इन पहलों से मिली प्रमुख सीख इस प्रकार है-

- जब समुदाय वैज्ञानिक और सहभागी योजना प्रक्रियाओं में शामिल होता है तो लोगों का जीवन

और आजीविका तब बदल जाती है;

- बढ़ी हुई तकनीकी क्षमताओं के साथ;
- जीआईएस उपकरण और जल बजट को एकीकृत करना;
- भूमि और जल संरक्षण परिसंपत्तियों के बड़े पैमाने पर निर्माण के लिए, इससे आजीविका में

गहनता और विविधीकरण होगा;

- ग्राम पंचायत के नेतृत्व वाली योजनाओं को साकार करने के लिए लाइन विभागों के साथ मजबूत तालमेल के साथ लक्षित निवेश। समुदाय के नेतृत्व वाली योजना छोटे और सीमांत किसानों के स्वामित्व, प्राकृतिक संसाधनों, कौशल और आकांक्षाओं को मजबूत करती है, इससे विविध और निरंतर आजीविका सक्षम होती है। पिछले दो दशकों में, मनरेगा ने अल्पकालिक मजदूरी को स्थायी आजीविका में बदलने के तौर-तरीकों के साथ ग्रामीण परिवारों को सुनिश्चित मजदूरी रोजगार प्रदान किया है। जैसा कि ग्रामीण युवा तेजी से 2.5 लाख रूपये या उससे अधिक की वार्षिक आय की आकांक्षा रखते हैं, आगे का रास्ता लचीली आजीविका को मजबूत करने, जलवायु-लचीलापन और जल सुरक्षा को बढ़ावा देने, ग्रामीण विकास केंद्रों को विकसित करने और उद्यमिता को बढ़ावा देने में निहित है। विकसित भारत के तहत संभावनाएं - रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) के लिए गारंटी इस प्रस्तावित कार्यक्रम का उद्देश्य घरेलू आय सुनिश्चित करके, रोजगार के दिनों को बढ़ाकर और निरंतर आजीविका परिसंपत्तियों का निर्माण करके ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। पानी की उपलब्धता में सुधार, आजीविका को मजबूत करने और ग्रामीण बुनियादी ढांचे का निर्माण करने की संभावनाएं हैं जो जलवायु अनिश्चितताओं और चरम मौसम का सामना कर सकें। इस पहल की एक प्रमुख विशेषता ग्रामीण विकास के लिए एक एकीकृत और समावेशी दृष्टिकोण सुनिश्चित करने के लिए कई सरकारी प्रमुख कार्यक्रमों के साथ तालमेल बैठाना है और यह विकसित भारत श्र 2047 के दृष्टिकोण के अनुरूप है। जल सुरक्षा इस कार्यक्रम का प्रमुख घटक है। आवश्यकता-आधारित दृष्टिकोण के साथ, कार्यक्रम समुदाय-केंद्रित योजना को बढ़ावा देता है और छोटे किसानों की आवश्यकताओं को पूरा करता है। विकसित ग्राम पंचायत योजना, एक ग्राम पंचायत, एक योजना के सिद्धांत के तहत बॉटम-अप प्लानिंग यूनिट के रूप में काम करेगी। इस कार्यक्रम के अनुसार 125 कार्य दिवसों का प्रावधान होगा और साथ ही यह स्थानीय आवश?यकताओं की पहचान करने, उपलब्ध कौशल का उपयोग करने, आजीविका के अवसरों को अनलॉक करने और ग्रामीण लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने में मदद करेगी। योजना प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनाने के लिए सीएसओ और विशेषज्ञ ग्राम पंचायत पदाधिकारियों की क्षमताओं को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। विशेष रूप से दीन दयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत महिलाओं के नेतृत्व वाले सामुदायिक संस्थानों और योजनाओं की भागीदारी के साथ, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, स्थानीय इको सिस्टम की रक्षा करने और भागीदारी योजना के माध्यम से सामुदायिक स्वामित्व को बढ़ावा देने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर जल सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है। जब निरंतर आय के अवसर पैदा करने के लिए परिसंपत्तियों का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाएगा तब आजीविका सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी । ग्राम पंचायत और महिला समूह टिकाऊ उत्पादन प्रणालियों, जलवायु अनुकूल तौर-तरीकों, बेहतर प्रौद्योगिकियों, क्लस्टर आधारित आजीविका, स्थानीय उद्यमिता और मजबूत अभिसरण के माध्यम से आजीविका को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसके अलावा, एक वैधानिक गारंटी के रूप में, इससे मौजूदा 100 दिनों से अधिक मजदूरी रोजगार के 25 अतिरिक्त दिनों की अनुमति मिलती है और साप्ताहिक भुगतान के प्रावधान के साथ, एक वित्तीय सुरक्षा प्राप्त होती है। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने देशभर में अत्यंत कमजोर परिवारों की आजीविका का समर्थन करने के लिए पहले ही समावेशी आजीविका योजना शुरू कर दी है। यह मिशन उत्पादन जोखिमों को कम करने और जलवायु परिवर्तनशीलता के प्रति लचीलेपन में सुधार करने के लिए आजीविका से सम्बंधित ग्रामीण बुनियादी ढांचे जैसे भंडारण गोदामों, छोटे कोल्ड स्टोरेज,सौर प्रसंस्करण इकाइयों आदि के विकास का भी समर्थन करता है। साथ ही, प्रणालियों और प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण पर एक मजबूत ध्यान देने से पारदर्शिता, दक्षता और सेवा वितरण में सुधार होने की उम्मीद है। महिलाओं, पानी और समृद्धि पर बल दिये जाने की प्रक्रिया सामाजिक समानता और पारिस्थितिक संतुलन को बढ़ावा देते हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए डिज़ाइन की गई है। महिलाओं के नेतृत्व वाले एसएचजी, क्लस्टर-स्तरीय संघ और ग्राम पंचायतें कमजोर परिवारों, विशेष रूप से महिला सदस्यों की पहचान करने और उनके जीवन और आजीविका में परिवर्तन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए योजना प्रक्रियाओं में शामिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। 125 दिनों का मजदूरी रोजगार प्रदान करने वाला यह संतृप्ति और अभिसरण-आधारित, प्रौद्योगिकी- सक्षम, समावेशी और प्रगतिशील विधेयक ग्रामीण भारत में लचीलेपन को मजबूत करने और आजीविका के अवसरों का विस्तार करने पर केंद्रित है। यह विकसित भारत श्र 2047 के दृष्टिकोण के अनुरूप ग्रामीण क्षेत्रों को गरिमा, अवसर और आकांक्षा का स्थान बनाना चाहता है।

लेखक कार्यकारी निदेशक, प्रदान के पद पर कार्यरत हैं।

गुरू गोबिंद सिंह जी: त्याग और बलिदान के सच्चे प्रतीक

- योगेश कुमार गोयल

सिखों के 10वें गुरु गोबिंद सिंह जी का प्रकाश पर्व इस वर्ष 27 दिसंबर को मनाया जा रहा है। हिन्दू कैलेंडर के अनुसार गुरु गोबिंद सिंह का जन्म 1667 ई. में पौष माह की शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को 1723 विक्रम संवत् को पटना साहिब में हुआ था। प्रतिवर्ष इसी दिन गुरु गोबिंद सिंह का प्रकाशोत्सव मनाया जाता है।गुरु गोबिंद सिंह जी को बचपन में गोबिंद राय के नाम से जाना जाता था। उनके पिता गुरु तेग बहादुर सिखों के 9वें गुरु थे। पटना में रहते हुए गुरू जी तीर-कमान चलाना, बनावटी युद्ध करना इत्यादि खेल खेला करते थे, जिस कारण बच्चे उन्हें अपना सरदार मानने लगे थे। पटना में वे केवल 6 वर्ष की आयु तक रहे और सन् 1673 में सपरिवार आनंदपुर साहिब आ गए। यहीं पर उन्होंने पंजाबी, हिन्दी, संस्कृत, बृज, फारसी भाषाएं सीखने के साथ घुड़सवारी, तीरंदाजी, नेजेबाजी इत्यादि युद्धकलाओं में भी महारत हासिल की। कश्मीरी पंडितों के धार्मिक अधिकारों की रक्षा के लिए उनके पिता और सिखों के 9वें गुरु तेग बहादुर जी द्वारा नवम्बर 1975 में दिल्ली के चांदनी चौक में शीश कटाकर शहादत दिए जाने के बाद मात्र 9 वर्ष की आयु में गुरु गोबिंद सिंह जी ने सिखों के 10वें गुरू पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाली और खालसा पंथ के संस्थापक बने।

शौर्य, साहस, त्याग और बलिदान के सच्चे प्रतीक तथा इतिहास को नई धारा देने वाले अद्वितीय, विलक्षण और अनुपम व्यक्तित्व के स्वामी गुरु गोबिंद सिंह जी को इतिहास में एक विलक्षण क्रांतिकारी संत व्यक्तित्व का दर्जा प्राप्त है। वे कहते थे कि किसी भी व्यक्ति को न किसी से डरना चाहिए और न ही दूसरों को डराना चाहिए। उन्होंने समाज में फैले भेदभाव को समाप्त कर समानता स्थापित की थी और लोगों में आत्मसम्मान तथा निडर रहने की भावना पैदा की। एक आध्यात्मिक गुरु होने के साथ-साथ वे एक निर्भयी योद्धा, कवि, दार्शनिक और उच्च कोटि के लेखक भी थे। उन्हें विद्वानों का संरक्षक भी माना जाता था। कहा जाता है कि 52 कवियों और लेखकों की उपस्थिति सदैव उनके दरबार में बनी रहती थी और इसीलिए उन्हें 'संत सिपाही' भी कहा जाता था। उन्होंने स्वयं कई ग्रंथों की रचना की थी। 'बिचित्र नाटक' को गुरु गोबिंद सिंह की आत्मकथा माना जाता है, जो उनके जीवन के विषय में जानकारी का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत है। यह 'दशम ग्रंथ' का एक भाग है, जो गुरु गोबिंद सिंह की कृतियों के संकलन का नाम है। इस दशम ग्रंथ की रचना गुरू जी ने हिमाचल के पोंटा साहिब में की थी। कहा जाता है कि एक बार गुरु गोबिंद सिंह अपने घोड़े पर सवार होकर हिमाचल प्रदेश से गुजर रहे थे और एक स्थान पर उनका घोड़ा अपने आप आकर रुक गया। उसी के बाद से उस जगह को पवित्र माना जाने लगा और उस जगह को पोंटा साहिब के नाम से जाना जाने लगा। दरअसल 'पोंटा' शब्द का अर्थ होता है 'पांव' और जिस जगह पर घोड़े के पांव अपने आप थम गए, उसी जगह को पोंटा साहिब नाम दिया गया। गुरु जी ने अपने जीवन के चार वर्ष पोंटा साहिब में ही बिताए, जहां अभी भी उनके हथियार और कलम रखे हैं।

1699 में बैसाखी के दिन तख्त श्री केसगढ़ साहिब में कड़ी परीक्षा के बाद पांच सिखों को 'पंज प्यारे' चुनकर गुरु गोबिंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की थी, जिसके बाद प्रत्येक सिख के लिए कृपाण या श्रीसाहिब धारण करना अनिवार्य कर दिया गया। वहीं पर उन्होंने 'खालसा वाणी' भी दी, जिसे 'वाहे गुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह' कहा जाता है। उन्होंने जीवन जीने के पांच सिद्धांत दिए थे, जिन्हें 'पंच ककार' (केश, कड़ा, कृपाण, कंघा और कच्छा) कहा जाता है। गुरु गोबिंद सिंह ने ही 'गुरु ग्रंथ साहिब' को सिखों के स्थायी गुरु का दर्जा दिया था। सन् 1708 में गुरु गोबिंद सिंह ने महाराष्ट्र के नांदेड़ में शिविर लगाया था। वहां जब उन्हें लगा कि अब उनका अंतिम समय आ गया है, तब उन्होंने संगतों को आदेश दिया कि अब गुरु ग्रंथ साहिब ही आपके गुरु हैं। गुरु जी का जीवन दर्शन था कि धर्म का मार्ग ही सत्य का मार्ग है और सत्य की हमेशा जीत होती है। वे कहा करते थे कि मनुष्य का मनुष्य से प्रेम ही ईश्वर की भक्ति है, अत: जरूरतमंदों की मदद करो। अपने उपदेशों में उनका कहना था कि ईश्वर ने मनुष्यों को इसलिए जन्म दिया है ताकि वे संसार में अच्छे कर्म करें और बुराई से दूर रहें।

उन्होंने कई बार मुगलों को परास्त किया। आनंदपुर साहिब में तो मुगलों से उनके संघर्ष और उनकी वीरता का स्वर्णिम इतिहास बिखरा पड़ा है। सन् 1700 में दस हजार से भी ज्यादा मुगल सैनिकों को सिख जांबाजों के सामने मैदान छोड़ कर भागना पड़ा था और गुरु जी की सेना ने 1704 में मुगलों के अलावा उनका साथ दे रहे पहाड़ी हिन्दू शासकों को भी करारी शिकस्त दी थी। मुगल शासक औरंगजेब की भारी-भरकम सेना को भी आनंदपुर साहिब में दो-दो बार धूल चाटनी पड़ी थी।गुरु गोबिंद सिंह के चारों पुत्र अजीत सिंह, फतेह सिंह, जोरावर सिंह और जुझार सिंह भी उन्हीं की भांति बेहद निडर और बहादुर योद्धा थे। अपने धर्म की रक्षा के लिए मुगलों से लड़ते हुए गुरु गोबिंद सिंह ने अपने पूरे परिवार का बलिदान कर दिया था। उनके दो पुत्रों बाबा अजीत सिंह और बाबा जुझार सिंह ने चमकौर के युद्ध में शहादत प्राप्त की थी। 26 दिसम्बर 1704 को गुरु गोबिंद सिंह के दो अन्य साहिबजादों जोरावर सिंह और फतेह सिंह को इस्लाम धर्म स्वीकार नहीं करने पर सरहिंद के नवाब द्वारा दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया था और माता गुजरी को किले की दीवार से गिराकर शहीद कर दिया गया था। गुरु गोबिंद सिंह ने 7 अक्टूबर 1708 को महाराष्ट्र के नांदेड़ में स्थित श्री हुजूर साहिब में अपने प्राणों का त्याग किया था।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

दुनिया भर के लिए बड़ी चुनौती बना पर्यावरण संकट

- कुलभूषण उपमन्यु

पिछली डेढ़ शताब्दी, जब से औद्योगिक क्रांति ने विकास की गति तेज की और प्रकृति को जीतने की होड़ मच गई, मशीनों ने बंधक-निर्माण-शक्ति मानव के हाथ में दे दी तब से विकास की परिभाषा भी धीरे-धीरे बदल गई। गुणात्मक जीवन के बजाय बाहुल्य को विकास माना जाने लगा। प्रकृति के साथ दुर्व्यवहार का अंतहीन सिलसिला आरंभ हो गया। प्रकृति के दोहन से ही बाहुल्य के लिए सामान बनाए जा सकते थे इसलिए प्राकृतिक संसाधनों के असीमित दोहन की शुरुआत हो गई। उपनिवेशवाद के दौर में कम मशीनी शक्ति वाले देशों पर तथाकथित विकसित देशों द्वारा कब्जे किये गए और उनके संसाधनों को बेदर्दी से नष्ट किया गया। सभ्य कहलाने वाले देशों द्वारा कमजोर देशों के मूल निवासियों को किस तरह प्रताड़ित किया, उनकी सभ्यताओं को असभ्य घोषित करके नष्ट करने का कार्य किया गया, वह अपने आप में घिनौना इतिहास है। इसके अवशेष अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों के रूप में देखे जा सकते हैं। किन्तु यह आधुनिक सभ्यता अब अपने ही भार से भस्मासुर की तरह नष्ट होने की दिशा में बढ़ती प्रतीत हो रही है। इस सभ्यता ने अपने ही मूल पर आघात करना शुरू कर दिया है। वैज्ञानिक समझ के विकास के चलते सब गलत दिशा को समझ भी रहे हैं किन्तु विज्ञान का दुरूपयोग प्रकृति विनाशक शक्ति के रूप में किया जा रहा है। दुनिया के सबसे विद्वान् वैज्ञानिकों की बहुसंख्या युद्ध विज्ञान के विकास में संलग्न कर दी गई है क्योंकि निर्णय लेने वाले लोग आदिम क्रूर मानसिकता के ही वाहक बने हुए हैं जिनके हाथ में मशीन और विज्ञान, प्रकृति एवं प्राणी समाज के साथ मनमानी करने का हथियार बन गया है। ज्ञान, सुख और शांति का वाहक बनने के बजाय युद्ध और क्रूरता का वाहक बन गया है। इस स्थिति में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के सातवें अधिवेषण में नैरोबी में प्रस्तुत की गई ग्लोबल आउटलुक 2025 रिपोर्ट पर्यावरण के साथ किये जा रहे दुर्व्यवहार को संरेखित करती है और अपने तौर-तरीकों पर मानव समाज को पुनर्विचार करके संशोधित करने की दिशा दिखलाती है।

जलवायु परिवर्तन, प्रकृति के साथ किये जा रहे दुर्व्यवहार की प्रतिक्रिया के रूप में एक बड़े खतरे के रूप में चुनौती पेश कर रहा है। मशीनीकरण को चलाए रखने के लिए जिस उर्जा की बड़े पैमाने पर जरूरत है, वह जीवाश्म ईंधन से पैदा की जा रही है। इस उत्पादन प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर धुआं और जहरीली गैसें उत्सर्जित होती हैं जो हरित प्रभाव पैदा करके वायुमंडल के तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि कर रही हैं। तापमान वृद्धि से पूरा जलवायु का संतुलन हिल गया है। कहीं अतिवृष्टि हो रही है तो कहीं अनावृष्टि हो रही है।

ग्लेशियर पिघल कर समाप्त होने की ओर अग्रसर हैं जो आसन्न जल संकट का कारण बनेंगे। रिपोर्ट के अनुसार हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन से अभी 1.5 डिग्री सेंटीग्रेड तक तापमान में वृद्धि हुई है जो साल 2024 में 1.55 डिग्री सेंटीग्रेड हो गई है। इस गति से वृद्धि होने पर जलवायु पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ रहा है जो आगे बढ़ता जाएगा। यदि तापमान वृद्धि को रोका नहीं गया तो इसके कारण जैव विविधता पर भी बुरा असर पड़ने वाला है। जिससे 10 लाख प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा पैदा हो गया है। 20 से 40% प्रतिशत भू-भाग वैश्विक स्तर पर अनुपजाऊ होने के कगार पर है, जिससे 300 करोड़ लोग प्रभावित होंगे।

जलवायु से जुड़ी भीषण घटनाओं के कारण जनधन की भारी हानि हो रही है। आर्थिक रूप में वार्षिक 14300 करोड़ डॉलर की हानि पिछले दो दशकों से हो रही है। वायु प्रदूषण के कारण साल 2019 में स्वास्थ्य संबंधी आर्थिक नुकसान 8.1 ट्रिलियन डॉलर आंका गया, जो वैश्विक अर्थ व्यवस्था का 6.1 प्रतिशत है। 90 लाख मौतें प्रदूषण संबंधी कारणों से हुईं।

80 हजार लाख टन प्लास्टिक कचरा फैला हुआ है, जिससे गंभीर रासायनिक तत्वों से संपर्क हो रहा है और इससे 1.5 ट्रिलियन डॉलर की आर्थिक हानि प्रति वर्ष हो रही है। नैनो प्लास्टिक तत्व मानव शरीर तक पहुंच कर स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा कर रहे हैं। अनुमान है कि यदि साल 2040 तक तापमान वृद्धि 2 डिग्री सेंटीग्रेड तक पंहुच गई तो जलवायु परिवर्तन के कारण पारिस्थितिक-व्यवस्था का अपूरणीय विनाश हो सकता है जिससे बड़े पैमाने पर विस्थापन होगा। अर्थव्यवस्थाएँ चौपट हो सकती हैं और बेरोजगारी, गरीबी और अस्थिरता बढ़ेगी। उपजाऊ जमीनों के नष्ट होने से भूख, विविधता विनाश, पौष्टिक आहार की कमी, अकाल और सामाजिक असंतोष के हालात बनेंगे।

इस स्थिति से निपटने के लिए तत्काल गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। किन्तु जलवायु नियंत्रण समझौतों के विषय में बहुत से देश विमुखता दिखा रहे हैं। जो मान भी रहे हैं वे भी हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन में कटौती के लिए स्व घोषित लक्ष्य ही मानने तक सीमित रहना चाहते हैं।

इस स्थिति से बाहर निकल कर कुछ आवश्यक कदम उठाने होंगे। ख़ासकर हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन में भारी कटौती करनी होगी। जिसके लिए कार्बन मुक्त उर्जा विकल्पों की ओर मुड़ना होगा। सौर उर्जा, पवन उर्जा, हाइड्रो काइनेटिक उर्जा आदि विकल्प उपलब्ध और विकसित करने होंगे। पेट्रोल, डीज़ल पर दी जा रही सब्सिडी को हरित उर्जा की ओर मोड़ना पड़ेगा।

अत्यधिक संसाधन दोहन और दुरूपयोग को नियंत्रित करने के लिए यूज़ एंड थ्रो उत्पाद पद्धति को बदल कर टिकाऊ और मरम्मत किये जा सकने योग्य उत्पाद बनाने होंगे। बेकार पदार्थों और कचरे के पुन- चक्रीकरण की व्यवस्थाओं को प्रोत्साहित करना संसाधनों के अत्यधिक दोहन को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। वायु प्रदूषण को रोकना, पारिस्थितिक तंत्र को बचाना और पुनर्जीवित करने पर जोर देना पड़ेगा।

जलवायु परिवर्तन से मुकाबला करने के लिए इसे रोकने के जरूरी कदम उठाने के साथ-साथ जलवायु अनुकूलन की विधियाँ तलाशनी होंगी। परिवहन के कारण होने वाले भारी प्रदूषण से निपटने के लिए टिकाऊ सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आरामदायक बनाते हुए उसे विकसित करना पड़ेगा। समस्याएँ तो आती रहेंगी किन्तु समाधान के लिए प्रकृति आधारित हल प्राथमिकता से ढूंढे जाएं तो हालत सुधरने में मदद जरूर मिलेगी।

(लेखक, जाने-माने पर्यावरण विद् हैं।)

श्रीलंका के खिलाफ तीसरे टी20 के लिए दीप्ति शर्मा फिट

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा श्रीलंका के खिलाफ खेले जाने वाले तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के लिए पूरी तरह फिट हैं और चयन के लिए उपलब्ध रहेंगी। टीम की यह जानकारी मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने मैच की पूर्व संध्या पर दी। दीप्ति शर्मा विशाखापत्तनम में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में हल्के बुखार के कारण नहीं खेल पाई थीं। उस मैच में भारत ने श्रीलंका को सात विकेट से हराया था। मजूमदार ने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी सेहत पर लगातार नजर रखे हुए थी और अब वह पूरी तरह ठीक हैं। कोच ने तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर को अब तक प्लेइंग इलेवन में मौका न मिलने को अलग-अलग संयोजनों को आजमाने की रणनीति बताया। उन्होंने कहा कि रेणुका टीम की अहम सदस्य हैं और पिछले दो वर्षों में उनके योगदान से सभी वाकिफ हैं, लेकिन इस सीरीज में कुछ प्रयोग किए जा रहे हैं। मजूमदार ने यह भी बताया कि बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने एहतियातन अभ्यास सत्र में हिस्सा नहीं लिया। उन्होंने कहा कि जेमिमा को हल्की परेशानी थी, लेकिन वह अब ठीक हैं और यह सिर्फ अनिवार्य आराम का फैसला था। टीम प्रबंधन और फिजियो उनकी स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और अंतिम एकादश का फैसला मैच के दिन किया जाएगा।

बढ़त के बाद बक्सर के खिलाड़ियों ने फुटबाल मैच में दिखाया नियंत्रण,पेनाल्टी एरिया सेफ

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी (काशी) में खेली जा रही अखिल भारतीय आमंत्रण प्राइज मनी पुरुष फुटबॉल प्रतियोगिता में मां कामाख्या फुटबॉल क्लब, बक्सर का दबदबा देखने को मिला। खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश के निर्देश पर क्षेत्रीय खेल कार्यालय, वाराणसी के तत्वावधान में सिगरा स्थित डॉ. सम्पूर्णानन्द स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित मुकाबले में बक्सर ने झारखंड एकादश को एकतरफा मुकाबले में 4-0 से पराजित किया। मैच के 26वें मिनट में बक्सर के सोमनाथ ने बाएं विंग से जोरदार किक लगाकर शानदार गोल दागा और अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। झारखंड की रक्षापंक्ति अभी संभल भी नहीं पाई थी कि 28वें मिनट में सुनील कुमार ने दो खिलाड़ियों को छकाते हुए बेहतरीन गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। दो गोल की बढ़त के बाद बक्सर के खिलाड़ियों ने खेल पर पूरा नियंत्रण बना लिया। झारखंड टीम ने जवाबी हमले करते हुए कुछ अच्छे मूव बनाए और बक्सर की पेनाल्टी एरिया में दबाव भी बनाया, लेकिन बक्सर की मजबूत रक्षा पंक्ति के सामने वे सफल नहीं हो सके। खेल के 72वें मिनट में बक्सर के तेज-तर्रार खिलाड़ी मुण्डा ने गोलकीपर से रिबाउंड हुई गेंद पर सटीक प्रहार करते हुए अपना दूसरा और टीम का चौथा निर्णायक गोल दाग दिया, जिससे मुकाबला पूरी तरह बक्सर के पक्ष में चला गया।

दिल्ली ब्लूज, राजस्थान और डास्का सेमीफाइनल में

प्रयागराज। दिल्ली ब्लूज, डीएएससीए (डास्का) और राजस्थान ने 29वीं ऑल इंडिया लीगल फ्रैटर्निटी क्रिकेट प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। प्रतियोगिता में लीग चक्र के अंतिम दिन डास्का के सनी (105 नाबाद 32 गेंद) और उत्तराखंड के विनय भट्ट 115 रन, 59 गेंद) ने शतकीय पारी खेली। जबकि एएलसी इलाहाबाद के शिवम शर्मा ने (78 नाबाद, 45 गेंद) ने आतिशी बल्लेबाजी की। डीएसए मैदान पर खेले गए पहले मैच में हिमाचल प्रदेश ने 15 ओवर में तीन विकेट पर 134 रन (ऋषभ चौहान 47, रोवित चौहान 33 नाबाद, आर्यान्श 21, आकाशदीप 2-18, विवान 1-19) बनाए। जवाब में डास्का ने 9.4 ओवर में तीन विकेट पर 140 रन (सनी 105 नाबाद, मुकेश चौहान 17, प्रणय 2-18, हर्ष कालटा 1-28) बना लिए। सनी को मैन ऑफ द मैच चुना गया। दूसरे मैच में उत्तराखंड ने 15 ओवर में तीन विकेट पर 186 रन (विनय भट्ट 115, अक्षय लटवाल 27, शारिक, रोहित यादव व अनुज तिवारी एक-एक विकेट) बनाए। जवाब में एएलसी इलाहाबाद ने 15.5 ओवर में दो विकेट पर 187 रन (शिवम शर्मा 78 नाबाद, उत्कर्ष मिश्रा 40, मयंक अवस्थी 25, लोचन व मुकेश एक-एक विकेट) बना लिए। शिवम शर्मा को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

सांसद खेल महोत्सव उभरती हुई खेल प्रतिभाओं के लिए एक मजबूत मंच : सुरेंद्र नागर

मुरादाबाद। मुरादाबाद के रामगंगा विहार स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस सोनकपुर इस पोस्ट स्टेडियम में दो दिवसीय सांसद खेल महोत्सव 2025 का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि के रुप में पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री एवं राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर 'सांसद खेल महोत्सव' की शुरुआत हुई है। इसके माध्यम से जहां उभरती हुई खेल प्रतिभाओं को एक मजबूत मंच मिलता है, वहीं प्रेरणा व टैलेंट सर्च की एक सशक्त शुरुआत भी होती है। खेलकूद से जीवन में अनुशासन आता है और धैर्य के गुण विकसित होते हैं। भाजपा जिला संगठन प्रभारी राजेश यादव ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव कार्यक्रम जहां जमीन स्तर पर युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर देता है वहीं स्वस्थ, अनुशासित, आत्मविश्वासी पीढ़ी तैयार करने में मदद करता है। भाजपा जिलाध्यक्ष आकाश कुमार पाल ने कहा सांसद खेल महोत्सव का मुख्य उद्देश्य युवाओं में खेल भावना को जागृत करना है।

युवा तेजी से खेलों की ओर आकर्षित हो रहे हैं, यह भारत के उज्ज्वल खेल भविष्य का संकेत: साइना नेहवाल

एजेंसी

सतना। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता एवं अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि जब वर्ष 2036 में ओलिंपिक का आयोजन होगा, तब भारत पदक तालिका में चीन, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों से भी अधिक पदक हासिल करे और वर्ल्ड नंबर-1 बने। आज देश में खेलों के प्रति सोच बदली है और युवा तेजी से खेलों की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जो भारत के उज्ज्वल खेल भविष्य का संकेत है।

साइना नेहवाल मध्य प्रदेश के सतना में आयोजित सांसद खेल महोत्सव 2025 के समापन समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने देश में खेलों के प्रति युवाओं के बढ़ते रुझान पर संतोष जताया और अपने संघर्ष और प्रेरणा को साझा किया। उन्होंने कहा कि उनकी मां हाउस

वाइफ थीं, इसके बावजूद उन्होंने हमेशा उन्हें खेल के लिए प्रेरित किया और हर कदम पर समर्थन दिया। उसी समर्थन और विश्वास के बल पर वह इस मुकाम तक पहुंच सकीं। साइना ने मंच से अपील की कि देश में केवल क्रिकेट स्टेडियमों का निर्माण न किया जाए, बल्कि अन्य खेलों के लिए भी बेहतर स्टेडियम और सुविधाएं विकसित की जाएं। इससे ही विभिन्न खेलों में भारत के पदकों की संख्या बढ़ सकेगी।

साइना ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि बच्चे मोबाइल फोन से दूर होकर मैदान में जाकर किसी न किसी खेल का अभ्यास जरूर करें। जितना फिट हमारा शरीर रहेगा, उतना ही फिट हम सोच सकेंगे। खेल हमें अनुशासन, एकाग्रता और दबाव सहने की क्षमता सिखाता है। उन्होंने कहा कि फोकस को ध्यान (मेडिटेशन) से जोड़ने पर कोई हरा नहीं सकता। अच्छे कोच, स्टेडियम और स्पॉन्सरशिप की जरूरत पर जोर देते हुए साइना ने कहा कि खिलाड़ियों को जॉब सिक्योरिटी मिलनी चाहिए ताकि वे पूरी तरह खेल पर फोकस कर सकें।

सतना के दादा सुखेन्द्र सिंह स्टेडियम में सांसद गणेश सिंह द्वारा आयोजित सांसद खेल महोत्सव 2025 का भव्य समापन हुआ। बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल सांसद खेल महोत्सव के समापन समारोह की मुख्य अतिथि रहीं, जबकि नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने समारोह की अध्यक्षता की।

घरेलू प्रदर्शन का मिला इनाम, इसलिए हुआ वैष्णवी का चयन: अमोल मजूमदार

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा है कि श्रीलंका के खिलाफ जारी टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए वैष्णवी शर्मा का चयन चयनकर्ताओं द्वारा उनके शानदार घरेलू प्रदर्शन को दिए गए सम्मान का नतीजा है। वैष्णवी ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की अच्छी शुरुआत की है। विशाखापत्तनम में खेले गए पहले टी20 मैच में उन्होंने चार ओवर में सिर्फ 16 रन दिए, जबकि दूसरे टी20 में 32 रन देकर दो विकेट हासिल किए। प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में मजूमदार ने कहा कि वैष्णवी ने टीम की उम्मीदों पर पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास किया है।

कोच के अनुसार, वैष्णवी ने अंडर-19 स्तर पर भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया था, जिसे चयनकर्ताओं ने गंभीरता से लिया। उन्होंने इस साल महिला अंडर-19 टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहते हुए 17 विकेट लेकर सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज का गौरव हासिल किया था। इसके अलावा मौजूदा घरेलू सत्र में उन्होंने सीनियर महिला टी20 ट्रॉफी में 21 विकेट झटके और इंटर जोनल टी20 टूर्नामेंट में पांच मैचों में 12 विकेट लेकर शीर्ष स्थान पाया। हालांकि, वैष्णवी का नाम डबल्यूपीएल 2026 मेगा ऑक्शन में नहीं बिक सका, लेकिन श्रीलंका के खिलाफ मौजूदा प्रदर्शन ने उनकी क्षमता को उजागर किया है। मजूमदार ने कहा कि गेंदबाजी के साथ-साथ मानसिक मजबूती में भी वह काफी संतुलित नजर आ रही हैं और भविष्य के लिए एक उम्मीद जगाती हैं। 2026 में इंग्लैंड में होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए मजूमदार ने बताया कि टीम प्रबंधन का फोकस एक स्थिर और संतुलित संयोजन तैयार करने पर है।

क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी समेत 20 बच्चों को बाल पुरस्कार : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया सम्मानित

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियां हासिल करने वाले बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया।वीर बाल दिवस के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को 20 बच्चों को 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार' से सम्मानित किया। इन बच्चों को 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से चुना गया है। इन बच्चों में भारत के युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी हर बदलते दिन के साथ नई उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं. सिर्फ 14 साल की उम्र में ही वैभव ने क्रिकेट की दुनिया में तहलका मचा दिया है और कई रिकॉर्ड अपने नाम लिखवा लिये हैं. क्रिकेट पिच पर उनकी इस शानदार सफलता के लिए ही अब उन्हें भारत सरकार की ओर से भी सम्मानित किया गया है. वैभव सूर्यवंशी को देश के सबसे बड़े बाल पुरस्कार, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से नवाजा गया है. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने एक खास कार्यक्रम में बिहार के इस होनहार बल्लेबाज को अपने हाथों से

ये अवॉर्ड दिया. राष्ट्रीय बाल पुरस्कार पाने वाले बच्चों में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बॉर्डर पर जवानों को चाय-नाश्ता देने वाले फिरोजपुर के श्रवण सिंह भी शामिल हैं। वीर बाल दिवस गुरु गोविंद सिंह के चार बेटों की शहादत के सम्मान में आयोजित किया जाता है। गुरु गोविंद सिंह के तीन पत्नियों से चार बेटे थे, जिनका नाम अजीत, जुझार, जोरावर और फतेह था। इन्हें साहिबजादे भी कहा जाता है। 26 दिसंबर 1705 को चारों बेटों की मुगल सेना ने हत्या कर दी थी। उनकी शहादत का सम्मान करने के लिए क्करूमोदी ने 2022 में 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाने की घोषणा की थी।

सीनियर नेशनल बैडमिंटन: श्रुति मुंडाडा, पारुल चौधरी, तन्वी पत्री ने प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

एजेंसी

विजयवाड़ा। श्रुति मुंडाडा, पारुल चौधरी और तन्वी पत्री ने 87वीं सीनियर नेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप के महिला एकल प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। श्रुति ने सातवीं सीड जिया रावत को 21-14, 21-9 से हराया, जबकि पारुल ने नौवीं सीड के खिलाफ 18-21, 21-18, 21-12 से जीत दर्ज कर अगले राउंड में जगह बनाई। तन्वी पत्री ने आठवीं सीड इशारानी बरुआ के खिलाफ 22-20, 21-19 से जीत दर्ज की। टॉप सीड उन्नति हुड्डा, दूसरी सीड अनुपमा उपाध्याय, तीसरी सीड अनमोल खरब और विश्व जूनियर रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा भी अगले राउंड में पहुंचीं। पुरुषों के एकल वर्ग में, आर्यमन टंडन ने राउंड ऑफ 32 में तीसरी सीड एम रघु को 17-21, 21-11, 21-14 से हराया।

वहीं अभिनव गर्ग और ऋत्विक संजीवी एस. ने भी बड़े उलटफेर के साथ प्री-क्वार्टर में जगह बनाई। गर्ग ने दसवीं सीड अभिनव ठाकुर को 21-19, 21-16 से हराया, जबकि ऋत्विक ने तेरहवीं सीड ओरिजीत चालिहा को 21-15, 21-19 से

हराया। मिश्रित डबल्स इवेंट में, नितिन कुमार और कनिका कंवल ने छठी सीड केविन वोंग सीसी और प्रणवी एन को 23-21, 21-15 से हराया। महिलाओं की टॉप सीड उन्नति, विश्व जूनियर चैंपियनशिप रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा, आकर्षि कश्यप और रौनक चौहान ने बुधवार को अगले राउंड में जगह बनाई थी।

उन्नति ने आकांक्षा मट्टे को 21-8, 21-18 से हराया, जबकि तन्वी ने एशियन अंडर-15 महिला एकल स्वर्ण पदक विजेता शाइना मणिमुथु को 21-10, 21-14 से हराया।

आकर्षि ने एशिया अंडर-17 चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाली लक्ष्य राजेश को 21-7, 21-9 से हराया, जबकि अश्मिता चालिहा ने काव्या मारवानिया को 21-7, 21-11 से हराया।

पुरुषों के एकल इवेंट में 11वीं सीड चौहान ने रणवीर सिंह को 21-9, 21-13 से हराया था, जबकि 12वीं सीड डी एस सनीथ ने अंकित मोंडल को 21-7, 21-11 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई थी। संस्कार सारस्वत ने भी शिखर रल्लन को 21-11, 21-13 से हराया।

बेंगलुरु ओपन 2026: दक्षिणेश्वर सुरेश को वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली

एजेंसी

बेंगलुरु। बेंगलुरु ओपन 2026 का आयोजन 5 से 11 जनवरी, 2026 तक बेंगलुरु के एस.एम. कृष्णा टेनिस स्टेडियम में होगा। यह टूर्नामेंट का दसवां एडिशन है। टूर्नामेंट के लिए दक्षिणेश्वर सुरेश को वाइल्ड कार्ड एंट्री दी गई है। वाइल्ड कार्ड एंट्री मिलने पर दक्षिणेश्वर सुरेश ने कहा, 'कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस एसोसिएशन की एक शानदार कोशिश रही है। बेंगलुरु ओपन एटीपी चैलेंजर में अपने घरेलू दर्शकों के सामने हिस्सा लेना मेरे लिए गर्व की बात है। इस टूर्नामेंट ने लगातार भारतीय खिलाड़ियों को शीर्ष अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का मौका दिया है। मैं समर्थन के लिए शुक्रगुजार हूं, और मैं कोर्ट पर अपना बेस्ट देना चाहता हूं। मुझे उम्मीद है कि बेंगलुरु के फैंस मेरा उत्साह बढ़ाएंगे।' कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस एसोसिएशन के टूर्नामेंट निदेशक और

संयुक्त सचिव सुनील यजमान ने कहा, 'यह मौका उभरती प्रतिभा का समर्थन करने और एटीपी चैलेंजर इवेंट में भारतीय मौजूदगी को मजबूत करने की हमारी प्रतिबद्धता को दिखाता है। हमें दक्षिणेश्वर सुरेश को बेंगलुरु ओपन के एकल मेन ड्रॉ में वाइल्ड कार्ड एंट्री देकर खुशी हो रही है। उन्होंने टूर पर खेले गए कुछ इवेंट्स में कामयाबी हासिल की है। स्विट्जरलैंड के खिलाफ डेविस कप में भारत की जीत में भी उनका अहम रोल था। ' उन्होंने कहा कि हम दक्षिणेश्वर सुरेश को शुभकामनाएं देते हैं और उम्मीद करते हैं कि इस इवेंट से उन्हें अपने सफर में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।25 साल के दक्षिणेश्वर सुरेश भारत के उभरते हुए खिलाड़ी हैं। दक्षिणेश्वर ने सितंबर 2025 में स्विट्जरलैंड के खिलाफ डेब्यू किया था। इस मैच में उन्हें जीत हासिल हुई थी। अपने से उच्च रैंक वाले खिलाड़ी जेरोम किम को दक्षिणेश्वर ने 7-6(4), 6-3 से हराया था। वाइल्ड कार्ड दक्षिणेश्वर मजबूत स्थिति में हैं। उन्होंने 2025 में करियर की सबसे ऊंची एटीपी एकल रैंकिंग नंबर 519 हासिल की है और आईटीएफ और एटीपी चैलेंजर टूर दोनों पर अच्छे नतीजे दिखाए हैं। बेंगलुरु ओपन इस साल एटीपी चैलेंजर 125 इवेंट के तौर पर वापस आ रहा है, जिसमें कुल प्राइज मनी यूएसडी 225,000 से ज्यादा है। एकल विजेता को 125 एटीपी रैंकिंग पॉइंट्स दिए जाएंगे।

हॉकी इंडिया लीग: चेन्नई चरण के लिए टिकटों की बिक्री शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली । हॉकी इंडिया लीग 2025-26 का दूसरा चरण 3 जनवरी से चेन्नई में शुरू होगा। इसके लिए गुरुवार से टिकटों की बिक्री शुरू हो गई। मैच के दौरान फैंस बड़ी संख्या में उपस्थित हों, इसके लिए हॉकी इंडिया ने टिकट फ्री रखा है। महिलाओं की हॉकी इंडिया लीग 28 दिसंबर से रांची में शुरू होगी और 10 जनवरी तक खेली जाएगी। पुरुषों की हॉकी इंडिया लीग 3 जनवरी को चेन्नई में शुरू होगी। 11 जनवरी से रांची में पुरुषों की लीग खेली जाएगी। लीग का आखिरी चरण 17 जनवरी से 26 जनवरी तक भुवनेश्वर में आयोजित होगा। इस साल की हॉकी इंडिया लीग में आठ पुरुषों और चार महिलाओं की टीमें हिस्सा ले रही हैं। लीग अपने नए बदले हुए फॉर्मेट की वजह से पहले से ज्यादा रोमांचक होने की उम्मीद है।

हॉकी इंडिया लीग के रांची चरण के लिए टिकटों की बिक्री सोमवार को लाइव हो गई। पिछले एडिशन की तरह, हॉकी इंडिया की कोशिश है कि खेल को देश के हर कोने में ले जाया जाए। हॉकी इंडिया की कोशिश मैचों के दौरान ज्यादा से ज्यादा फैंस की उपस्थिति को बढ़ाना है।

हॉकी इंडिया लीग की गवर्निंग कमेटी के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, 'हमने एक बार फिर हॉकी फैंस को चेन्नई, रांची और भुवनेश्वर में सभी मैचों का रोमांच देने के लिए फ्री टिकट देने का फैसला किया है। महिलाओं के मैच रांची में होंगे, जबकि पुरुषों की हॉकी इंडिया लीग तीन शहरों में खेली जाएगी। हम हॉकी स्टैंड को उन फैंस से भरना चाहते हैं जो अपने पसंदीदा स्टार्स को एक्शन में देखना चाहते हैं। इस सीजन में हमारे पास दुनिया के कुछ शीर्ष खिलाड़ी भी होंगे। ' हॉकी इंडिया लीग गवर्निंग कमेटी के मेंबर भोला नाथ सिंह ने कहा, 'हीरो हॉकी इंडिया लीग हॉकी का एक महीने तक चलने वाला सेलिब्रेशन होगा।

खेल के मैदान में कोई जीतता है, कोई सीखता है, हार किसी की नहीं होती: प्रधानमंत्री

एजेंसी

रांची। सांसद खेल महोत्सव का समापन हो गया। रांची के ओटीसी ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ शामिल हुए। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सांसद खेल महोत्सव युवा निर्माण से राष्ट्रीय निर्माण का मजबूत स्तंभ बना है। खेल के मैदान में कोई जीतता है, कोई सीखता है, हार किसी की नहीं होती। प्रधानमंत्री ने कहा कि आपके जोश, जज्बा और उत्साह से स्वर्णिम भारत के दर्शन हो रहे हैं। 290 से ज्यादा सांसदों और एक करोड़ से अधिक युवाओं की भागीदारी से यह महोत्सव युवा निर्माण का मजबूत स्तंभ बना है। भारत अब खेलों को संस्कृत बना रहा है। सांसद खेल महोत्सव और अब नए कीर्तिमानगढ़ रहे हैं यह खिलाड़ियों के लिए एक मजबूत मंच प्रदान कर रहा है और दिव्यांग

खिलाड़ियों को आगे लाने का यह एक सशक्त माध्यम है। सांसद खेल महोत्सव का मुख्य उद्देश्य हमारे देश के पिछड़े और वंचित खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान मिले इसी मुख्य उद्देश्य के साथ पूरे देश भर में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया गया है। पूरे देश भर के लगभग एक करोड़ बच्चों ने अपनी रजिस्ट्रेशन कराई और इस प्रतियोगिता में भाग लिया। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव ग्रामीण क्षेत्रों में छुपी प्रतिभा को आगे लाकर बड़ा प्लेटफार्म प्रदान करना है। हमारे गांव के बच्चे आगे आए और अपने राज्य देश का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि सांसद खेल महोत्सव में रांची लोकसभा के छह विधानसभा के फुटबॉल में 147 टीमों ने भाग लिया है। वुशु में 225, आर्चरी में 190, लॉन बॉल में 33, कबड्डी में 60 टीम ने भाग लिया। वहीं, एथलीट में कुल 340 बच्चों ने भाग लिया। बालिका वर्ग में हटिया विधानसभा विजेता रही, वहीं बालक वर्ग में हटिया विजेता रहे। खेल महोत्सव के समापन पर विभिन्न खेलों के विजेताओं को मेडल और पुरस्कार प्रदान किया गया। इसके साथ ही कबड्डी और फुटबॉल का फाइनल मैच ओटीसी ग्राउंड में संपन्न हुआ।

एशेज के आखिरी दो टेस्ट से बाहर हुए पैट कमिंस की टी20 विश्व कप 2026 पर निगाह

एजेंसी

मेलबर्न । लंबी इंजरी के बाद एडिलेड टेस्ट में वापसी करने वाले ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने एशेज जीतने के बाद सीरीज के आखिरी दो टेस्ट मैचों से खुद को बाहर रखने का फैसला किया था। कमिंस ने ये फैसला खुद को फिट रखने के लिए किया था। कमिंस की नजर अगले साल भारत और श्रीलंका की मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए टीम में वापसी पर है। कमिंस बेशक टीम का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन वह टीम के साथ बने हुए हैं और अपने साथियों का आत्मविश्वास बढ़ा रहे हैं। मेलबर्न में शुक्रवार से शुरू हुए चौथे टेस्ट के दौरान लंच के समय कमिंस ने चैनल 7 पर कहा, 'एडिलेड टेस्ट में इंजरी से बच गया, इसलिए बहुत खुश हूं। पीठ की चोट से उबर रहा था, इसलिए लगातार टेस्ट मैच खेलना काफी रिस्क वाला था। सीरीज हम जीत चुके हैं, इसलिए सीरीज के आखिरी दो टेस्ट से बाहर रहने का निर्णय लिया। अगले महीने टी20 विश्व के साथ आराम

करेंगे। ' कमिंस का ये बयान इस बात का स्पष्ट संकेत है कि वह टी20 विश्व कप 2026 के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। कमिंस ने नाथन लियोन पर कहा, 'कुछ दिन पहले उसकी सर्जरी हुई थी, इसलिए उसे लंबे समय तक बाहर रहना होगा। मुझे ठीक से नहीं पता, लेकिन कम से कम कुछ महीने तो रहेंगे ही। उसके लिए आगे का रास्ता थोड़ा लंबा है, लेकिन वह पहले भी ऐसा कर चुका है, इसलिए उम्मीद है कि वह वापस आ जाएगा। टीम के लिए यह एक बड़ा झटका था। मैं उसे जल्द वापसी की शुभकामनाएं देता हूं। ' एशेज के आखिरी दो मैचों से कमिंस के बाहर होने के बाद ऑस्ट्रेलिया के हेड एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने उनके टी20 विश्व कप खेलने की संभावना पर कहा था कि यह एक असेसमेंट होगा। मुझे लगता है कि किसी समय उसका स्कैन होगा और उनकी पीठ की स्थिति की जानकारी ली जाएगी। इसके बाद उनके खेलने पर फैसला किया जाएगा। वर्ल्ड कप में वह होगा या नहीं, मैं नहीं कह सकता। अभी यह काफी धुंधला है। हालांकि हमें उम्मीद है।

जीव मिल्खा सिंह ने कोलंबो में जीत से आईजीपीएल सीजन का किया शानदार समापन

एजेंसी

कोलंबो। भारत के गोल्फ दिग्गज जीव मिल्खा सिंह ने इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) के उद्घाटन सीजन को यादगार अंदाज में समाप्त किया। उन्होंने आईजीपीएल इनविटेशनल श्रीलंका खिताब जीतकर न केवल युवा और अनुभवी खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा, बल्कि 13 साल बाद किसी प्रोफेशनल टूर्नामेंट में जीत दर्ज की। रॉयल कोलंबो गोल्फ कोर्स में खेले गए इस अंतिम मुकाबले में 54 वर्षीय जीव मिल्खा ने शानदार खेल दिखाते हुए अंतिम राउंड में 6-अंडर 65 का कार्ड खेला और कुल 15-अंडर के स्कोर के साथ खिताब अपने नाम किया। उन्होंने आर्यन रूपा आनंद को एक स्ट्रोक से हराया। आर्यन ने 68 का स्कोर किया और 14-अंडर के साथ दूसरे स्थान पर रहे।दूसरे दिन के साधारण प्रदर्शन के बाद जीव ने लगभग आधा घंटा पुटिंग ग्रीन पर अभ्यास किया, जिसका उन्हें पूरा फायदा मिला। छठे से दसवें होल तक उन्होंने लगातार पांच बर्डी लगाई और छठे से 14वें होल के बीच नौ होल में सात बर्डी करते हुए बढ़त बना ली, जिसे अंत तक कायम रखा। खिताब जीतने के बाद भावुक दिखे जीव मिल्खा ने कहा, 'मैंने पहले कभी श्रीलंका में नहीं खेला था। यह जगह मेरे लिए बेहद खास है क्योंकि यहीं मेरे माता-पिता मिले थे और उनकी जीवन यात्रा शुरू हुई थी।

फिट इंडिया ही हिट इंडिया है, भारत खेलेगा तो भारत खिलेगा : गजेंद्र सिंह शेखावत

एजेंसी

जोधपुर। फिट इंडिया एवं खेलो इंडिया की राष्ट्रीय संकल्पना को धरातल पर साकार करता सांसद खेल महोत्सव 2025 का भव्य समापन समारोह क्रीड़ा संगम गौशाला मैदान में अति उत्साह, गरिमा एवं राष्ट्रभाव से परिपूर्ण वातावरण में समारोहपूर्वक संपन्न हुआ। आयोजन का शुभारंभ उद्घाटन घोषणा एवं ध्वजारोहण के साथ हुआ, जिसके पश्चात मशाल रिले, मार्च-पास्ट एवं अभिमुख प्रयाण के माध्यम से खिलाड़ियों ने अनुशासन, एकता एवं खेल भावना का प्रेरक प्रदर्शन किया। समारोह को और अधिक गौरवमयी बनाते हुए इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े और खिलाड़ियों व उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित किया। पारंपरिक खेलों से मजबूत होती जड़ें, ऊँचाइयों की ओर बढ़ता भारत- केंद्रीय मंत्री समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान के खिलाड़ियों ने न केवल देश में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि सांसद खेल महोत्सव केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि सशक्त, स्वस्थ और आत्मनिर्भर भारत की नींव रखने का

अभियान है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मंत्र 'फिट इंडिया, हिट इंडिया' और 'भारत खेलेगा तो भारत खिलेगा' आज यहां साकार होता दिखाई दे रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जो राष्ट्र शारीरिक रूप से फिट होता है, वही विकसित राष्ट्र बनता है। खिलाड़ियों के अनुशासन, परिश्रम और आत्मविश्वास को उन्होंने स्वस्थ भारत की आधारशिला बताया।

उन्होंने कहा कि इस महोत्सव की शुरुआत पारंपरिक खेलों के साथ पंचायत स्तर से की गई, जिसमें महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों की सक्रिय भागीदारी ने सामुदायिक भावना, समरसता और सांस्कृतिक जड़ों को मजबूत किया। जिस वृक्ष की जड़ें मजबूत होती हैं, वह उतनी ही ऊंचाइयों तक पहुंचता है – यह महोत्सव उसी का उदाहरण है। समापन समारोह में वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में डॉ. प्रेम भंडारी एवं विरासत कल्चरल सोसायटी, धनोरा (पंजाब) द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। खेल, संस्कृति और राष्ट्रप्रेम के अद्भुत संगम का साक्षी बना यह समारोह दर्शकों के लिए अविस्मरणीय रहा। कार्यक्रम में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशीष कुमार मिश्रा ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए आयोजन से संबंधित विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। मिश्रा ने बताया कि सांसद खेल महोत्सव 2025 चार चरणों में आयोजित किया गया, जिसमें 1,30,056 खिलाड़ियों ने ऑनलाइन पंजीयन कराया। ग्राम एवं शहरी स्तर से चयनित होकर 19,597 खिलाड़ी ब्लॉक स्तर तक पहुंचे तथा विधानसभा स्तर पर विजेता बने 1,619 खिलाड़ियों ने संसदीय स्तरीय प्रतियोगिताओं में सहभागिता दर्ज कराई। भागीदारी के मामले में जोधपुर संसदीय क्षेत्र ने देशभर में द्वितीय स्थान प्राप्त कर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। खिलाड़ी कबड्डी, फुटबॉल, खो-खो, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, रस्साकशी, एथलेटिक्स एवं योगासन सहित कुल 8 खेल विधाओं में अपने कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं।

खान सचिव ने नाल्को से उत्पादन लक्ष्य पूरा करने, दक्षता बढ़ाने को कहा

एजेंसी

नई दिल्ली। खान सचिव पीयूष गोयल ने सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी नाल्को की विस्तार योजनाओं और उनके प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए विस्तार परियोजनाओं को समय पर पूरा करने, उत्पादन लक्ष्यों को हासिल करने और परिचालन दक्षता को व्यवस्थित रूप से बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। नाल्को इलेक्ट्रिक वाहन, नवीकरणीय और बुनियादी ढांचा क्षेत्र में एल्युमीनियम की बढ़ती घरेलू मांग के बीच अपनी क्षमता बढ़ा रही है। खान सचिव गोयल ने प्रमुख भौतिक और वित्तीय मानकों पर सामूहिक उपलब्धियों और मजबूत प्रदर्शन के लिए नेशनल एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड (नाल्को) की सराहना की। गोयल ने नाल्को के सभी क्षेत्रों में लगातार बेहतर प्रदर्शन करने और मानकों को और ऊंचा करने का आह्वान किया।

नेशनल टेस्ट हाउस का कच्चे माल, औद्योगिक सामान के नमूनों के संग्रह के लिए भारतीय डाक से करार

नई दिल्ली। गुणवत्ता परीक्षण सेवा प्रदाता नेशनल टेस्ट हाउस (एनटीएच) ने कच्चे माल और औद्योगिक उत्पादों के नमूनों के संग्रह तथा उन्हें अधिकृत प्रयोगशालाओं तक सुरक्षित और समय पर पहुंचाने के लिए भारतीय डाक के साथ एक समझौता किया है। आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। वर्तमान में नेशनल टेस्ट हाउस कोलकाता, मुंबई, चेन्नई, गाजियाबाद, जयपुर, गुवाहाटी और वाराणसी में स्थित अपने केंद्रों के माध्यम से कच्चे माल और तैयार उत्पादों की जांच, मूल्यांकन और 'कैलिब्रेशन' सेवाएं उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराता है। बयान के अनुसार, इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत डाक विभाग देशभर के ग्राहकों के घर से नमूने एकत्र करेगा और भारत के शहरी, ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों तक फैले अपने व्यापक और विश्वसनीय डाक नेटवर्क का उपयोग करते हुए उन्हें कोलकाता, गाजियाबाद, मुंबई, जयपुर, गुवाहाटी, वाराणसी और चेन्नई स्थित एनटीएच प्रयोगशालाओं तक पहुंचाएगा। अब कोई भी नागरिक या संस्था इस साझेदारी के माध्यम से अपने उत्पादों के नमूने परीक्षण के लिए नेशनल टेस्ट हाउस भेज सकती है। बयान में कहा गया कि यह रणनीतिक सहयोग लॉजिस्टिक चुनौतियों को कम करने और परीक्षण में लगने वाले समय को घटाने में मदद करेगा, जिससे एनटीएच की परीक्षण सेवाएं अधिक सुलभ, किफायती और प्रभावी बनेंगी।

केरल के वित्त मंत्री ने सीतारमण से मुलाकात में उधारी सीमा कटौती का मुद्दा उठाया

नई दिल्ली। केरल के वित्त मंत्री के. एन. बालगोपाल ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को राज्य की गंभीर वित्तीय चुनौतियों से अवगत कराते हुए घटाई गई उधारी सीमा बहाल करने का अनुरोध किया। वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) शासित केरल लंबे समय से राज्य की उधारी सीमा में कटौती और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अगुवाई वाली केंद्र सरकार के समग्र वित्तीय रुख को लेकर नाखुशी जताता रहा है।सीतारमण के साथ हुई बैठक में बालगोपाल ने कहा कि केरल को इस समय राजस्व में गिरावट और उधारी क्षमता पर लगाए गए प्रतिबंधों के कारण एक साथ कई झटकों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे राज्य पर गंभीर वित्तीय दबाव बन गया है। बालगोपाल ने यहां संवाददाताओं को इस बैठक की जानकारी देते हुए कहा कि केंद्र ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही के लिए राज्य की अनुमानित उधारी सीमा में भारी कटौती कर दी है। यह निर्णय केरल में अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों के पहले लिया गया है। बालगोपाल ने केंद्रीय वित्त मंत्री को सौंपे गए अपने प्रतिवेदन का जिक्र करते हुए कहा, 'राज्य ने चालू वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही के लिए 12,516 करोड़ रुपये की उधारी जुटाने की मंजूरी मांगी थी। लेकिन केंद्र सरकार ने अप्रत्याशित रूप से 5,944 करोड़ रुपये की कटौती करते हुए केवल 5,636 करोड़ रुपये उधारी की ही मंजूरी दी।

आरबीआई ने चेक के तेजी से निपटान की प्रणाली के दूसरे चरण को लागू किए जाने को टाला

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने चेक के तेजी से निपटान प्रणाली के दूसरे चरण के कार्यान्वयन को फिलहाल स्थगित कर दिया। इसका मकसद बैंकों को इस व्यवस्था के मुताबिक अपने संचालन को व्यवस्थित करने के लिए अधिक समय उपलब्ध कराना है। 'चेक ट्रंकेशन सिस्टम' में चेक मिलने पर निरंतर समाशोधन और निपटान का दूसरा चरण बैंकों द्वारा तीन जनवरी से लागू किया जाना था।'चेक ट्रंकेशन सिस्टम' (सीटीएस) चेक को भौतिक रूप से भेजने के बजाय उसकी इलेक्ट्रॉनिक तस्वीर और एमआईसीआर डेटा (बैंक विवरण) को भेजा जाता है। इससे निपटान तेज होता है। पहले चरण के कार्यान्वयन में कुछ शुरुआती दिक्कतें आई थीं। यह चरण चार अक्टूबर को शुरू हुआ था। दूसरे चरण में, बैंकों को 'चेक ट्रंकेशन सिस्टम' में प्राप्ति के तीन घंटे के भीतर चेक 'क्लियर' करना अनिवार्य है। भारतीय रिजर्व बैंक ने एक बयान में कहा, ''बैंकों को अपने संचालन को व्यवस्थित करने के लिए अधिक समय देने को लेकर दूसरे चरण का कार्यान्वयन अगली सूचना तक स्थगित किया जा रहा है।'' चेक प्रस्तुत करने का सत्र का समय भी सुबह नौ बजे से दोपहर तीन बजे तक और पुष्टि सत्र का समय सुबह नौ बजे से शाम सात बजे तक संशोधित किया गया है। आरबीआई ने अगस्त में 'चेक ट्रंकेशन सिस्टम' में निरंतर समाशोधन पर निपटान की शुरुआत की घोषणा करते हुए कहा था कि प्रस्तुती सत्र सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक होगा और पुष्टि सत्र सुबह 10 बजे शुरू होकर शाम सात बजे समाप्त होगा।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा फ्यूल रिटेल मार्केट बना

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में पेट्रोल, डीजल और पेट्रोलियम गैस की सहज उपलब्धता के लिए केंद्र सरकार द्वारा की गई कोशिशों की वजह से पिछले 10 साल के दौरान रिटेल पेट्रोलियम आउटलेट नेटवर्क स्थापित करने के काम में जबरदस्त तेजी आई है। इस तेजी की वजह से भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा फ्यूल रिटेल मार्केट बन चुका है। देश में पेट्रोल पंप और गैस स्टेशन का नेटवर्क 1 लाख की संख्या को भी पार कर गया है। पेट्रोलियम मंत्रालय के तहत काम करने वाले पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल (पीपीएसी) द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार फ्यूल रिटेल मार्केट में भारत में 30 नवंबर तक 1,00,266 पेट्रोल पंप या गैस स्टेशन थे। भारत से अधिक पेट्रोल पंप या गैस स्टेशन सिर्फ अमेरिका और चीन में हैं। चीन में 1,15,000 से कुछ अधिक पेट्रोलियम आउटलेट्स हैं, वहीं अमेरिका में रिटेल पेट्रोलियम और गैस स्टेशन की संख्या 1,95,000 के करीब है। पीपीएसी की रिपोर्ट के मुताबिक ग्रामीण क्षेत्र और राष्ट्रीय राजमार्गों पर आसानी से पेट्रोलियम

प्रोडक्ट्स की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए साल 2015 के बाद काफी तेजी से पेट्रोलियम आउटलेट्स का विस्तार किया गया, जिसकी वजह से 10 वर्षों की अवधि में पेट्रोलियम आउटलेट्स की संख्या साल 2015 के लगभग 50 हजार से बढ़ कर अब एक लाख के आंकड़े को पार कर गई है। पेट्रोलियम आउटलेट्स की संख्या बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार की नीति के तहत सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने काफी तेजी से नए पेट्रोल पंप या गैस पंप खोले। इसके साथ ही निजी क्षेत्र को भी पेट्रोलियम आउटलेट्स स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया फिलहाल देश में स्थापित रिटेल पेट्रोलियम नेटवर्क में सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल मार्केटिंग कंपनियों की हिस्सेदारी 90 प्रतिशत से अधिक है। इन पेट्रोलियम आउटलेट्स में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आइओसीएल) 30 नवंबर तक 41,664 आउटलेट्स का संचालन कर रहा था। इसी तरह देश में भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के 24,605 आउटलेट्स काम कर रहे हैं। जबकि हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के 24,418 आउटलेट्स पूरे देश में पेट्रोलियम प्रॉडक्ट्स की रिटेल मार्केटिंग कर रहे हैं। इसके अलावा प्राइवेट सेक्टर की कंपनियों में रूस की कंपनी रोसनेफ्ट के निवेश से शुरू हुई नायरा एनर्जी लिमिटेड देशभर में 6,900 से अधिक पेट्रोलियम आउटलेट का संचालन कर रही है। इसी तरह रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड 2,100 से अधिक रिटेल पेट्रोलियम आउटलेट्स के जरिए पेट्रोलियम प्रॉडक्ट्स बेच रही है, जबकि शेल के पूरे देश में 346 रिटेल आउटलेट्स हैं। पीपीएसी द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार साल 2015 में पूरे देश में 50,451 रिटेल पेट्रोलियम आउटलेट्स थे। उस समय प्राइवेट सेक्टर की कंपनियां के कुल 2,967 रिटेल पेट्रोलियम आउटलेट्स काम कर रहे थे। साल 2015 में देश के रिटेल फ्यूल नेटवर्क में प्राइवेट सेक्टर की हिस्सेदारी 6 प्रतिशत से भी कम थी।

छुट्टियों के मौसम में यात्री यातायात की मांग पूरी करने के लिए पूरी तरह तैयारः इंडिगो

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने कहा कि वह छुट्टियों के मौसम के दौरान मांग को पूरा करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इंडिगो को इस महीने की शुरुआत में बड़े पैमाने पर परिचालन व्यवधानों का सामना करना पड़ा था। एयरलाइन ने नागर विमानन मंत्रालय के निर्देश के बाद व्यवधानों के मद्देनज़र अपने शीतकालीन उड़ान कार्यक्रम में 10 प्रतिशत की

कटौती की है। इंडिगो ने कहा कि आगे और कड़ी सर्दी की आशंका को देखते हुए वह परिचालन की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने और व्यवधानों को न्यूनतम रखने के लिए प्रतिबद्ध है। इंडिगो ने कहा, ''नौ दिसंबर, 2025 से अपने परिचालन को पूरी तरह स्थिर करने के बाद इंडिगो सरकारी दिशानिर्देशों के अनुरूप धीरे-धीरे क्षमता बढ़ा रही है। हम लगातार 2,100-2,200 उड़ानों का संचालन कर रहे हैं और हर तीन दिन में 10 लाख से अधिक यात्रियों को सेवा प्रदान कर रहे हैं।''

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी ने लगाई जोरदार छलांग

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी के भाव में तेजी का रुख बना हुआ है। सोना आज 350 रुपये प्रति 10 ग्राम से 380 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछल गया है। वहीं, चांदी ने आज लगभग 11 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की छलांग लगाई है। सोने की कीमत में आई इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,38,940 रुपये से लेकर 1,39,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,27,360 रुपये से लेकर 1,27,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं, चांदी की कीमत में जोरदार उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,34,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,39,090 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,27,510 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,38,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और

22 कैरेट सोना 1,27,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,38,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,27,410 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,38,940 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,27,360 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,38,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,27,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,38,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,27,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,39,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,27,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,38,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,27,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

भारत अगले साल पहली जनवरी से किम्बरली प्रोसेस की अध्यक्षता संभालेगा: वाणिज्य मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत को 1 जनवरी, 2026 से किम्बरली प्रक्रिया (केपी) की अध्यक्षता संभालने के लिए चुना गया है। किम्बरली प्रक्रिया की पूर्ण बैठक में भारत को यह जिम्?मेदारी दी गई है। इस पहल का उद्देश्य कच्चे हीरों के व्यापार को रोकना है, जिसमें सरकारें, अंतरराष्ट्रीय हीरा उद्योग और नागरिक समाज शामिल हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि किम्बरली प्रक्रिया प्लेनरी द्वारा चुने जाने के बाद भारत 01 जनवरी, 2026 से किम्बरली प्रोसेस (केपी) की अध्यक्षता संभालेगा। भारत 25 दिसंबर, 2025 से केपी उपाध्यक्ष का पदभार ग्रहण करेगा और नववर्ष में अध्यक्ष का पदभार संभालेगा। ये तीसरी बार होगा जब भारत को किम्बरली प्रक्रिया की अध्यक्षता सौंपी जाएगी। मंत्रालय के मुताबिक किम्बरली प्रक्रिया एक त्रिपक्षीय पहल है, जिसमें सरकारें, अंतरराष्ट्रीय हीरा उद्योग और नागरिक समाज शामिल हैं, जिसका उद्देश्य कच्चे हीरे के व्यापार को रोकना है। ये वे कच्चे हीरे हैं जिनका उपयोग विद्रोही समूह या उनके सहयोगी उन संघर्षों को वित्त पोषित करने के लिए करते हैं, जो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के प्रस्तावों में परिभाषित वैध सरकारों को कमजोर करते हैं। इस फैसले का स्वागत करते हुए वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत का चयन अंतरराष्ट्रीय व्यापार में ईमानदारी और पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए मोदी सरकार की प्रतिबद्धता में वैश्विक विश्वास को दर्शाता है। उन्?होंने कहा कि हीरा निर्माण और व्यापार के एक प्रमुख वैश्विक केंद्र के रूप में भारत का नेतृत्व ऐसे समय में सामने आया है जब भू-राजनीति में बदलाव हो रहे हैं और टिकाऊ एवं जिम्मेदार स्रोतों पर जोर बढ़ रहा है। गोयल ने कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान, भारत शासन और अनुपालन को मजबूत करने, डिजिटल प्रमाणीकरण और पता लगाने की क्षमता को बढ़ावा देने, डेटा-आधारित निगरानी के माध्यम से पारदर्शिता बढ़ाने और संघर्ष-मुक्त हीरों में उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेगा।वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा कि साल 2025 में उपाध्यक्ष और 2026 में अध्यक्ष के रूप में भारत किम्बरली प्रक्रिया में विश्वास को मजबूत करने, नियम-आधारित अनुपालन सुनिश्चित करने और इसके मूल उद्देश्यों और विकसित हो रही वैश्विक अपेक्षाओं के अनुरूप इसकी विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए सभी प्रतिभागियों और पर्यवेक्षकों के साथ मिलकर काम करेगा, साथ ही किम्बरली प्रक्रिया को अधिक समावेशी और प्रभावी बहुपक्षीय ढांचा बनाने की दिशा में भी काम करेगा।

भारत को तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में मध्य प्रदेश करेगा सर्वाधिक भागीदारी : अमित शाह

एजेंसी

भोपाल। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मध्य प्रदेश अब देश में सबसे तेज़ गति से विकास करने वाला राज्य बन गया है। बीते सालों की वैश्विक आर्थिक उतार-चढ़ाव से अलग रहकर अनेक चुनौतियों और संसाधनों के अभाव से उबरकर प्रदेश ने जिस रफ्तार से प्रगति की है, वह पूरे देश को अभिप्रेरित करती है।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, सिंचाई, उद्योग, ऊर्जा, पर्यटन, स्वास्थ्य सुधार, खनन, फार्मा, नवकरणीय ऊर्जा और वृहद संख्या में आधारभूत अवसंरचनाएं, आज हर क्षेत्र में मध्य प्रदेश अग्रणी राज्यों की पंक्ति में खड़ा है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश ने अपनी नई सोच, उद्यमशीलता, प्रगतिशील दृष्टिकोण और नवाचारों के माध्यम से विकास के ऐसे मानक स्थापित किए हैं, जिनका अनुसरण अब अन्य राज्य भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत जल्द ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है और निःसंदेह यह तय है कि इस ऐतिहासिक उपलब्धि में मध्य प्रदेश का योगदान सबसे बड़ा होगा। उन्होंने प्रदेश के नेतृत्व और प्रशासनिक क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि यहां निवेश के लिए अनुकूल वातावरण, स्पष्ट नीतियां और मजबूत इच्छाशक्ति दिखाई देती है। इन्हीं सभी प्लस फैक्टर्स से ही मध्य प्रदेश ने इस साल देश में बड़ी संख्या में निवेश प्रस्ताव प्राप्त किए हैं। इस मामले में मध्य प्रदेश ने देश में तीसरा स्थान हासिल किया है। कार्यक्रम में गृह मंत्री शाह ने दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की निवेश लागत से प्रदेश के विभिन्न अंचलों में स्थापित होने वाली हजारों औद्योगिक एवं निर्माण इकाइयों का सामूहिक भूमिपूजन किया। उन्होंने मंच से 5,810 करोड़ रुपये लागत से औद्योगिक विकास परियोजनाओं एवं सड़क विकास कार्यों का लोकार्पण कर 860 वृहद औद्योगिक इकाइयों को 725 करोड़ रुपये की निवेश प्रोत्साहन सहायता राशि सिंगल क्लिक से वितरित की। केन्द्रीय गृह मंत्री ने मध्य प्रदेश में बीते दो साल में हुए औद्योगिक विकास पर आधारित एक कॉफी टेबल बुक और निवेश पुस्तिका का विमोचन भी किया। उन्होंने रिमोट का बटन दबाकर प्रदेश में सायबर अपराधों को समुचित तरीके से हैंडल करने के लिये प्रदेश में ई-जीरो एफआईआर की शुरूआत भी की। नई दिल्ली के बाद ऐसा करने वाला मध्य प्रदेश दूसरा राज्य है। उन्होंने मंच से चार निवेशकों को भूमि आवंटन पत्र एवं लेटर ऑफ इंटेंट प्रदान किए। इनमें मैक्केन ग्रुप के डायरेक्टर अमिताभ बक्शी, एलएनजे (भीलवाड़ा समूह) के चेयरमैन रिजु झुनझुनवाला, ग्रीन वेंट प्रा. लि. के आशीष कुमार उपाध्याय तथा नेचर्स बायो फूड्स के वाइस प्रेसिडेंट राजेश जायसवाल शामिल हैं। इस अवसर पर ग्वालियर जिले में 153.04 करोड़ रुपये की लागत वाले 57 निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं 23.79 करोड़ रुपये लागत के 13 निर्माण कार्यों का भूमिपूजन भी किया गया। प्रदर्शनी का किया अवलोकन, उच्च रोजगार सृजन करने वाले उद्योगपतियों का किया सम्मानकेंद्रीय गृह मंत्री शाह एवं अतिथियों द्वारा प्रदेश में उच्च रोजगार सृजन करने वाले उद्योगपतियों का सम्मान किया गया। इनमें वीई कामर्शियल व्हीकल्स के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर बी. श्रीनिवास, वर्धमान ग्रुप के सीनियर प्रेसिडेंट राजीव आगरा, न्यू जील फैशन वेयर के प्रबंध संचालक दीनबंधु त्रिवेदी और गोकलदास एक्सपोर्ट्स के कार्यकारी संचालक प्रभात सिंह शामिल हैं।

राष्ट्रीय कौशल विकास रूपरेखा में एआई को एकीकृत करने पर सरकार का जोर

एजेंसी

मुंबई। केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने कृत्रिम मेधा (एआई) के लिए कौशल विकास पर एक रणनीतिक परामर्श बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें 'विकसित भारत' के संकल्प को समर्थन देने के लिए राष्ट्रीय कौशल विकास रूपरेखा में एआई के एकीकरण पर जोर दिया गया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस परामर्श का उद्देश्य नीतिगत दृष्टि, उद्योग की जरूरतों और कौशल विकास के क्रियान्वयन के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना है, ताकि एआई-संचालित वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने में सक्षम, भविष्य के लिए तैयार कार्यबल तैयार किया जा सके। कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) चौधरी ने इस दौरान इंडिया-एआई मिशन के 'भावी कौशल' स्तंभ और मंत्रालय की प्रमुख पहल की समीक्षा की। उन्होंने एसओएआर (स्किलिंग फॉर एआई रेडीनेस), महानिदेशालय प्रशिक्षण (डीजीटी) और माइक्रोसॉफ्ट के बीच सहयोग, महिलाओं के लिए एआई करियर कार्यक्रम 'टेकसक्षम 2.0' और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) 4.0 के तहत एआई प्रशिक्षण की प्रगति पर भी चर्चा की। बयान के मुताबिक, बैठक में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के बीच अंतर-मंत्रालयी समन्वय को और मजबूत करने की जरूरत पर भी बल दिया गया। चौधरी ने कहा कि एआई प्रतिभा की बढ़ती मांग को देखते हुए कौशल विकास की गति और पैमाने दोनों को तेजी से बढ़ाने की जरूरत है। बैठक में पाठ्यक्रम डिजाइन और प्रशिक्षण में उद्योग की अधिक भागीदारी, मॉड्यूलर और चरणबद्ध शिक्षण पथ एवं अप्रेंटिसशिप और सजीव परियोजनाओं के जरिए वास्तविक कार्य अनुभव आगे बढ़ाने को प्राथमिक क्षेत्रों के रूप में चिन्हित किया गया।

भारत ने चीन, वियतनाम के एक-एक उत्पादों पर लगाया डंपिंग रोधी शुल्क

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने चीन और वियतनाम के एक-एक उत्पादों पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाया है। वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग ने इस संबंध मेंअलग-अलग अधिसूचनाएं जारी कीं।

पहली अधिसूचना में कहा गया है कि वियतनाम से बड़ी मात्रा में सामान्य से कम मूल्य पर कैल्शियम कार्बोनेट फिलर मास्टरबैच का भारत को निर्यात किया जाता है। इस कारण भारतीय उद्योगों को होने वाले नुकसान से बचाने के लिए डंपिंग रोधी शुल्क लगाने का फैसला किया गया है। कैल्शियम कार्बोनेट फिलर मास्टरबैच का उपयोग प्लास्टिक उद्योग में किया जाता है। मूल रूप से वियतनाम में उत्पादित या वियतनाम से निर्यात

किये गये इस उत्पाद पर 75 डॉलर प्रति टन तक का शुल्क लगाया गया है। वियतनाम की जिन सात कंपनियों के नाम अधिसूचना में हैं उनके लिए 31.58 डॉलर से 39.25 डॉलर तक का डंपिंग प्रतिरोधी शुल्क लगाया गया है। अन्य सभी मामलों में 75 डॉलर प्रति टन का शुल्क देय होगा। वहीं, रेफ्रीजरेटरों और कारों के कूलिंग सिस्टम में इस्तेमाल होने वाली और चीन से आयातित गैस 1,1,1,2-टेट्राफ्लोरोएथेन या आर-134ए पर भी डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की घोषणा की गई है।

इस मामले में चीन की छह कंपनियों में बने उत्पादों पर 4,583 डॉलर प्रति टन तक का शुल्क लगाया गया है। चीन की अन्य कंपनियों में बने उत्पादों और चीन के बाहर बने लेकिन चीन से निर्यात किये गये उत्पादों पर 5,251 डॉलर प्रति टन का डंपिंग रोधी शुल्क लगेगा।

एक साल में सेंसेक्स ने दिया नौ फीसदी रिटर्न, स्मॉलकैप के निवेशकों को नुकसान

एजेंसी

मुंबई। शेयर बाजार में दिग्गज कंपनियों में पैसा लगाने वाले निवेशकों के लिए साल 2025 पिछले साल की तुलना में बेहतर रहा और प्रमुख सूचकांकों ने नौ से दस प्रतिशत का रिटर्न दिया हालांकि छोटी कंपनियों में निवेशकों को नुकसान उठाना पड़ा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक साल के दौरान 2,497.30 अंक यानी 10.56 प्रतिशत चढ़कर 24 दिसंबर को 26,142.10 अंक पर बंद हुआ। पिछले साल यह 8.8 प्रतिशत चढ़ा था। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स भी 7,269.69 अंक (9.30 प्रतिशत) चढ़ा और बुधवार को 85,408.70 अंक पर बंद हुआ। यह पिछले साल 8.17 प्रतिशत बढ़ा था। निफ्टी का मिडकैप-50 सूचकांक 8.15 प्रतिशत और बीएसई का मिडकैप सूचकांक 0.78 प्रतिशत चढ़ा। पिछले साल दोनों सूचकांकों ने क्रमशः 21.52 फीसदी और 26.07 फीसदी का रिटर्न दिया था। वहीं, छोटी कंपनियों के सूचकांकों में गिरावट रही। बीएसई का स्मॉलकैप 6.68 प्रतिशत गिरकर 51,493.62 अंक पर आ गया है। यह इस साल 3,686.98 अंक टूट चुका है। पिछले साल यह 29.31 प्रतिशत चढ़ा था। इसी तरह, निफ्टी स्मॉलकैप-100 सूचकांक 5.65 प्रतिशत (1,060.60 अंक) टूट गया और 24 दिसंबर को 17,708.60 अंक पर बंद हुआ। पिछले साल इसने भी 23.94 प्रतिशत का बंपर रिटर्न दिया था। एनएसई ने बताया कि साल के दौरान उसका बाजार पूंजीकरण 469 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है जो करीब 6.8 प्रतिशत की वृद्धि है। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की तुलना में बाजार पूंजीकरण 136 प्रतिशत रहा। साल के दौरान पूंजी निर्माण 19.17 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। इक्विटी, डेट और बिज़नेस ट्रस्ट के जरिये कुल 19.17 लाख करोड़ रुपये का फंड जुटाया गया, जो वर्ष 2023-24 के 17.89 लाख करोड़ रुपये से करीब सात फीसदी ज्यादा रहा। इक्विटी से कुल 4.12 लाख करोड़ रुपये जुटाये गये जबकि डेट के जरिये 14.72 लाख करोड़ रुपये आये। डेट निर्माण में करीब 10 फीसदी की बढ़त दर्ज हुई। एनएसई में साल 2025 में 101 मेनबोर्ड प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 1.71 लाख करोड़ रुपये जुटाये गये।

यातायात कारपोरेशन ने आईपीओ की मंजूरी के लिए मसौदा प्रस्ताव दाखिल किए

एजेंसी

नई दिल्ली। लॉजिस्टिक एवं परिवहन सेवा कंपनी यातायात कारपोरेशन इंडिया लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये कोष जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के पास शुरुआती दस्तावेज दाखिल किए हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष मंगलवार को दायर किए गए मसौदा प्रस्ताव डीआरएचपी के मुताबिक, प्रस्तावित आईपीओ में 77 लाख नए शेयर और एक प्रवर्तक की तरफ से 56 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) की जाएगी। इस तरह निर्गम का कुल आकार 1.33 करोड़ इक्विटी शेयर तक हो जाता है। निर्गम के तहत नए शेयरों की बिक्री से मिलने वाली रकम का इस्तेमाल कुछ उधार चुकाने, कार्यशील पूंजी की ज़रूरतें पूरा करने और सामान्य कंपनी उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। यातायात कॉरपोरेशन का कारोबार मुख्य रूप से ट्रक मालढुलाई पर केंद्रित है। इसका परिचालन 12 राज्यों में फैली 34 शाखाओं और एक गोदाम की मदद से संचालित होता है।

जीएसटी 2.0 का असर, अर्थव्यवस्था को मिली मजबूती, बढ़ी खरीदारी : केंद्र

एजेंसी

नई दिल्ली । पिछले कुछ वर्षों में सरकार ने कई बड़े सुधार किए हैं, जिससे एक आधुनिक, कुशल और नागरिक-हितैषी व्यवस्था का निर्माण हुआ है। इसके तहत 40,000 से ज्यादा बेकार नियम हटाए गए और 1,500 से अधिक पुराने कानूनों को निरस्त किया गया, जिससे देश में काम करना आसान हुआ है। 22 सितंबर से लागू हुआ जीएसटी दरों में बदलाव भी ऐसा ही एक बड़ा सुधार है, जिसका मकसद 'विकसित भारत' के विजन को साकार करना है। 79वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को संबोधित करते हुए कहा कि दीपावली तक नए जीएसटी सुधार लाए जाएंगे। इन सुधारों से रोजमर्रा की चीजों पर टैक्स कम होगा। उन्होंने कहा कि इससे आम लोगों पर टैक्स का बोझ कम होगा और यह दीपावली का तोहफा होगा।

वित्त मंत्रालय के अनुसार, जीएसटी 2.0 का असर अब दिखने लगा है। लोगों की खरीदारी बढ़ी है, खासकर गाड़ियों जैसे क्षेत्रों में बिक्री ज्यादा हुई है और लोगों का भरोसा भी बढ़ा है। इससे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है।

नवंबर महीने में यात्री वाहनों की बिक्री में अच्छी बढ़त देखी गई। त्योहारों के बाद की मांग, जीएसटी दरों में कटौती और शादी के सीजन की वजह से गाड़ियों की बिक्री बढ़ी। एक रिपोर्ट के अनुसार, नवंबर में खुदरा बिक्री पिछले साल की तुलना में 22 प्रतिशत बढ़ी। वहीं, थोक बिक्री में पिछले वर्ष की तुलना में 19 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 4.1 लाख यूनिट तक पहुंच गई।

इसके अलावा, जीएसटी दरों में बदलाव से राज्यों की कमाई भी बढ़ी है। सितंबर से नवंबर के बीच राज्यों को मिलने वाला जीएसटी राजस्व

पिछले साल की तुलना में 5 प्रतिशत ज्यादा रहा। हाल ही में समाप्त हुए शीतकालीन सत्र के दौरान वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने राज्यसभा में कहा कि चालू वित्त वर्ष (2025-26) के सितंबर से नवंबर के दौरान जीएसटी संग्रह 2024-25 की इसी अवधि में 2,46,197 करोड़ रुपए से बढ़कर 2,59,202 करोड़ रुपए हो गया। सरकार का मानना है कि जीएसटी सुधार और व्यापार को आसान बनाने की नीतियों से लोगों की खरीदारी और बढ़ेगी। इससे आने वाले समय में जीएसटी से होने वाली कमाई भी ज्यादा होगी। जीएसटी सुधारों के बाद लोगों का भरोसा बढ़ा है और बैंक से लिए जाने वाले कर्ज में भी बढ़ोतरी हुई है। कई आंकड़े बताते हैं कि जीएसटी सुधारों के बाद देश की आर्थिक गतिविधियां तेज हुई हैं।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, सितंबर और अक्टूबर 2025 के दौरान ई-वे बिल जनरेशन में वार्षिक आधार पर 14.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। वहीं अप्रैल से अक्टूबर 2025 के बीच कुल जीएसटी संग्रह में 9 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो बताती है कि मजबूत खपत और नियमों के बेहतर अनुपालन के चलते राजस्व का मूल स्रोत स्थिर बना हुआ है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अनुसार, अब सरकार का अगला लक्ष्य कस्टम टैक्स को आसान बनाना है।

नेपाल में बालेन शाह ने वैकल्पिक राजनीतिक इकाई बनाने की कवायद तेज की

काठमांडू। नेपाल में संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा का चुनाव नजदीक आते ही काठमांडू के मेयर बालेन शाह ने वैकल्पिक राजनीतिक शक्ति बनाने को लेकर गतिविधियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में उन्होंने कई बैठकों और चर्चाओं का सिलसिला शुरू किया है। बालेन शाह के करीबियों के मुताबिक वैकल्पिक राजनीतिक शक्ति के रूप में या तो नई पार्टी का गठन किया जाएगा अथवा छोटी-छोटी पार्टियों का गठबंधन कर एक नया मोर्चा बनाकर चुनाव लड़ा जाएगा। प्रतिनिधि सभा का चुनाव 5 मार्च को प्रस्तावित है। शाह की यह सक्रियता राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष रवि लामिछाने की सक्रिय राजनीति में वापसी के साथ भी जुड़ी हुई है, जो सहकारी ठगी प्रकरण में नौ महीने जेल में रहने के बाद रिहा हुए हैं। हालांकि, लामिछाने के साथ दो अलग-अलग बैठकों में सहमति नहीं बन पाने के बाद शाह ने वैकल्पिक शक्तियों को एकजुट करने के लिए अपनी स्वतंत्र रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। पिछले दो दिनों में शाह ने स्वतंत्र व्यक्तियों, नागरिक समाज के प्रतिनिधियों और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ व्यापक चर्चा की है।

पूर्वी मेक्सिको में बस पलटने से 10 लोगों की मौत, 32 घायल

मेक्सिको सिटी। पूर्वी मेक्सिको के वेराक्रूज़ राज्य के ज़ोंटेकोमाटलान नगर पालिका में एक बस खाई में गिर जाने से 10 लोगों की मौत हो गई और 32 अन्य घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ज़ोंटेकोमाटलान नगर पालिका सरकार ने अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर एक बयान जारी कर कहा कि इस दुर्घटना में 9 वयस्क और एक नाबालिग की मौत हो गई। अधिकारी मृतकों की पहचान की पुष्टि करने में जुटे हैं। बचे हुए लोगों और आपातकालीन बचाव कर्मियों ने बताया कि यह दुर्घटना उस समय हुई जब कोनेक्सियन कंपनी द्वारा संचालित बस उत्तरी वेराक्रूज़ की एक कठिन सड़क पर चलते समय नियंत्रण से बाहर हो गई।राज्य के नागरिक सुरक्षा सचिवालय ने फेसबुक पर बताया कि घायलों को चिकित्सा उपचार के लिए अस्पतालों में भेजा गया है।

दक्षिणी लेबनान में इजरायली हवाई हमले में हिजबुल्लाह सदस्य की मौत

बेरुत/यरूशलेम। दोपहर दक्षिणी लेबनान में इजरायली हवाई हमले में हिजबुल्लाह का एक सदस्य मारा गया। लेबनानी सूत्रों और इजरायली सेना ने यह जानकारी दी। लेबनान की आधिकारिक राष्ट्रीय समाचार एजेंसी (एनएए) ने बताया कि दोपहर सीमावर्ती गांव मजदल सेल्म के प्रवेश द्वार पर एक इजरायली ड्रोन ने एक पिकअप ट्रक को निशाना बनाया।लेबनान के सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्रालय के आपातकालीन संचालन केंद्र ने पुष्टि की कि हमले में एक नागरिक मारा गया। एक सुरक्षा सूत्र ने मृतक की पहचान मोहम्मद अला अल-दीन नामक हिजबुल्लाह सदस्य के रूप में की। इजरायल रक्षा बलों ने एक बयान में कहा कि हमले में एक आतंकवादी मारा गया जो क्षेत्र में सैन्य बुनियादी ढांचे को बहाल करने के हिजबुल्लाह के प्रयासों में शामिल था। एनएनए ने इजरायली हवाई गतिविधियों में वृद्धि की भी सूचना दी, जिसमें आठ युद्धक विमान 'बालबेक शहर के ऊपर ऊँची उड़ान भरते हुए दक्षिण-पूर्व की ओर पूर्वी पर्वत श्रृंखला की ओर बढ़े' और एक ड्रोन ने शाम को सीमावर्ती गांवों के पास बम गिराए। अमेरिका और फ्रांस की मध्यस्थता से नवंबर 2024 में हिज़्बुल्लाह और इज़रायल के बीच हुए युद्धविराम के बावजूद, इजरायली सेना कभी-कभी लेबनान पर हमले करती है, जिसका दावा है कि उनका उद्देश्य हिज़्बुल्लाह के खतरों को खत्म करना है, और उसने लेबनानी सीमा क्षेत्र में पांच स्थानों पर अपनी सेना तैनात कर रखी है।

बुशरा बीबी खराब परिस्थितियों में, मानसिक-शारीरिक स्वास्थ्य पर होगा बुरा असर : संरा

इस्लामाबाद। संयुक्त राष्ट्र (संरा) ने पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) अध्यक्ष इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी की गिरफ्तारी की तीखी आलोचना करते हुए कहा है कि उन्हें जिन परिस्थितियों में रखा गया है उससे उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ सकता है जो उनकी प्रताड़ना की तरह है। संरा की विशेष दूत एलिस जिल एडवर्ड्स ने प्रताड़ना एवं अन्य क्रूर, अमानवीय एवं अपमानजनक बर्ताव पर पाकिस्तानी प्रशासन से अनुरोध किया कि वह 2023 से कारावास में बंद श्रीमती बुशरा के स्वास्थ्य पर तुरंत ध्यान दे। उल्लेखनीय है कि श्री खान और उनकी पत्नी को घूस के एक मामले में जनवरी में दोषी पाए जाने पर क्रमशः 14 साल और सात साल की सज़ा सुनायी गयी थी। दोनों को श्री खान के कार्यकाल के दौरान 'तोहफ़े कबूलने के लिये' 17-17 साल की अतिरिक्त सज़ा सुना दी गयी। इस फैसले में श्री खान और उनकी पत्नी को विश्वासघात का दोषी पाये जाने पर 10 साल और भ्रष्टाचार के लिये सात साल की सज़ा हुई है। संरा दूत सुश्री एडवर्ड्स ने एक बयान में खबरों का हवाला देते हुए कहा कि श्री खान की पत्नी को एक छोटे, अंधेर और गंदे कमरे में रखा गया है। उन्होंने श्रीमती बुशरा की गिरफ्तारी की आलोचना करते हुए कहा कि उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखना और यह सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है कि उन्हें बुनियादी मानवीय गरिमा के अनुरूप सुविधाएं मिल रही हैं। सुश्री एडवर्ड्स ने कहा, 'ये परिस्थितियां न्यूनतम अंतरराष्ट्रीय मानकों से बहुत बदतर हैं।' उन्होंने कहा कि कारावास में किसी भी शख्स को इतनी खराब परिस्थितियों, अकेलेपन से नहीं गुज़रना चाहिये।

अमेरिकी एच-1बी नियम में बदलाव से भारतीय टेक वर्कर्स और प्रवासी परिवारों में चिंता

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी एच-1बी वीजा सिलेक्शन प्रोसेस में एक बड़े बदलाव से भारतीय टेक्नोलॉजी प्रोफेशनल्स और भारतीय-अमेरिकी परिवारों में नई चिंता पैदा हो गई है। डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (डीएचएस) ने औपचारिक रूप से बताया है कि भविष्य में एच-1बी कैप सिलेक्शन सिर्फ रैंडम लॉटरी के बजाय सैलरी लेवल के आधार पर किया जाएगा। फेडरल रजिस्टर में पब्लिश हुए फाइनल नियम में मौजूदा रेगुलेशन में बदलाव किया गया है ताकि एच-1बी सालाना संख्या की लिमिट और एडवांस्ड डिग्री छूट के लिए 'खास लाभार्थियों' का सिलेक्शन हर एच-1बी रजिस्ट्रेशन में लिस्टेड सैलरी लेवल के आधार पर वेटेड तरीके से किया जा सके, जो संभावित याचिकाकर्ता की प्रस्तावित सैलरी से मेल खाता हो। भारतीय नागरिकों के लिए–जिनका एच-1बी अप्रूवल में बड़ा हिस्सा है और जो लंबे समय से रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड बैकलॉग पर हावी हैं। इस बदलाव पर बारीकी से नजर रखी जा रही है, क्योंकि यह इस बात का संभावित पुनर्गठन हो सकता है कि विदेशी टैलेंट अमेरिकी टेक्नोलॉजी वर्कफोर्स में कैसे प्रवेश करता है। डीएचएस ने कहा कि इस नियम का मकसद बहुत कुशल या बहुत पढ़े-लिखे कर्मचारियों की जरूरत वाली नौकरियों में कमी को दूर करना है। साथ ही अमेरिकी कर्मचारियों की सैलरी, काम करने की स्थिति और नौकरी के अवसरों की रक्षा करना है। डीएचएस ने यह भी बताया कि इसका मकसद उस चीज को रोकना है जिसे उसने अमेरिकी कर्मचारियों को हटाने और अन्यथा नुकसान पहुंचाने के लिए एच-1बी प्रोग्राम का लगातार दुरुपयोग बताया। नियम बनाने की प्रक्रिया के दौरान जमा की गई सार्वजनिक टिप्पणियों में एम्प्लॉयर्स, स्टार्टअप्स और एकेडमिक संस्थानों की चिंताओं पर प्रकाश डाला गया कि एच-1बी प्रोफेशनल 'नवाचार, उत्पादकता वृद्धि और उद्यमिता को बढ़ावा देते हैं और यह कि अंतर्राष्ट्रीय छात्र आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ऑर्बन ने रूस-यूक्रेन तनाव बढ़ाने का ईयू पर लगाया आरोप

एजेंसी

बुडापेस्ट। हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ऑर्बन ने यूरोपीय संघ (ईयू) पर रूस और यूक्रेन के बीच तनाव को जानबूझकर बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि ईयू की मौजूदा नीतियां युद्ध को शांत करने के बजाय उसे और भड़काने का काम कर रही हैं। ऑर्बन ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध अब एक निर्णायक मोड़ के करीब पहुंच रहा है। उन्होंने दावा किया कि हाल के हफ्तों में युद्ध की गति को धीमा करने और किसी समाधान की दिशा में बढ़ने के संकेत मिले थे, लेकिन इसके बावजूद ईयू की नीतियों ने हालात को और जटिल बना दिया है। हंगरी के प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि उनका देश संघर्ष को सुलझाने के लिए संवाद और कूटनीति के पक्ष में है। उन्होंने कहा, 'हमें हथियारों की आपूर्ति और टकराव बढ़ाने के बजाय शांति प्रक्रिया को मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए।' ऑर्बन ने यह भी दोहराया कि हंगरी रूस के खिलाफ प्रतिबंधों और युद्ध को लंबा खींचने वाली नीतियों का लगातार विरोध करता रहा है। उनके अनुसार, युद्ध का खामियाजा न केवल संबंधित देशों को बल्कि पूरे यूरोप को आर्थिक और सामाजिक रूप से भुगतना पड़ रहा है। प्रधानमंत्री ऑर्बन के इस बयान से एक बार फिर यूरोपीय संघ के भीतर रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर मतभेद उजागर हो गए हैं।

यूक्रेन ने रूस के तेल-गैस ठिकानों पर स्टॉर्म शैडो मिसाइलों और ड्रोन से किया हमला

एजेंसी

कीव। यूक्रेन ने रूस के ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाते हुए ब्रिटेन निर्मित स्टॉर्म शैडो क्रूज मिसाइलों और स्वदेशी लंबी दूरी के ड्रोन का इस्तेमाल किया है। यूक्रेनी सेना और सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, इन हमलों में रूस के कई तेल और गैस प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचा है। यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने बताया कि वायुसेना ने स्टॉर्म शैडो मिसाइलों से रूस के रोस्तोव क्षेत्र में स्थित नोवोशाख्तिंस्क तेल रिफाइनरी पर हमला किया। टेलीग्राम पर जारी बयान में कहा गया कि लक्ष्य पर कई विस्फोट दर्ज किए गए और हमला सफल रहा। यूक्रेनी पक्ष का दावा है कि यह रिफाइनरी दक्षिणी रूस में तेल उत्पादों की बड़ी आपूर्तिकर्ता है और रूसी सेना को डीजल तथा जेट फ्यूल मुहैया कराती है।वहीं, यूक्रेन की सुरक्षा एजेंसी एसबीयू ने कहा कि उसके स्वदेशी लंबी दूरी के ड्रोन ने रूस के क्रास्नोदार क्षेत्र के टेमरयुक बंदरगाह पर तेल उत्पाद भंडारण टैंकों को निशाना बनाया, जबकि दक्षिण-पश्चिमी रूस के ओरेनबुर्ग में स्थित एक गैस प्रोसेसिंग प्लांट पर भी हमला किया गया। ओरेनबुर्ग का यह संयंत्र दुनिया के सबसे बड़े गैस प्रसंस्करण संयंत्रों में से एक बताया जाता है और यह यूक्रेनी सीमा से करीब 1,400 किलोमीटर दूर स्थित है। रूसी क्षेत्रीय अधिकारियों ने भी पुष्टि की कि टेमरयुक बंदरगाह पर ड्रोन हमले के बाद दो तेल टैंकों में आग लग गई। क्रास्नोदार क्षेत्र के परिचालन मुख्यालय के अनुसार, आग करीब 2,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैल गई। चार साल के करीब पहुंच चुके यूक्रेन-रूस युद्ध के बीच, कूटनीतिक प्रयास अब तक ठोस नतीजे नहीं दे सके हैं। ऐसे में दोनों देश एक-दूसरे के ऊर्जा ठिकानों पर ड्रोन और

मिसाइल हमले तेज कर रहे हैं। कीव अगस्त से रूस की तेल रिफाइनरियों और ऊर्जा अवसंरचना पर हमले बढ़ा रहा है, ताकि मॉस्को की तेल आय को नुकसान पहुंचाया जा सके, जो उसके युद्ध खर्च का प्रमुख स्रोत मानी जाती है।यूक्रेनी जनरल स्टाफ ने यह भी दावा किया कि उसकी सेना ने उत्तरी काकेशस क्षेत्र के अदिगेया गणराज्य में स्थित रूसी शहर मायकोप के एक सैन्य हवाई अड्डे को भी निशाना बनाया है।

मस्जिद में आत्मघाती हमले का संदेह, पांच की मौत, 35 घायल

एजेंसी

मैदुगुरी। नाइजीरिया के उत्तर-पूर्वी बोर्नो राज्य की राजधानी मैदुगुरी में एक मस्जिद के भीतर हुए संदिग्ध आत्मघाती हमले में कम से कम पांच नमाजियों की मौत हो गई, जबकि 35 लोग घायल हो गए। यह घटना शाम की नमाज के दौरान हुई, जब एक विस्फोटक उपकरण फट गया, पुलिस ने इसकी पुष्टि की है।यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब उत्तर-पूर्वी नाइजीरिया में सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ी हुई हैं। इस क्षेत्र में पिछले करीब 15 वर्षों से इस्लामिक उग्रवादी संगठन बोको हराम और उससे अलग हुए गुट आ इ ए स ड ब ल य ू ए प ी (आईएसडब्ल्यूएपी) सक्रिय हैं, जो आम नागरिकों, मस्जिदों और बाजारों को निशाना बनाते रहे हैं। हालांकि, इस ताजा हमले की जिम्मेदारी अब तक किसी संगठन ने नहीं ली है।पुलिस के अनुसार, विस्फोट अल-अदुम मस्जिद में शाम करीब 6 बजे हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि धमाके के बाद अफरा-तफरी मच गई और घायलों को तुरंत यूनिवर्सिटी ऑफ मैदुगुरी टीचिंग हॉस्पिटल और राज्य के विशेषज्ञ अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक स्थानीय बाजार नेता मस्ता डालोरी ने कहा, 'नमाज के दौरान अचानक विस्फोट हुआ। क्या हुआ, यह किसी को ठीक से पता नहीं है। यह अल्लाह की मर्जी थी, लेकिन घटना के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दे सकता।' बोर्नो राज्य के गवर्नर बाबागाना जुलुम ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे 'निंदनीय, बर्बर और अमानवीय' करार दिया। उन्होंने त्योहारों के मौसम को देखते हुए धार्मिक स्थलों और सार्वजनिक स्थानों पर सतर्कता बढ़ाने की अपील की। गवर्नर ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। पुलिस ने बताया कि बम निरोधक दस्ते ने इलाके को घेर लिया है और तलाशी अभियान जारी है। बोर्नो राज्य पुलिस के प्रवक्ता केनेथ दासो ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है और लोगों से शांति बनाए रखने व सतर्क रहने की अपील की गई है। गौरतलब है कि इससे पहले अगस्त में नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी कात्सिना राज्य में भी एक मस्जिद और आसपास के घरों पर हुए हमले में दर्जनों लोगों की जान चली गई।

अमेरिकी सेना ने आईएस आतंकियों पर बरसाए गोले, राष्ट्रपति ट्रंप ने बताई वजह

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने उत्तर-पश्चिम नाइजीरिया में आईएसआईएल (आईएसआईएस) के लड़ाकों के खिलाफ हवाई हमला किया है। खास बात रही कि ट्रंप ने यह सूचना देने के लिए क्रिसमस के दिन को चुना। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में कहा, 'आज रात, कमांडर इन चीफ के तौर पर दिए मेरे निर्देश पर अमेरिका ने उत्तर-पश्चिम नाइजीरिया में आईएसआईएस आतंकवादियों के खिलाफ एक शक्तिशाली और घातक हमला किया। उन्होंने कहा कि आईएस आतंकवादियों ने मुख्य रूप से निर्दोष ईसाइयों को निशाना बनाया और बेरहमी से मारा, जो कई सालों और सदियों में नहीं देखा गया था। मैंने पहले ही इन आतंकवादियों को चेतावनी दी थी कि अगर उन्होंने ईसाइयों का नरसंहार बंद नहीं किया तो उन्हें इसका अंजाम भुगतना पड़ेगा और

आज रात ऐसा ही हुआ। अमेरिकी सेना की अफ्रीका कमांड (एएफआरआईसीओएम) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि हवाई हमला नाइजीरियाई अधिकारियों के अनुरोध पर किया गया था और इसमें 'कई आतंकवादी' मारे गए।

अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने लिखा, 'मैं नाइजीरियाई सरकार के समर्थन और सहयोग के लिए आभारी हूं।' उन्होंने चेतावनी दी कि और भी बहुत कुछ होने वाला है।

एएफआरआईसीओएम ने कहा कि यह हमला 'सोबोटो राज्य' में हुआ, जो नाइजीरिया के सोकोटो राज्य का हिस्सा है। अमेरिकी सैन्य कार्रवाई ट्रंप के उस बयान के हफ्तों बाद हुई है जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्होंने पेंटागन को देश में ईसाइयों के उत्पीड़न के दावों के बाद नाइजीरिया में संभावित सैन्य कार्रवाई की योजना शुरू करने का आदेश दिया था। नाइजीरिया की सरकार ने ट्रंप के दावों को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि सशस्त्र समूह देश में मुस्लिम और ईसाई दोनों समुदायों को निशाना बनाते हैं। साथ ही अमेरिकी दावे कि ईसाइयों को उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है, एक कठिन सुरक्षा स्थिति का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए नाइजीरियाई अधिकारियों के प्रयासों को नजरअंदाज करते हैं। ट्रंप द्वारा अमेरिकी हमले की घोषणा के तुरंत बाद नाइजीरिया के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी किया, जिसमें शुक्रवार सुबह पुष्टि की गई कि नाइजीरियाई अधिकारी आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद के लगातार खतरे से निपटने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका सहित अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ संरचित सुरक्षा सहयोग में लगे हुए हैं।

यायिक जांच आयोग के समक्ष सोमवार को पेश होंगे पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक ने कहा है कि वह जेन-जी आंदोलन से जुड़े घटनाक्रम की जांच कर रहे न्यायिक जांच आयोग के समक्ष सोमवार को उपस्थित होकर अपना बयान दर्ज कराएंगे। नेपाली कांग्रेस पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में लेखक ने बताया कि आयोग ने उन्हें आज ही उपस्थित होने के लिए औपचारिक रूप से बुलाया था, लेकिन वह सोमवार को आयोग के कार्यालय पहुंचकर अपना बयान देंगे। जांच आयोग ने जेन-जी आंदोलन के दौरान कथित दमन से संबंधित मामलों में उनका बयान लेने के लिए लेखक को पत्र भेजा था। लेखक ने कहा कि पार्टी की केंद्रीय समिति की बैठक में विचार-विमर्श के बाद उन्होंने आयोग के साथ सहयोग करने का निर्णय लिया है। इससे पहले कहा गया था कि पूर्व प्रधानमंत्री केपी ओली की तरह पूर्व गृहमंत्री लेखक भी जांच आयोग के समक्ष पेश नहीं होंगे।

पाकिस्तान पर गंभीर आरोपः बलूचिस्तान में अपहरण और हत्याओं का सिलसिला जारी

एजेंसी

क्वेटा। बलूचिस्तान में मानवाधिकार उल्लंघनों को लेकर एक बार फिर पाकिस्तान पर गंभीर आरोप लगे हैं। एक प्रमुख मानवाधिकार संगठन ने दावा किया है कि प्रांत में जबरन गायब किए जाने और लक्षित हत्याओं की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिनमें पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों की संलिप्तता बताई जा रही है। ह्यूमन राइट्स काउंसिल ऑफ बलूचिस्तान (एचआरसीबी) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, बीते एक महीने में बलूचिस्तान में जबरन गायब किए जाने के 106 नए मामले और 42 हत्याएं दर्ज की गईं। संगठन का कहना है कि इन घटनाओं पर कार्रवाई न होने से दंडमुक्ति का माहौल बना हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, मारे गए लोगों में 11 ऐसे व्यक्ति शामिल थे जिन्हें पहले ही गायब कर दिया गया था। इसके अलावा पांच लोग उसी महीने अगवा किए गए थे, जबकि छह अन्य पूर्व महीनों में लापता हुए थे। नवंबर में उठाए गए लोगों में से केवल 12 को बाद में छोड़ा गया, जबकि अधिकांश का अब तक कोई पता नहीं है। एचआरसीबी का दावा है कि सबसे अधिक 60 अपहरणों में पाकिस्तान की फ्रंटियर कोर की भूमिका सामने आई है। इसके बाद पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों पर 23 मामलों में आरोप लगे हैं, जबकि काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट (ष्ट्ञ्जष्ठ) पर 17 और कथित राज्य समर्थित डेथ स्क्वॉड्स पर छह मामलों में संलिप्तता बताई गई है।

जिलों में स्थिति

जिलावार आंकड़ों में केच सबसे अधिक प्रभावित रहा, जहां 20 अपहरण दर्ज हुए। इसके बाद क्वेटा (16), पंजगुर और डेरा बुगटी (14-14) मामले सामने आए। ग्वादर में 10 और कराची में 7 जबरन गायब किए जाने की घटनाएं दर्ज की गईं। इसके अलावा मस्तुंग, खुजदार, कोहलू, हब, अवारान, सुराब, चागई, डीजी खान और कलात से भी ऐसे मामले सामने आए हैं।

हत्याओं का विवरण

नवंबर में दर्ज 42 हत्याओं में 39 पुरुष और 3 महिलाएं शामिल थीं। पांच पीड़ितों की पहचान नहीं हो सकी। रिपोर्ट के अनुसार, 11 मामले लक्षित हत्याओं के थे, 10 हिरासत में मौत के, 10 शव बरामदगी से जुड़े, 4 ऑनर किलिंग, 4 हवाई हमलों से संबंधित, 2 अंधाधुंध फायरिंग और एक व्यक्ति की बाद में चोटों से मौत हुई। केच जिले में एक ही परिवार के चार सदस्यों के कथित जबरन गायब किए जाने के विरोध में बलूच परिवारों ने धरना दिया। इस दौरान चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के एक अहम राजमार्ग को लगातार दूसरे दिन जाम कर दिया गया। इससे तुरबत, क्वेटा, पंजगुर, अवारान, कोलवाह और होशाप के बीच यातायात प्रभावित रहा।

चीन ने फिर ताइवान में की घुसपैठ, दोनों देशों के बीच तनाव

एजेंसी

ताइपे (ताइवान)। ताइवान में आज सुबह चीन के दो लड़ाकू विमान, छह नौ सैनिक जहाज और दो गुब्बारे देखे गए। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने इसकी पुष्टि की। मंत्रालय ने कहा कि शुक्रवार सुबह छह बजे (स्थानीय समय) पर यह हलचल देखी गई। छह उड़ानों में से दो ने मध्य रेखा पार की और ताइवान के उत्तरी और दक्षिण-पश्चिमी वायु रक्षा क्षेत्र में प्रवेश किया। ताइवान ने चीन की हरकत का माकूल जवाब दिया। इससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है।ताइपे टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, ताइवान के भूमि मामलों की परिषद ने चीन पर अंतरराष्ट्रीय दमन और राजनीतिक हेरफेर करने का आरोप लगाया। उधर, चीन की सार्वजनिक सुरक्षा एजेंसी ने दावा किया कि ताइवानी नागरिक तस्करी के लिए जिम्मेदार थे। इस वजह से

साल की शुरुआत में समुद्र के नीचे की केबलों को नुकसान पहुंचाया गया। चीन ने ताइवान के इस दावे को खारिज कर दिया। अखबार की रिपोर्ट में कहा गया कि जून में ताइवान की एक अदालत ने टोगो-रजिस्टर्ड जहाज हांग ताई 58 के चीन के कैप्टन को तीन साल जेल की सजा सुनाई। फोकस ताइवान समाचार पोर्टल की कल की रिपोर्ट में भी चीन के भी घुसपैठ करने की जानकारी दी गई है।

ताइवान ने कहा कि गुरुवार दोपहर करीब 2:30 बजे किनमेन द्वीप समूह के दादान द्वीप के पश्चिम में प्रतिबंधित जलक्षेत्र में चीन कोस्ट गार्ड के जहाज तीन जहाज देखे गए। सीजीए ने कहा कि चीन कोस्ट गार्ड के जहाज शाम 4:12 बजे उस इलाके से चले गए। सीजीए ने इतने खराब मौसम में चीन के घुसपैठ करने के दुस्साहस की निंदा की है।

सच का सामना करें, अलगाववादी इरादे छोड़ दें ताइवानी नेता : चीन

एजेंसी

बीजिंग। चीन के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि ताइवान के नेताओं को 'सच का सामना करना चाहिये' और अलगाववादी इरादों को पूरी तरह से छोड़ देना चाहिये। राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता झांग शियाओगांग ने यहां संवाददाताओं से कहा कि पीपल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) अलगाववादी गतिविधियों से लड़ने और राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देने के अपने प्रयास बंद नहीं करेगी। उन्होंने चीन की सैन्य गतिविधियों पर ताइवान अधिकारियों की चिंताओं से जुड़े एक सवाल के जवाब में यह बात कही। श्री झांग ने कहा कि ताइवान चीन के क्षेत्र का एक अविभाज्य हिस्सा है। उन्होंने कहा कि ताइवान के चारों ओर नियमित प्रशिक्षण आयोजित करना, युद्ध की तैयारी बनाये रखना और 'राष्ट्रीय संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता' की रक्षा के लिये अलगाव-विरोधी एवं हस्तक्षेप-विरोधी अभियान चलाना पीएलए के लिये पूरी तरह से वैध और जरूरी है। श्री झांग ने कहा, 'पीएलए अलगाववादी गतिविधियों से लड़ने और राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देने के अपने प्रयास बंद नहीं करेगा। 'ताइवान की स्वतंत्रता' के हर उकसावे के लिये हम मातृभूमि के पूर्ण एकीकरण तक अपना दबाव और बढ़ायेंगे।

बांग्लादेश में राजनीतिक हलचल बढ़ी, तारिक अपने पिता जिया-उर-रहमान की कब्र पर जाएंगे

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान को आज दोपहर लंदन से लौटे लगभग 24 घंटे पूरे हो जाएंगे। पार्टी ने देश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया और दिवंगत पूर्व राष्ट्रपति जिया-उर-रहमान के बेटे तारिक के आगामी कुछ दिनों के सार्वजनिक कार्यक्रम की जानकारी दी है। तारिक के लौटते ही देश में राजनीतिक हलचल भी बढ़ गई है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार और नागरिकों ने घरवापसी पर उनकी जैसी आवभगत की है, उससे बीएनपी का सीना फूल गया है। तारिक आज अपने पिता की कब्र पर जाकर फूल चढ़ाएंगे। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, तारिक रहमान आज नमाज के बाद शेर-ए-बांग्ला नगर में दिवंगत राष्ट्रपति जिया-उर-रहमान की कब्र पर जाएंगे। बाद में वह मुक्ति संग्राम के शहीदों को श्रद्धांजलि देने सावर में राष्ट्रीय शहीद स्मारक जाएंगे। तारिक के आगामी तीन दिनों का कार्यक्रम गुलशन में बीएनपी अध्यक्ष खालिदा जिया के कार्यालय में आहूत संवाददाता सम्मेलन में जारी किया गया। पार्टी स्थायी समिति के सदस्य सलाहुद्दीन अहमद ने कहा कि तारिक 26 दिसंबर को शेर-ए-बांग्ला नगर का

दौरा पूरा करने के बाद सावर जाएंगे।

अंतरिम सरकार ने लगभग 17 साल बाद स्वदेश लौटे तारिक रहमान को दो स्तरीय सुरक्षा (डबल लेयर सिक्योरिटी) प्रदान की है। तारिक के सावर दौरे के मद्देनजर राष्ट्रीय शहीद स्मारक के आसपास सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए गए हैं। पुलिस के एक हजार जवान अकेले परिसर की सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगे। स्मारक के प्रभारी अनवर हुसैन खान अनु ने कहा, पूरे परिसर को साफकर झीलों की भी सफाई की गई है।

ढाका के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी अराफातुल इस्लाम ने कहा, ' तारिक रहमान को बहुस्तरीय सुरक्षा प्रदान करने पर विचार किया जा रहा है। फिलहाल उन्हें डबल लेयर सिक्योरिटी प्रदान की गई है। गृह सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) मोहम्मद जहांगीर आलम चौधरी ने कहा कि तारिक रहमान की उच्चतम स्तर की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। इसके अलावा बीएनपी ने भी अपने स्तर सुरक्षा के इंतजाम किए हैं। रहमान की निजी सुरक्षा की जिम्मेदारी चेयरपर्सन सिक्योरिटी फोर्स संभालेगी। इस फोर्स में जातीयताबादी छात्र दल के पूर्व और वर्तमान सदस्यों को शामिल किया गया है। तारिक गुलशन एवेन्यू के मकान नंबर 196 में सपरिवार ठहरे हैं। पास में उनकी मां खालिदा का घर (फ़िरोजा) है। खालिदा लंबे से बीमार हैं। वह राजधानी के एक अस्पताल में भर्ती हैं। तारिक को 2007 में राजनीतिक बदलाव के बाद गिरफ्तार किया गया। 2008 में वे इलाज के लिए लंदन चले गए थे। 2024 में राजनीतिक बदलाव के बाद उनके बांग्लादेश लौटने का रास्ता साफ हुआ।

page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/27/2025 12:14 AM Page 2

कवता

करसांन

सुभाष सुम्बडिया
कुपड ग्रां प्रगालता
तहसील जम्मू

अन्न दाता ऐ करसांन
सारे देस गी रूटटी लगदा ऐ खलान
नां तुप दिखदा नां शां
नां रदां ऐ वसां
फ्सल रांदा ऐ हर थां
वतर आला खंभ्बा लगदा वांन
अन्न दाता ऐ करसांन
सारे देस गी रूटटी लगदा ऐ खलान
करसांनी करने दे चले नमें यंत्र
फ्सल वूहटे लानें ओंदा ऐ कसाने गी मंत्र
सरकार ने करसांन दी निदी
सकीम चलाई
साल दा 6000 रपे करसान दे खाते शुडे पुआई।
करसान कार्ड शोडो बनाई
फ्सल वींका शोडो कराई
मिटटी टैस्ट शोडो कराई
समय सर फ्सल शोडो लोआई
केश लवाओ मक्क केश लवाओ धान
अन्न दाता ऐ करसांन
सारे देस गी रूटटी लगदा ऐ खलान
सारे करसांन कार्ड बनाओ
सरकारी सकीमे दा लाभ पाओ
सैल हैल्थ कार्ड भी बनाओ
फ्सल दा मुगता झाड पाओ
मैहकमां राई बाई अमदन दुनी लगा बदान
अन्न दाता ऐ करसांन
सारे देस गी रूटटी लगाद ऐ खलान

पत्तीदार सब्जियों की वैज्ञानिक खेती

सी एम शर्मा

हरी पत्ती वाली सब्जियाँ हमारे स्वास्थ्य के लिए अत्यन्त ही महत्वपूर्ण हैं। ये खनिज पदार्थों तथा विटामिन 'ए', विटामिन बी.-2, विटामिन 'के.' एवं विटामिन सी. की प्रमुख स्रोत हैं। लोहा, कैल्शियम, फास्फोरस व रेशा प्रचुर मात्रा में विद्यमान होने के कारण बच्चे, बूढ़े यहाँ तक कि गर्भवती महिलाओं के लिए पत्तीदार सब्जियाँ अधिक उपयोगी हैं। इसके सेवन से कब्ज, अपच व आंत का कैंसर होने की सम्भावना कम हो जाती है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् ने प्रत्येक व्यक्ति को 300 ग्राम सब्जियाँ खाने की सलाह दी है जिसमें प्रति दिन 116 ग्राम पत्तीदार सब्जियों का होना आवश्यक है। पालक, मेथी रबी मौसम में मुख्य हरे पत्ते वाली सब्जियाँ हैं। ये सब्जियाँ स्वास्थ्यवर्धक होने के साथ कम मूल्य में आसानी से सर्वत्र उपलब्ध हो जाती हैं तथा भोजन को सरस, शीघ्र पाचनयुक्त, स्वादिष्ट, संतुलित व पौष्टिक बनाने में मदद करती हैं।

1. पालक की खेती

जलवायु

पालक मुख्यत: शीतकालीन फसल है। लेकिन इसे पूरे वर्ष भर उगाया जा सकता है। शरद ऋतु में इसकी वानस्पतिक वृद्धि अच्छी होती है और 5 - 6 कटाइयाँ एक फसल से प्राप्त हो जाती हैं। गर्मी के मौसम में उगाने पर ऊंचे तापक्रम के कारण एक कटाई ही मिलती है और बाद में बीज के डंठल निकल आते हैं। इसकी अच्छी वृद्धि और उपज के लिये 15 से 20 डिग्री सेल्सियस तापक्रम उपयुक्त पाया गया है।

भूमि और भूमि की तैयारी

पालक की खेती किसी भी मिट्टी में की जा सकती है।अच्छे जल निकास वाली, बलुई दोमट या दोमट मिट्टी इसकी खेती के लिये बहुत उपयुक्त होती है। इसमें क्षारीय और लवणीय मिट्टी को सहन करने की क्षमता होती है। इसकी खेती 7 से 8.5 पी.एच. मान वाली मिट्टी में सफलतापूर्वक कर सकते हैं। खेती की 3 - 4 जुताई करके मिट्टी को भुरभुरी बना लेते हैं। बुआई के पूर्व खेत में छोटी क्यारियाँ और सिंचाई की नालियाँ बना लेनी चाहिए।

उन्नत किस्में

1.आलग्रीन

इस किस्म की पत्तियाँ एक समान हरी तथा बुआई के 20 से 25 दिन बाद कटाई योग्य हो जाती हैं। औसतन कुल 6 से 7 कटाई की जाती है। इस किस्म की औसत उपज 200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है।

2.पूसा हरित

यह किस्म पहाड़ी क्षेत्रों में पूरे वर्ष भर उगाई जाती है। मैदानी क्षेत्रों में भी इस किस्म की खेती अच्छी प्रकार से की जाने लगी है। पौधे उर्ध्व विकास करने वाले, एक समान हरे होते हैं। इस किस्म की खेती क्षारीय मृदा में भी की जा सकती है। प्रति हेक्टेयर औसत पैदावार 200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर से भीअधिक है।

3.पूसा ज्योति

इनकी पत्तियाँ गहरी हरी, रेशा रहित, मुलायम व रसीली होती हैं। पौधे अच्छे व अधिक पत्तियों वाले होते हैं तथा पोटैशियम, कैल्शियम, सोडियम व एस्कार्बिक अम्ल अन्य किस्मों की अपेक्षा अधिक होती है।

4.जोबनेर ग्रीन

एक समान हरी, मोटी व मुलायम पत्तियों वाली इस किस्म की औसत पैदावार 300 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। पत्तियों का स्वाद काफी अच्छा होता है।

5.पन्त कम्पोजिट-1

इस किस्म की पत्तियाँ मुलायम, रसीली व एक समान हरी होती हैं। यह किस्म पत्ती धब्बा बीमारी से अवरोधी है।

6.एच.एस. - 23

खाद एवं उर्वरक

बुआई के 3 से 4 सप्ताह पूर्व 20 से 25 टन गोबर की सड़ी खाद या कम्पोस्ट प्रति हेक्टेयर की दर से डालकर खेत की मिट्टी में अच्छी तरह मिला दें। इसके अलावा 100 किलोग्राम नाइट्रोजन, 50 किलोग्राम फास्फोरस और 50 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से शरदकालीन फसल में डालें। फास्फोरस और पोटाश की पूरी मात्रा और नाइट्रोजन की एक चैथाई मात्रा आपस में मिलाकर बुआई के पूर्व खेत में डालकर मिट्टी में मिला दें । शेष नाइट्रोजन बराबर मात्रा में बाँटकर प्रत्येक कटाई के बाद उपयोग करें। औसतन 3 से 4 बार टाप डेऊसिंग शरदकालीन फसल में करें । गर्मी की फसल में उर्वरक की मात्रा आधी हो जाती हैक्योंकि केवल एक ही कटाई मिलती है।

बीज की मात्रा और बुआई का समय

एक हेक्टेयर क्षेत्र में बीज बुआई के लिये 25 से 30 किलोग्राम बीज की आवश्यकता पड़ती है। बुआई का मुख्य समय अक्टूबर-नवम्बर है लेकिन इसकी बुआई लगभग पूरे वर्ष कर सकते हैं। बीज को प्राय: समतल खेत में छिटकवाँ विधि से बोते हैं परन्तु पंक्तियों में बोना अधिक लाभप्रद है। इस विधि से पंक्तियों की दूरी 15 से 20 सेन्टी मीटर रखते हैं। बीज को 2 से 3 सेन्टी मीटर गहराई पर बोएं। बीज जमने के बाद पौधे से पौधे की दूरी 4 से 5 सेन्टी मीटर रखें।

सिंचाई

बीज की बुआई के समय पर्याप्त नमी होना आवश्यक है। पहली सिंचाई बीज जमने के बाद करते हैं और बाद की सिंचाईयाँ 10 से 15 दिन के अन्तराल पर करते रहते हैं।

अंत: सस्य क्रियायें

खरपतवारों के प्रबन्धन के लिए एक या दो निराई की आवश्यकता होती है। निराई खुर्पी की सहायता से करते हैं। दो पंक्तियों के बीच हल्की गुड़ाई भी कर दें जिससे पौधों की जड़ों में वायु संचार पूर्ण रूप से हो सके।

कटाई

पहली कटाई बुवाई के तीन या चार सप्ताह बाद करते हैं। बाद की कटाईयाँ 15 से 20 दिन के अन्तर पर करते हैं। कटाई सदैव जमीन से 5 से 6 सेन्टी मीटर ऊपर करनी चाहिए।

उपज

हरी कोमल पत्तियों की औसत उपज 150 क्विंटल प्रति हेक्टेयर प्राप्त होती है।

मेथी की खेती

जलवायु

मेंथी की खेती रबी मौसम में की जाती है। इसमें पाला सहन करने की शक्ति होती है।

भूमि एवं भूमि की तैयारी तथा सिंचाई बिलकुल वैसे ही है जैसी पालक के अन्तर्गत दिए गए विवरण में है ।

उन्नत किस्में

1.पूसा अर्ली बचिंग

यह अधिक उपज देने वाली अगेती किस्म है। पत्तियों की कटाई बीज बुआई के लगभग 30 से 40 दिन बाद की जाती है। इस किस्म में बीज की बुआई के बाद से बीज बनने तक लगभग 4 माह का समय लगता है।

2.को.-1 =

यह अधिक उपज देने वाली किस्म है जिसे बीज और पत्ती दोनों के उद्देश्य से उगाया जाता है।

3.मेथी से.-47

इसकी उपज अधिक होती है एवं पत्तियों में विटामिन सी की मात्रा अधिक पायी जाती है।

4.कसूरी मेथी

इसकी खेती मुख्य रूप से पत्तियों के लिए की जाती है। बुआई से पुन:

बीज बनने तक लगभग 5 महीने का समय लगता है। इसकी 2 से 3 कटाई ली जा सकती है। इसकी हरी पत्तियों की पैदावार 60 से 75 200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। इसमें विटामिन सी की मात्रा अधिक पायी जाती है।

5.लाम सेलेक्शन-1

इस किस्म के पौधे मध्यम ऊँचाई के झाड़ीदार होते हैं। इसको बीज तथा पत्ती दोनों के लिए उगाया जाता है।

6.यू.एम.-112

यह किस्म भी बीज व हरी पत्तियों के लिए उगाई जाती है। इसमें डायोस्जीनिन की मात्रा अधिक पायी जाती है जिसका प्रयोग विभिन्न प्रकार की दवायें बनाने के लिए किया जाता है।

सर्राफा बाजार में तेजी जारी, सोना और चांदी की बढ़ी चमक

नई दिल्ली, 26 दिसंबर। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी के भाव में तेजी का रुख बना हुआ है। सोना आज 300 रुपये प्रति 10 ग्राम से 320 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछल गया है। वहीं चांदी में आज सिर्फ 100 रुपये प्रति किलोग्राम की मजबूती दर्ज की गई है। सोने की कीमत में आई इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,39,260 रुपये से लेकर 1,39,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,27,660 रुपये से लेकर 1,27,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी की कीमत में मामूली उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,34,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,39,410 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,27,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,39,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,27,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,39,310 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,27,710 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,39,260 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,27,660 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,39,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,27,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,39,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,27,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,39,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,27,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

वर्षभर में दो बार की जा सकती है स्वीट कॉर्न की खेती

शॉपिंग मॉल में फिल्म देखते समय ब्रेक के दौरान आपने भुट्टे का स्वाद जरूर चखा होगा. बिल्कुल उसी स्वीट कॉर्न की बात कर रहे हैं, जो प्रति प्लेट लगभग 80 रुपये मिलता है. शक्कर के दाने की तरह मीठा यह भुट्टा कहीं बाहर से नहीं, बल्कि एग्रीकल्चर विवि समेत प्रदेश के कुछ जिलों से लाया जाता है.

ट्रायल के तौर पर पिछले दो वर्ष से विवि में संचालित सुनियोजित कृषि विकास केन्द्र (पीएफडीसी) के तहत स्वीट कॉर्न फसल लगाई गई है. इसके दाने शक्कर की मिठास से कम नहीं हैं. हालांकि अनुसंधान कार्य के अंतर्गत चल रही इस योजना को लेकर किसान काफी उत्साहित हैं.

वहीं पीएफडीसी के प्रमुख अन्वेषक डॉ. घनश्याम साहू ने बताया कि मीठा मक्का किसानों के लिए मुनाफे का सौदा हो सकता है. सुनियोचित तरीके से किसानी करने की जरूरत है.

कम अवधि में तैयार इसकी फसल की अवधि 70 से 90 दिन तक होती है, जिसे प्रदेश में वर्षभर में दो बार खेती की जा सकती है. खरीफ के मौसम में जून-जुलाई और अक्टूबर से 15 नवबंर तक बोनी करने से अच्छी पैदावार होगी. वहीं स्वीट कॉन को सीधे कच्चा या उबालकर, भुनकर भी खाया जा सकता है. इसके अलावा यह फसल सभी तरह की मिट्टयों में उगाया जा सकता है. वहीं संपूण भारत वर्ष के लिए अनुसंक्षित किस्म खरीफ के मौसम में स्वीट ग्लोरी, एचएससी-1 और खरीफ मौसम में स्वीट-70, स्वीट-72 है.इसकी पैदावार औसतन

खरीफ में 110 से 120 क्विंटल प्रति हेक्टयर. रबी मौसम में 250 से 300 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हरा भुट्टे की होती है.

टपक सिंचाई बेहतर डॉ. साहू ने बताया कि मक्का की खेती करने के दौरान यदि किसान टपक सिंचाई के साथ पलवार लगाकर करे. तो उत्पादन क्षमता में बढोत्तरी होगी. इसके अलावा खेती के लिए बहुत अधिक रकबे की भी जरूरत नहीं है.

जितनी भी खेती उपलब्ध हो इस फसल को लगाया जा सकता है. जो किसानों की आय में बढ़ोतरी करने के साथ मिट्टी को भी उपजाऊ बनाने का कार्य करता है. आय में बढ़ोतरी मीठा मक्का किसानों के लिए मुनाफे का सौदा हो सकता है. बस सुनियोचित तरीके से किसानी करने की जरूरत है. इसकी पैदावार हर मिट्टी में की जा सकती है

कम अवधि में तैयार इसकी फसल की अवधि 70 से 90 दिन तक होती है, जिसे प्रदेश में वर्षभर में दो बार खेती की जा सकती है. खरीफ के मौसम में जून-जुलाई और अक्टूबर से 15 नवबंर तक बोनी करने से अच्छी पैदावार होगी. वहीं स्वीट कॉन को सीधे कच्चा या उबालकर, भुनकर भी खाया जा सकता है. इसके अलावा यह फसल सभी तरह की मिट्टयों में उगाया जा सकता है.

गमले में पौधा कैसे लगाएं और उसकी देखभाल कैसे करें

औषधीय वनस्पतियों के रोपण की आवश्यकता

आपातकाल में स्वास्थ्य की रक्षा हेतु हमें एलोपैथिक औषधियों से नहीं, अपितु औषधीय वनस्पतियों से सहायता मिलेगी । प्यास लगने पर कुआं नहीं खोदा जाता ! इस आशय की एक कहावत है । अत: आगामी आपातकाल में अल्प मूल्य की बहुगुणी विविध औषधीय वनस्पतियां सहजता से उपलब्ध हों, इसके लिए उन्हें अभी से घर के आसपास अथवा खेत में रोपना आवश्यक है । औषधीय वनस्पतियों का रोपण करने के पूर्व ध्यान रखने योग्य सूत्र

औषधीय वनस्पतियों का रोपण वर्षाकाल के पूर्व, अर्थात 15 जून से 15 जुलाई की कालावधि में करने पर उनका विकास भलि-भांति होता है ।

गमले में पौधा कैसे लगाएं और उसकी देखभाल कैसे करें ?

गमले में मिट्टी भरने की पद्धति

गमले की पेंदी में जो छेद हैं, उसपर एक खपडे का छोटा टुकडा अथवा छोटी-पतली गिट्टी रख दें । इससे गमले का अतिरिक्त पानी तो बह जाता है, परन्तु मिट्टी सुरक्षित रहती है ।

अब इस पर नारियल का बाहरी कठोर आवरण अथवा ईंट के बहुत छोटे-छोटे टुकडे अथवा पत्थर की बहुत छोटी-छोटी गिट्टियां अथवा कंकड बिछा दें । इससे गमले में जमा अतिरिक्त जल छनकर निकल जाएगा । अब भीमसेनी कपूर की एक छोटी टिकिया का चूर्ण बनाकर कंकडों की इस परत पर छिडक दें ।

पश्चात, आपने पहले जो मिट्टी बनाकर रखी है, उसे हाथों से उठाकर धीरे से गमले को आधा भरें और हिलाएं । गमला हिलाने से मिट्टी उसमें सब ओर फैल जाएगी । इसके पश्चा त उस मिट्टी को हाथ से थोडा दबा दें । अब आपका गमला पौधा लगाने योग्य हो गया है ।

आ. गमले में पौधा लगाकर उसे पानी देना

जो पौधा हम लगानेवाले हैं, उसे गमले में बीचोबीच रखकर, उसे मिट्टी से भर दें । मिट्टी इतनी डालें कि पौधे की जड के पास रिक्ति न रहे । इसके लिए मिट्टी को हाथसे थोडा दबा दें । गमले में पर्याप्त पानी रहने के लिए उसे ऊपर से 2 इंच खाली रखें । पौधा लगाने पर उसे तुरंत पानी दें ।

शीतकाल में गमले के पौधे को 24 घंटे में एक बार पानी देना पर्याप्त है । यथासम्भव, पानी सायंकाल में दें । इससे पानी वाष्प बनकर उडता नहीं, साथ ही पौधों को पूरा विश्राम मिलेगा और वे अधिक हरे-भरे दिखाई देंगे ।

ग्रीष्मकाल में इन्हें दिन में दो बार पानी देना आवश्यक है । गमले में पौधे के चारों ओर से पानी दें । गमले में से निकला मिट्टी का पानी घर में न फैलकर भूमि खराब न हो, इसके लिए गमले के नीचे प्लास्टिक अथवा धातु का पुराना पात्र रखें ।

इ. पौधे को तरल खाद देना और इसे बनाने की विधि

गमले के पौधों को 15 दिनके अन्तराल पर तरल खाद देने से, वे सदैव लहलहाते रहेंगे । इसके लिए, गाय का लगभग एक कटोरी नया गोबर एक लोटा पानी में घोलकर 24 घंटे के लिए छोड दें । पश्चात उसमें सनातन भीमसेनी कपूर के छोटे-से टुकडे का चूर्ण अच्छे से मिला दें । अब यह घोल एक-एक प्याला प्रत्येक पौधे को दें । यह खाद डालने के पहले, उस गमले में पानी देना आवश्यक है ।

कुछ पौधे स्वभावत: अधिक पानी सोखते हैं । जब ऐसे पौधों की जडों में यह पतली खाद पहले डाली जाएगी, तब वे इसे अधिक मात्रा में पीएंगे, जिससे उनकी हानि हो सकती है अथवा वे मर सकते हैं ।

कपूर का मुख्य इस्तेमाल पूजा के दौरान आरती में किया जाता है। कपूर में काफी तेज गंध होती है और यह एक अत्यंत ज्वलनशील पदार्थ है। निर्माण की प्रक्रिया के आधार पर और अलग अलग देशों में कपूर के अलग प्रकार मिलते हैं। कपूर रंगहीन, सफेद या पारदर्शी स्वरुप में चूर्ण या चौकोर आकृति का होता है। बहुत कम लोग जानते हैं कपूर का इस्तेमाल कई दवाइयां बनाने में भी किया जाता है।

आपने बराबर देखा होगा कि पूजा-पाठ के

सनातन भीमसेनी कपूर क्या है?

दौरान कपूर को जलाया जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कपूर कितने तरह का होता है,

कपूर एक प्रकार का जमा हुआ उड़नशील सफेद तैलीय पदार्थ है। आयुर्वेद के कई ग्रंथों में पक्व, अपक्व और भीमसेनी तीन तरह के कपूर का जिक्र है। मुख्य रूप से दो तरह के कपूर प्रयोग में लाये जाते हैं। एक पेड़ों से प्राप्त होता है और दूसरा कृत्रिम रूप से रासायनिक प्रक्रिया द्वारा बनाया जाता है। प्राकृतिक कपूर को भीमसेनी कपूर कहा जाता है, और यह कृत्रिम कपूर की तुलना में भारी होता है। यही कारण है कि यह जल्दी पानी में डूब जाता है। यह जल्दी उड़ता भी नहीं है।

संदर्भ सनातन-निर्मित ग्रंथ 'स्थानकी उपलब्धताके अनुसार औषधीय वनस्पतियोंका रोपण !